- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- लालू-राबड़ी राहुल के पास, विकास का कोई एजेंडा नहीं - 12

- केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे - 12

- एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक - 13

- भारत ए मजबूत स्थिति में, दक्षिण अफ्रीका ए पर 112 रनों की बढ़त बनाई - 14


आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.29

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया 07:32 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 8 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 349, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये


### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बोला हमला, कहा-1937 में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के कई अंश हटाए

# विभाजनकारी मानसिकता अब भी चुनौती

- राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने कीं टिप्पणियां

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और इस प्रकार की विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए ये बात कही। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

मोदी ने कहा, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी आत्मा के एक हिस्से को निकाल दिया गया। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए आज भी एक चुनौती है। प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम' को हर युग में प्रासंगिक बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि नए भारत ने मानवता की सेवा में कमला और विमला की भावना को साकार किया। भारत दुर्गा का रूप धारण करना भी जानता है।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी।

भारत की संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को आधिकारिक तौर पर वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया, जिससे इसे स्थायी महत्व प्राप्त हुआ। विभिन्न विवरणों के अनुसार, वंदे मातरम के एक संक्षिप्त संस्करण को, जिसमें मूल छह छंदों में से केवल पहले दो को रखा गया था, 1937 में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में चुना गया था। तब मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, आचार्य नरेंद्र देव और रवींद्रनाथ टैगोर की एक समिति ने इसे अपनाने की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री के भाषण से पहले दिन में भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में अपने सांप्रदायिक एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ाते हुए 1937 में 'वंदे मातरम' के केवल संक्षिप्त संस्करण को पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया था। भाजपा प्रवक्ता केसवन ने 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस ने गीत को धर्म से जोड़ने का ऐतिहासिक पाप और भूल की। नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने वंदे मातरम के उन छंदों को धार्मिक आधार पर जानबूझकर हटा दिया जिनमें देवी मां दुर्गा की स्तुति की गई थी। बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना की थी। चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' के एक भाग के रूप में प्रकाशित हुआ था।

## कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनने का मंत्र है वंदे मातरम : योगी

- कहा, वंदे मातरम किसी जाति, उपासना विधि या व्यक्ति का महिमा मंडन नहीं करता

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों के प्रति जागरूक और आग्रही बनने का प्रेरक मंत्र है। यह किसी जाति, उपासना पद्धति या व्यक्ति का महिमामंडन नहीं करता, बल्कि नागरिकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र माता के प्रति समर्पण का भाव सिखाता है। जब नागरिक अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ता है, तभी वह सच्चे अर्थों में वंदे मातरम् का गान कर रहा होता है। मुख्यमंत्री लोक भवन में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर मुख्य सचिव एसपी गोयल सहित शीर्ष अधिकारियों के साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया और 'स्वदेशी का संकल्प' लिया। राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शिक्षक अपने विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण करता है। जब जवान सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में भी डटा रहता है, और जब किसान धरती की उर्वरता बढ़ाकर अन्न उत्पादन करता है, तो यह सब वंदे मातरम् की भावना का ही मूर्त रूप है। यही भाव

वंदे मातरम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी।

राष्ट्रभक्ति को कर्म में बदलता है। विदेशी शासन की यातनाओं और दमन के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् के उद्घोष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। यह गीत भारत की भक्ति और शक्ति का सामूहिक प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने उपन्यास आनंद मठ में उस युग की भूख, अकाल और अभाव से जूझती जनता की वेदना को स्वर दिया, जिसने आगे चलकर राष्ट्र जागरण का रूप लिया।

## काशी पहुंचे प्रधानमंत्री आज चार नई वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी का किया भव्य स्वागत
- काफिले पर जगह-जगह लोगों ने की फूलों की वर्षा

वाराणसी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वह शनिवार 8 नवंबर को यहां से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। शाम करीब पांच बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे बाबतपुर पर उतरा। वहां से बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से बीएलडब्ल्यू स्थित गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। उनका काफिला बाबतपुर से हरहुआ होते हुए गिलट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर होते हुए बरेका पहुंचा। रास्ते में कई जगह स्थानीय लोगों सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी वाहन से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मोदी के स्वागत में काशीवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मोदी 8 नवंबर को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात

प्रधानमंत्री का स्वागत करते सीएम योगी।

देंगे। इनमें सबसे प्रमुख ट्रेन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बेहतरीन सेवा मानी जा रही है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बनारस (पूर्व मंडुवाडीह) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें लखनऊ से सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, फिरोजपुर से दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, एर्नाकुलम से बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, मोदी इस अवसर पर बनारस स्टेशन पर मौजूद गणमान्य लोगों से संवाद भी कर सकते हैं।

## ब्रीफ न्यूज

### भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को झटका

**चंडीगढ़।** हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी।

### कई बैंकों में चोरी का सरगना गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कई बैंकों को निशाना बनाने वाले कुख्यात 'मामू गिरोह' के सरगना कमरुल उर्फ मामू 51 को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश का निवासी आरोपी वारदात को अंजाम देने से पहले फल विक्रेता का वेश धारण कर लक्षित ठिकानों की टोह लेता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) हर्ष इंदौरा ने बताया कि दिन में वह एक साधारण फल विक्रेता के वेश में चुपचाप बैंक परिसर का निरीक्षण करता था, कर्मचारियों की दिनचर्या पर नजर रखता था और सुरक्षा खामियों का पता लगाता था।

## स्कूल-अस्पताल से आवारा कुत्तों और हाईवे से जानवरों को हटाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई

शीर्ष कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोत्तरी को देखते हुए आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, सार्वजनिक खेल परिसर, बस स्टैंड, डिपो और रेलवे स्टेशनों पर बाड़ लगाने का आदेश दिया है। साथ ही, हाईवे से आवारा जानवर हटाने का भी आदेश दिया है।

न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, पशुपालन विभाग के सचिवों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों के सचिवों को पक्षकार बनाया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने शुक्रवार को स्वतः संज्ञान लेकर आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने कहा कि स्थानीय निकायों को यह सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए कि ऐसे परिसरों में आवारा कुत्तों का कोई निवास स्थान न हो। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने आवारा कुत्तों को

सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई और उनके लिए भोजन स्थल बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए उच्च न्यायालयों में लंबित इसी तरह की याचिकाओं को उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करेगी। न्यायालय ने आदेश दिया कि संबंधित स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों की ज़िम्मेदारी होगी कि वे ऐसे संस्थानों-क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को उठाएं और पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार टीकाकरण और नसबंदी के बाद उन्हें निर्दिष्ट कुत्ता आश्रयों में पहुंचाएं। न्यायालय ने सड़कों और राजमार्गों से आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों को हटाने के निर्देश भी दिए।

### पत्नी की याचिका पर शमी को नोटिस

**नई दिल्ली।** शीर्ष कोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को उनसे अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया। नोटिस में पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी को दिए गए अंतरिम भरण-पोषण को बढ़ाने की मांग की गई है। उच्च न्यायालय ने शमी द्वारा अपनी पत्नी के लिए प्रति माह 1.50 लाख रुपये और उनकी बेटी के लिए प्रति माह 2.50 लाख का अंतरिम भरण-पोषण बढ़ा दिया था जबकि क्रिकेटर को आठ मासिक किस्तों में बकाया चुकाने की अनुमति दी थी।

### दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर रद्द होगा चुनाव

**नई दिल्ली।** शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नामांकन पत्र में दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर निर्वाचित उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने मप्र के भीकनगांव नप की पूर्व पार्षद पूनम की अपील पर यह आदेश पारित किया। पूनम को इसलिए पद से हटा दिया गया था क्योंकि चुनाव के लिए नामांकन में अपनी दोष सिद्धि का खुलासा नहीं किया था।

## नीट-पीजी: उत्तर कुंजी प्रकाशन की नीति का खुलासा करे एनबीई

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-परास्नातक (नीट-पीजी) की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने संबंधी अपनी नीति का खुलासा करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने एनबीई के अधिवक्ता से हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। शीर्ष न्यायालय राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसमें पारदर्शिता के तौर पर उत्तर कुंजी का खुलासा किये जाने की बात भी शामिल है।

सुनवाई के दौरान एनबीई के अधिवक्ता ने दलील दी कि कोचिंग संस्थान ये याचिकाएं इसलिए दायर कर रहे हैं क्योंकि वे प्रश्न पुस्तिकाओं की उत्तर कुंजी हासिल करना चाहते हैं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि इससे परीक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने 26 सितंबर को नीट-पीजी 2025 की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की मांग वाली याचिकाओं पर केंद्र और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड को नोटिस जारी किए थे।

### भारत में हॉकी के 100 वर्ष

**नई दिल्ली:** हॉकी इंडिया के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू हॉकी में हाथ आजमाते हुए, साथ में हैं केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया व अन्य। 1925 में ग्वालियर में भारतीय हॉकी महासंघ का गठन हुआ था।

## चेक बाउंस पर अभिनेत्री अमीषा पटेल तलब

**मुरादाबाद:** अतिरिक्त न्यायालय मुरादाबाद ने अभिनेत्री अमीषा पटेल को चेक बाउंस के एक मामले में तलब किया है। शुक्रवार को परिवादी पवन कुमार वर्मा ने अपने आरोप लगाया कि अमीषा ने देनदारी चुकाने के लिए दो लाख का चेक जारी किया था, जो पर्याप्त धनराशि न होने के कारण बैंक द्वारा 01 जनवरी 2025 को अनादरित कर दिया गया था।

## अगले वर्ष मैं भारत आ सकता हूं, मोदी महान व्यक्ति : ट्रंप

- नई दिल्ली क्वाड शिखर सम्मेलन की करेगा मेजबानी

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को एक अच्छा व्यक्ति और मित्र बताते हुए कहा कि मोदी चाहते हैं कि वह भारत आएं।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में गुरुवार को एक सवाल पर कहा, वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं... वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। भारत नई दिल्ली में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूस से खरीदारी बंद कर दी है।

## तकनीकी खामी से 800 उड़ानें विलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली में हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी से यात्री परेशान

दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को अफरातफरी मच गई क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण लगभग 800 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में देर हुई। हवाई अड्डे पर सभी विमानन कंपनियों की उड़ानों के परिचालन प्रभावित हुए हैं और अधिकारी खामी को ठीक करने के लिए लगे हैं।

इंडिगो, एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर जैसी विमानन कंपनियों ने शुक्रवार को कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उनकी उड़ानों में देरी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन

करता है और देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सुबह 10 बजकर आठ मिनट पर 'एक्स' पर कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हो रही है, क्योंकि 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी खामी आ गई है, जो हवाई यातायात नियंत्रण डेटा को सहयोग देता है।

### दो दिनों से रुक-रुक कर आ रही थी समस्या

सूत्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में रुक-रुक कर समस्याएं आ रही थीं और तकनीकी समस्या का सुबह करीब 5.45 बजे से प्रणाली पर काफी असर पड़ने लगा। दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) करता है। डायल ने दोपहर एक बजकर 42 मिनट पर 'एक्स' पर पोस्ट किया दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी एयरलाइन के परिचालन में फिलहाल देरी हो रही है। संबंधित प्रशासन इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए काम कर रहे हैं।

सराहनीय | आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को मिला तीसरा स्थान

## मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली और बहराइच जिले सराहनीय

**अमृत विचार:** प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के बीच 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार की सबसे पसंदीदा योजना बन चुकी है।

जौनपुर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को तीसरा स्थान मिला है। कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली व बहराइच जिलों का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा है।

जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार, जिले में 2,250

लक्ष्य के सापेक्ष 2,256 युवाओं को लोन दिया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकों से जोड़ते हुए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इस उपलब्धि में जिला प्रबंधक अभय प्रकाश श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही। आजमगढ़ के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि अप्रैल माह से सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आजमगढ़ लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जिले को 2,250 का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष 2,085 युवाओं को लोन वितरित कर 92.67 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि पहले यह जिला 25वें स्थान पर था, पर निरंतर समीक्षा और कार्यशालाओं के चलते उल्लेखनीय सुधार हुआ। इसी तरह अंबेडकरनगर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि बैंकर्स के साथ नियमित बैठकें कर 1,900 लक्ष्य के सापेक्ष 1,485 युवाओं को लोन वितरित किया गया।

इसके अलावा कौशांबी ने चौथा और हरदोई ने पांचवां स्थान प्राप्त किया है। झांसी, रायबरेली और बहराइच का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

### अब तक 2,76,824 आवेदन, 71,918 लोगों को मिला लोन

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.50 लाख के लक्ष्य के सापेक्ष सात माह में 2,76,824 युवाओं ने लोन के लिए आवेदन किया है। इनमें से 2,26,511 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जबकि 73,191 को स्वीकृति मिल चुकी है। अब तक 71,918 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,8 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

## न्यूज ब्रीफ

### मजदूर ने फंदा लगाकर दी जान

**कांट/शाहजहांपुर,अमृत विचार :** पोल्ट्री फार्म में एक मजदूर ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव कुंडे से रस्सी से लटका हुआ देखा गया। मृतक बिहार का रहने वाला है। बिहार के मोतिहारी जिले के थाना संग्रामपुर के गांव संग्रामपुर निवासी अरविंद कुमार यादव (27) पिपरौला क्षेत्र में पोल्ट्री फार्म में काम करता था। फार्म में ही एक कमरे में रहता था। शुक्रवार की सुबह लोगों ने उसका शव कमरे में कुंडे से रस्सी से लटका हुआ देखा। पोल्ट्री फार्म के मालिक ने कांट थाना पर सूचना दी। पुलिस मौके पर आयी और शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस लाइन से फॉरेंसिक टीम पहुंची और जांच करके नमूना लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उसके परिवार वालों को सूचना दे दी गयी है।

### युवक की गर्दन चाइनीज मांझे से कटने से बची

**शाहजहांपुर/कांट, अमृत विचार :** चाइनीज मांझा बाइक सवार की गर्दन में लिपटने से तुरंत बाइक को रोक लिया और गर्दन कटने से बच गयी। कांट थाना क्षेत्र के गांव सप्तयारा निवासी रुपेश वर्मा शुक्रवार की दोपहर किसी कार्य से बाइक से कांट बाजार जा रहे थे। वह कस्बा कांट में पहुंचे तो उनकी गर्दन में चाइनीज मांझा आकर लिपट गया। उन्होंने तुरंत बाइक को रोक दिया। उन्होंने देखा कि उनकी गर्दन में चाइनीज मांझा लिपटा हुआ था। रुपेश ने गर्दन में लिपटा हुआ मांझा बमुश्किल से निकाला। चाइनीज मांझा से एक सिपाही और एक युवक की मौत हो चुकी है। चाइनीज मांझा पतंग की दुकानों पर खुले आम बिक रहा है।

### मधुमक्खियों ने कई लोगों को काटा

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** कैंट क्षेत्र में रामलीला मैदान में स्थित बाजार में मधुमक्खियों को किसी ने छेड़ दिया। मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया, जिससे लोग अपनी जान बचाकर भागे। कुछ लोगों के मधुमक्खियों ने काट लिया। कैंट बाजार में लोगों का आना-जाना रहता है। पुराने पेड़ पर मधुमक्खियों के छत्ते लगे है। शुक्रवार को सुबह किसी ने छत्ते पर ईंट मार दी, जिससे मधुमक्खियां इधर-उधर भागने लगी। लोग अपने बचाव के लिए इधर-उधर भाग खड़े हुए।

# एसएस कॉलेज ने बरेली कॉलेज को हराया

## बैडमिंटन के फाइनल मैच में एसएस कॉलेज ने रिवर्स एकल मुकाबले में दर्ज की निर्णायक जीत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

खेल महोत्सव के समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार देते जिलाधिकारी।

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

**अमृत विचारः** मुमुक्षु शिक्षा संकुल में आयोजित स्वामी शुकदेवानंद खेल महोत्सव का समापन समारोह शुक्रवार को उत्साह और जोश के माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में एस एस कॉलेज ने बरेली कॉलेज को रोमांचक मुकाबले में 21-18 से हराकर अंतरमहाविद्यालयी बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकों के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य भी नितांत आवश्यक है। तन और मन दोनों के संतुलित स्वास्थ्य से ही एक सशक्त और पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण होता है। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत से हुआ। कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव डॉ. अवनीश मिश्र ने मुख्य अतिथि जिलाधिकारी को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. कविता भटनागर ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

● **खेल महोत्सव के समापन पर जिलाधिकारी बोले-खेल अब कैरियर का सुनहरा विकल्प**

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत एस एस कॉलेज की छात्राओं ने बिहार का पारंपरिक झिझिया नृत्य और राजस्थान का लोकनृत्य चकरी प्रस्तुत किया। दोनों प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद खेल महोत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अनुराग अग्रवाल ने किया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य प्रो. आरके आजाद ने दिया जबकि महोत्सव की संपूर्ण रिपोर्ट का वाचन क्रीड़ा सचिव प्रो. अजीत सिंह चारग ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रांजल शाही ने किया।

समारोह में श्री हरेंद्र सिंह, डॉ. जयशंकर ओझा, डॉ. अमीर सिंह यादव, प्रो. आलोक मिश्र, प्रो. आदित्य सिंह, प्रो. देवेंद्र सिंह, मेजर अनिल मालवीय, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. शिशिर शुक्ला, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. संदीप अवस्थी, डॉ. अंकित अवस्थी, सुयश सिन्हा सहित मुमुक्षु शिक्षा संकुल की सभी संस्थाओं के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंतरमहाविद्यालयी बैडमिंटन टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला एस एस कॉलेज और बरेली कॉलेज के बीच खेला गया। पहला एकल मैच एस एस कॉलेज ने जीता, दूसरा डबल मैच बरेली कॉलेज ने और निर्णायक रिवर्स एकल मैच में एस एस कॉलेज ने जीत दर्ज की। एसएस कॉलेज की ओर से मनु राजवंशी और बरेली कॉलेज की ओर से रचित वोहरा ने प्रतिभाग किया। अंततः एस एस कॉलेज ने बरेली कॉलेज को 21-18 से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में कुनाल (एसएस कॉलेज) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, ईशांत सिंह एसएस लॉ कॉलेज द्वितीय तथा इशविन्दर एसएस कॉलेज तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर बालिका वर्ग में प्राची एसएस कॉलेज ने प्रथम, वृंदा शर्मा एसएस कॉलेज ने द्वितीय और आरती एसएस कॉलेज ने तृतीय स्थान हासिल किया।

# रामकथा की तैयारियां तेज स्टीकर किया लांच

श्रीरामकथा की तैयारियों के दौरान स्टीकर जारी करते जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

**अमृत विचारः** संत विजय कौशल महाराज के श्रीमुख से होने वाली श्रीरामकथा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को ओसीएफ रामलीला मैदान में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आयोजन स्थल की तैयारियों का निरीक्षण जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीपीएस राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव सहित कई जनप्रतिनिधियों और आयोजन समिति के सदस्यों ने किया।

आयोजक समिति ने बताया कि जर्मन हैंगर का पंडाल बनकर तैयार हो गया है, जहां श्रद्धालु आराम से कथा सुन सकेंगे। कलश यात्रा शनिवार को बाबा विश्वनाथ मंदिर से दोपहर दो बजे प्रारंभ होकर ओसीएफ रामलीला मैदान पहुंचेगी। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, श्रद्धालु और भक्तजन सम्मिलित होंगे। मंगलमय परिवार के आयोजक गोविंद मिश्र और असित पाठक ने बताया कि श्रीरामकथा सुनने के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, बुद्धिजीवियों, प्रमुख व्यावसायियों, डॉक्टरों, वकीलों और आमजन को आमंत्रित किया गया है। बैठक में राजेश अवस्थी, अवनेश प्रताप सिंह, सुबोध कुमार, विनीत शुक्ला, अंकुर शुक्ला, दीपक शर्मा, मनीष अग्रवाल, आशुतोष सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

# नगर संकीर्तन और भगवद ग्रंथ का किया वितरण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

हरे कृष्ण महा-मंत्र का जाप करते इस्कॉन शाहजहांपुर के भक्त। ● अमृत विचार

**अमृत विचारः** अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) शाहजहांपुर की ओर से शुक्रवार को साउथ सिटी क्षेत्र में नगर संकीर्तन और भगवद ग्रंथ वितरण कार्यक्रम किया गया। इस विशेष संकीर्तन में इस्कॉन के भक्तों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पूरे वातावरण को हरे कृष्ण महा-मंत्र से गुंजायमान कर दिया।

संकीर्तन दल ने झांकियों, करताल, मृदंग और मधुर कीर्तन धुनों के साथ हरिनाम प्रचार करते हुए साउथ सिटी और आस-पास के मार्गों पर भगवान श्रीकृष्ण के पवित्र नामों का प्रसार किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों, विद्यार्थियों और परिवारों ने भी भावपूर्वक कीर्तन में भाग लिया। कार्यक्रम में श्रीमद्भगवद् गीता और अन्य वैदिक पुस्तकों का वितरण किया गया। भक्तजनों ने बताया कि भगवद् गीता जीवन को धर्म, कर्तव्य और संतुलन की ओर प्रेरित करती है तथा समाज में शांति और सद्भाव स्थापित करने का मार्ग प्रदान करती है। आयोजक साधु जीवन प्रभु ने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति आध्यात्मिक चेतना के जागरण से ही संभव है। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि युवा वर्ग नशा और भ्रमित जीवनशैली से दूर रहकर सदाचार, भक्ति और सेवा का मार्ग अपनाएं।

● **हरे कृष्ण महा-मंत्र से गुंजा साउथ सिटी क्षेत्र, भक्तों ने मृदंग की धुनों पर किया हरिनाम का गायन**

कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रदीप प्रभु, चंदन प्रभु, धीरेंद्र प्रभु, आशीष प्रभु, लक्ष्मी माता, साधुमति रोहिणी देवी माता तथा अन्य भक्तगणों का विशेष योगदान रहा। इन सभी ने संकीर्तन व्यवस्था, कीर्तन सेवा, जल-प्रसाद और पुस्तक वितरण में सक्रिय सहयोग किया। समापन पर सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से "हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे" का उच्चारण किया, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक उत्साह और आनंद से भर गया।

# वंदे मातरम का हुआ सामूहिक गायन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

सामूहिक गायन करते मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार वर्मा व अन्य। ● अमृत विचार

**अमृत विचारः** आयुध वस्त्र निर्माणी, शाहजहांपुर की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निर्माणी के मुख्य लान में सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर निर्माणी के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार वर्मा, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मुख्य महाप्रबंधक ने कहा वंदे मातरम् गीत देश की आजादी का मूल मंत्र रहा है। इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम में अमिट भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित यह कार्यक्रम हम सभी के भीतर देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करता है और यह वीर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में सहायक होते हैं और आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम की भावना से प्रेरित करते हैं।

● **अधिकारियों और कर्मचारियों ने गायन, देशभक्ति के भाव से गूंजा मुख्य लान**

सामूहिक गायन में महाप्रबंधक चंद्र शेखर, उप महाप्रबंधक प्रकाश प्रभाकर, अनु सक्सेना, ऋषि बाबू, दिव्यानंद पांडेय, दीपक, सीनियर मैनेजर एससी सिंह, एचआर अधिकारी आनंद शंकर सहित अन्य अधिकारीगण, यूनियन, एसोसिएशन, जेसीएम, कार्यसमिति सदस्य और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

# खाटू श्याम की ज्योति लेने जत्था रवाना

संवाददाता, खुटार

खाटू श्याम ज्योति लेने राजस्थान जाता जत्था। ● अमृत विचार

● **12 को मां पंथवारी रोड पर खाटू श्याम बाबा का चतुर्थ भव्य संकीर्तन महोत्सव**

**अमृत विचारः** श्रीखाटू श्याम बाबा का चतुर्थ भव्य संकीर्तन महोत्सव 12 को नगर के पंथवारी रोड तिकुनियां खुटार पर होने जा रहा है। जिसमें श्रीधाम वृन्दावन से प्रेमानंद महाराज के शिष्य अमन मिश्री महाराज, पीलीभीत से रेनू अग्रवाल, विश्व विख्यात यदुवंशी ब्रदर बाबा के भजनों का गुणगान करेंगे। शुक्रवार को श्रीश्याम परिवार के सभी सदस्यों के साथ तमाम भक्तों का एक जत्था राजस्थान खाटू श्याम बाबा की अखंड ज्योति लेने के लिए रवाना हो गया।

9 नवंबर को नगर में श्रीखाटू श्याम बाबा जी की भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। 12 को तृतीय भव्य संकीर्तन महोत्सव होगा। जिसमें ओम म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले आयोजन होगा। इसके अगले दिन 13 को विशाल भंडारे का आयोजन होगा। श्रीश्याम परिवार के सदस्यों ने कहा कि नगर के साथ ही समस्त क्षेत्र वासियों से भी अपील है कि श्री खाटू श्याम बाबा के चतुर्थ भव्य संकीर्तन महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा के भजनों को सुने और अखंड ज्योति के दर्शन कर पुण्य के भागीदार बने। इसके अलावा भंडारे में पहुंच कर प्रसाद ग्रहण कर सेवा में भी पुण्य लाभ कमाए।

# जिले में 4 दिन नहीं होगी जमीन की रजिस्ट्री

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** प्रदेश के सभी जिलों में 8 से 11 नवंबर तक 4 दिन तक जमीनों की रजिस्ट्री का काम नहीं होगा। जिसका शासनादेश आने के बाद जिले में भी रजिस्ट्री कार्य चार दिन नहीं होगा। सब रजिस्ट्रार सदर अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रदेश महानिरीक्षक निबंधन ने आदेश सभी सहायक महानिरीक्षक निबंधन को भेजे गए पत्र में बताया है कि स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के लिए एनआईसी की ओर से संचालित मेघराज क्लाउड सर्वर से नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड एनजीसी पर ट्रांसफर किए जाने ऑनलाइन लेख पत्र पंजीकरण और उन आवेदनों का कार्य अस्थायी रूप से बाधित रहेगा।

● **ऑनलाइन लेख पंजीकरण और आवेदनों का कार्य रहेगा बाधित**

# किसानों ने उठाई छुट्टा पशु व हैंडपंप मरम्मत की समस्या

संवाददाता, निगोही

**अमृत विचारः** निगोही ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की मासिक पंचायत सियाराम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उनकी मांगों को विस्तार से सुना गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पंचायत में सबसे पहले ग्राम कवीरपुर झोतुपुर की प्रीति पत्नी धर्मपाल कश्यप के आवास संबंधी मामला उठाया गया। किसानों ने कहा बार-बार अपात्र की झूठी रिपोर्ट लगाकर उन्हें पात्र सूची से बाहर किया जा रहा है, जो निंदनीय है। पंचायत ने मांग की कि संबंधित विभाग तत्काल जांच कर उन्हें आवास योजना का लाभ दिलाए। दूसरी प्रमुख मांग आवारा पशुओं की समस्या को लेकर रही। किसानों ने बताया कि खेतों में पशुओं के झुंड घुसकर फसलें नष्ट कर रहे हैं। मांग की गई कि प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान करे ताकि किसानों को राहत मिल सके। तीसरी समस्या हैंडपंपों की खराबी से जुड़ी रही। ग्राम छतेनी सहित आसपास के गांवों में कई हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं।

पंचायत ने मांग की कि पीने के पानी की समस्या को देखते हुए इन हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। इसके अलावा किसानों ने धान की तुलाई को लेकर भी नाराजगी जताई। कहा गया कि सरकारी केंद्रों पर किसानों की धान की तुलाई में लापरवाही बरती जा रही है। पंचायत ने प्रशासन से मांग की कि गांव-गांव से आ रहे किसानों की धान की तुलाई तत्काल सुनिश्चित कराई जाए ताकि उन्हें सही समय पर भुगतान मिल सके। पंचायत के समापन पर यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का निस्तारण शीघ्र नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

● **निगोही में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत संपन्न**

● **सियाराम की अध्यक्षता में हुई पंचायत, किसानों की समस्याओं पर खुलकर हुई चर्चा**

### धान तुलाई में जानबूझकर देरी का आरोप

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के नेतृत्व में शुक्रवार को किसानों ने धान क्रय केंद्रों पर हो रही लापरवाही के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि केंद्रों पर उनकी उपेक्षा की जा रही है और धान की तुलाई में जानबूझकर देरी की जा रही है। नाराज किसानों ने धान से भरी ट्रॉली ब्लॉक गेट पर खड़ी कर चक्का जाम की घोषणा की। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाने का प्रयास किया, जिसके बाद एक ट्रॉली धान की तुलाई केंद्र पर कराई गई। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। धरने का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष वीरपाल ने किया। इस दौरान रामनाथ, प्रदीप कुमार, लक्ष्मण प्रसाद, ओंकार, रामसेवक, माधुरी देवी, रामबेटी, राजकुमारी समेत अनेक किसान उपस्थित रहे। इसके साथ ही किसानों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निगोही में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र पर भ्रष्टाचार की शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। किसानों ने प्रशासन को 9 नवंबर तक का समय देते हुए चेतावनी दी कि यदि तब तक भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 10 नवंबर से बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

**आयोजन** पूर्व माध्यमिक विद्यालय मालूपुर में हुई दौड़, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता

# न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

संवाददाता, जलालाबाद

खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेता बालक।

● **प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर दौड़ में सोहेल प्रथम, लवकुश द्वितीय और सुशांत तृतीय रहे**

● **बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में अंशी प्रथम, प्रेमलता द्वितीय और सीर्ति तृतीय स्थान पर रही**

**अमृत विचारः** पूर्व माध्यमिक विद्यालय मालूपुर में शुक्रवार को न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में न्याय पंचायत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ शिक्षक मनोज कटियार और प्रधानाध्यापक नरेंद्रपाल सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन के बाद बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन पर तालियों की गूंज सुनाई दी।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा वर्तमान समय में खेल विद्यार्थियों के जीवन का आवश्यक हिस्सा बन चुका है। खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास में भी सहायक हैं। इनके माध्यम से बच्चों में टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होता है, जिससे वे भविष्य में एक अच्छे नागरिक बन सकते हैं। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक नरेंद्रपाल सिंह ने कहा कि खेल अब सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि रोजगार का भी सशक्त साधन बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में नियमित भाग लेने और निरंतर अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेलों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर दौड़ में सोहेल प्रथम, लवकुश द्वितीय और सुशांत तृतीय रहे। 100 मीटर दौड़ में साहिल प्रथम, अर्पित द्वितीय और सुशांत तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में सूर्यांश ने प्रथम, सोहेल ने द्वितीय और हरिओम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में अर्पित प्रथम, लवकुश द्वितीय और सूर्यांश तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में सोहेल प्रथम, प्रियांशु द्वितीय और आहिल तृतीय स्थान पर रहे। सुलेख प्रतियोगिता में ऋतिक प्रथम, शोभित द्वितीय और सुनैना तृतीय स्थान पर रहीं। टीम खेलों में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता में मालूपुर की टीम विजेता रही जबकि खंडेद्विउरिया की टीम उपविजेता बनी।

बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में अंशी प्रथम, प्रेमलता द्वितीय और सीर्ति तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर में प्रांशी प्रथम, शानवी द्वितीय और सीर्ति तृतीय रहीं। 200 मीटर में सानवी प्रथम, भावना द्वितीय और कीमती तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर में शानवी ने प्रथम, भावना ने द्वितीय और प्रांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में सेजल प्रथम, प्रांशी द्वितीय और सोनम तृतीय स्थान पर रहीं। खो-खो प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों में खंडे द्विउरिया की टीम ने प्रथम स्थान तथा ककराला की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक की भूमिका आशीष द्विवेदी, समर सिंह और स्वर्ण सिंह ने निभाई।

कार्यक्रम के सफल संचालन और आयोजन में राजेंद्र कुमार, अशोक कुमार, राजेश कुमार, त्रिलोक चंद्र, मुकेश कुमार, सुबोध कुमार, फारूक, गौरव कुमार, विजय सिंह, उदित मिश्रा, योगेश कुमार और भंवर पाल सहित अनेक शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को प्रोत्साहित करते हुए सभी शिक्षकों ने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिसर में खेल भावना और उल्लास का वातावरण पूरे दिन बना रहा।

# श्रीराम खंडसारी उद्योग में पेराई सत्र शुरू

संवाददाता, खुटार

● **सिल्हुआ के किसान का सम्मान कर हुई गन्ना तौल की शुरुआत**

● **जनप्रतिनिधियों ने क्रेन में डाला गन्ना,वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हुआ हवन-पूजन**

क्रेन में गन्ना डालते हुए श्रीराम खंडसारी उद्योग के मालिक किशन खंडेलवाल व अन्य।

**अमृत विचारः** खुटार-पुवायां रोड स्थित श्रीराम खंडसारी चीनी उद्योग में शुक्रवार को गन्ना पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व उद्योग परिसर में गुरुवार को श्रीरामचरितमानस अखंड पाठ शुरू हुआ था, जिसके विश्राम के बाद हवन पूजन हुआ।।

शुक्रवार को दोपहर 2 बजे गांव सिल्हुआ निवासी किसान श्रीराम गन्ना से भरा डनलप लेकर श्रीराम खंडसारी उद्योग पहुंचे। उद्योग स्वामी किशन खंडेलवाल ने उनका तिलक, माल्यार्पण कर अंगवस्त्र और दक्षिणा देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के बाद किसान श्रीराम के डनलप से गन्ने की पहली तौल की गई, जिससे औपचारिक रूप से पेराई सत्र का शुभारंभ हुआ। इसके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य रजनीश दीक्षित उर्फ लखीमू, पूर्व विधायक शंकुतला देवी, ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय शंकर अवस्थी उर्फ सोनू, अखिलेश मिश्रा, चेयरमैन पति बाबूराम पासवान, प्रतिनिधि रवि सिंह, राम प्रकाश मिश्रा उर्फ सुआ, शालिनी मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से डनलप से गन्ना उतारकर क्रेन में डाला और पेराई सत्र की शुरुआत की। इस अवसर पर उद्योग स्वामी किशन खंडेलवाल ने बताया कि मिल में गन्ना खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। किसानों से अपील की गई है कि वे अपने गन्ने की बिक्री उद्योग में करें। कार्यक्रम में उद्योग के समस्त कर्मचारी गण भी मौजूद रहे।

# प्रगति के पथ पर वंदे भारत की रफ्तार!

## 4 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

- बनारस – खजुराहो
- लखनऊ – सहारनपुर
- फिरोजपुर – दिल्ली
- एरणाकुलम – बेंगलुरु

**का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ**

## नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

## मुख्य विशेषताएं

- 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने में 140 सेकंड का समय
- बेहतर हीट वेंटिलेशन और समान वितरण के लिए एयर कंडीशनिंग डक्ट
- कवच (ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली) से लैस
- आनंदपूर्ण, आरामदायक, शांत और सुरक्षित सफ़र
- टच–फ्री सुविधाओं वाले बायो वैक्यूम शौचालय
- दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालयों की व्यवस्था एवं ब्रेल लिपि में सूचनाएं
- प्रत्येक कोच में इंफोटेनमेंट सिस्टम
- सभी कोचों में अग्निशमन सुरक्षा के बेहतर उपाय
- सभी कोचों में आपातकालीन लाइटिंग, इमरजेंसी विंडो और टॉक बैक यूनिट

## लाभ

क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा | यात्रा समय में कमी | यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक और कुशल यात्रा विकल्प | क्षेत्रीय विकास, पर्यटन और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा

## गरिमामयी उपस्थिति

**आनंदीबेन पटेल**
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

**अश्विनी वैष्णव**
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

शनिवार, 08 नवम्बर, 2025 | प्रातः 08:00 बजे | बनारस, उत्तर प्रदेश

# भारतीय रेल

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें | www.indianrailways.gov.in | हमें फॉलो करें /Railminindia

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,8 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

## न्यूज ब्रीफ

### दहेज में बाइक, हार न देने पर रिश्ता तोड़ा

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** बंडा थाना क्षेत्र के एक गांव महिला ने बताया सात माह पूर्व उसने बेटी की शादी का रिश्ता विमलेश निवासी तिलोकापुर थाना निगोही के साथ किया था। लड़की की रोके में करीब एक लाख रुपये खर्च हो गए थे। उस समय लड़के पक्ष ने दहेज की कोई मांग नहीं की थी। उन्होंने शादी की तैयारी पूरी कर ली थी। शादी की तारीख तय नहीं हुई थी। कुछ दिन पूर्व वर पक्ष वालों ने खबर भेजी की, दो लाख रुपये, एक बाइक और सोने का हार देने पर शादी होगी वरना शादी नहीं होगी। अब वर पक्ष वालों ने शादी करने से मना कर दिया। पुलिस ने विमलेश, राजकुमार, काशीराम, राजबेटी, नन्हुका देवी, अंजनी, सोनी के खिलाफ दहेज का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

### आढ़त से सरसो के तेल का पीपा चोरी

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव बरखेड़ा जयपाल निवासी दिवलेश कुमार ने बताया कि उसकी बाला जी ट्रेडर्स के नाम से आढ़त की दुकान है। 31 अक्टूबर की शाम आठ बजे दुकान बंद करके घर चले गए। चोरों ने रात में दुकान का ताला तोड़ दिया। चोर 40 बोरी तिल्ली, 10 पीपा सरसों का तेल आदि सामान ले गए है। चोरी की जानकारी सुबह हुई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### चचिया ससुर समेत पांच पर रिपोर्ट

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला एमनजई जलालनगर निवासी नीतू राठौर ने बताया कि उसके मकान के बंटवारे को लेकर दो मुकदमे चल रहे है। आरोपी चचिया ससुर किशनपाल और उनके चारों बेटे राजेश, सूरज, विशाल, सचिन ने उसके बाथरुम पर कब्जा कर लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके ससुर और देवर के साथ मारपीट की। धारदार हथियार से हमला किया, जिससे उसका हाथ कट गया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

# विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

## मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप, शव उतारने नहीं दिया, अधिकारियों के आश्वासन पर उतारा

संवाददाता कांट/शाहजहांपुर

**अमृत विचार:** गांव अकर्रा रसूलपुर में एक महिला का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए शव को उतारने नहीं दिया। ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर जलालाबाद-कांट स्टेट रोड पर जाम लगा दिया। सीओ सदर और नगर मजिस्ट्रेट जाम स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मृतका के परिवार वालों को समझाकर एक घंटे बाद जाम खुलवाया। पुलिस ने शव को उतारा। पुलिस लाइन से फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच करके नमूना लिए है।

मृतका एकता।

मृतका के मायके वाले रोते बिलखते। ● अमृत विचार

सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव मऊ वासक निवासी एकता वर्मा (22) की शादी एक साल पहले शिवम वर्मा निवासी अकर्रा रसूलपुर थाना कांट के साथ हुई थी। शुक्रवार सुबह मायके पक्ष को सूचना मिली कि एकता की मौत हो गई है। मायके वाले उसकी ससुराल अकर्रा रसूलपुर गांव में पहुंचे और देखा कि एकता का शव मकान के एक कमरे में फंदे से लटका हुआ है। इस दौरान मृतका का पति और अन्य लोग शव छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने पर कांट प्रभारी निरीक्षक सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। मायके वालों ने आरोप लगाया कि उसका पति और ससुराल के अन्य लोग दहेज के लिए प्रताड़ित किया करते थे। ससुराल वाले एक लाख रुपये की मांग किया करते थे। मायके वालों ने रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर जलालाबाद-कांट स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। कांट पुलिस ने एकता के मायके वालों को समझाने का प्रयास किया। मायके वालों का कहना था कि शव जब ही उतरेगा रिपोर्ट दर्ज हो जाएगी। सीओ सदर और नगर मजिस्ट्रेट जाम स्थल पर पहुंचे और मृतका एकता के भाई प्रेमचंद को आश्वासन दिया कि रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। इस आश्वासन पर एक घंटे बाद जाम खुला। दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गयी थी। पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस लाइन से पहुंची फोरेंसिक टीम ने जांच करके नमूना लिया। प्रभारी निरीक्षक राकेश मौर्य ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

### पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

सदर बाजार थाना के गांव मऊ वासक निवासी प्रेमचंद्र ने कांट थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने बहन एकता की शादी एक साल पहले शिवम निवासी कांट के साथ की थी। शादी में आठ लाख रुपये खर्च किए थे। दहेज से उसकी बहन के ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। आरोप है कि ससुराल वालों ने उसकी बहन की हत्या करके शव को लटका दिया है। पुलिस ने पति शिवम, भगवानदास, गीता देवी, वैएनबी, आशादेवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

### परिजनों की पुलिस से हुई नोकझोंक

एकता के शव को उतारने को लेकर मायके वालों की कांट पुलिस से काफी नोकझोंक हुई। पुलिस इस प्रयास में थी उसका शव उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायके वाले इस बात पर अड़े थे कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद ही शव उतारा जाएगा। मायके वाले उसका शव उतारने नहीं दे रहे थे। पुलिस ने बहुत समझाया, लेकिन मायके वाले नहीं मान नहीं रहे थे। रिपोर्ट दर्ज होने के कई घंटे बाद एकता का शव उतारा गया।

# आत्महत्या के लिए उकसाने पर पत्नी और सास पर रिपोर्ट

संवाददाता, कांट/शाहजहांपुर

- कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट
- पुलिस अधिकारियों और कांट थाना पुलिस ने नहीं सुनी गुहार
- मां बोली- विवाद के बाद बहू ने बेटे से कहा था जाके मर जाओ

**अमृत विचार:** पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आत्महत्या के उकसाने की धारा में मृतक की पत्नी और सास के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। युवक की मां ने पुलिस अधिकारियों और कांट थाना पर तहरीर दी, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला ने मजबूरन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

मृतक रवि कुमार।

कांट थाना क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी पूर्वी निवासी चंद्रवती ने बताया उसने पुत्र रवि कुमार की शादी डेढ़ साल पहले कंचन प्रजापति निवासी हुसैनपुरा चौक कोतवाली के साथ की थी। उसका आरोप है कि शादी के बाद से उसकी बहू उसके बेटे से आए दिन झगड़ा करती थी। झगड़े से परेशान होकर परिवार वालों ने कंचन को अलग कमरे में रहने की व्यवस्था कर दी थी। एक रात दोनों में फिर विवाद हुआ था। उसकी बहू कंचन ने उसके बेटे रवि से कहा जाकर मर जाओ। उसके बेटे ने एक कमरे में कुंडे से फंदा लगाकर जान दे दी। रवि की मौत के बाद कंचन मायके चली गई। वहां से पैसे और मकान की मांग करने लगी। कंचन ने उसके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। पीड़िता ने कंचन और उसकी मां सावित्री देवी के खिलाफ थाना पर तहरीर दी और पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मृतक की पत्नी और सास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

## करंट लगने से किशोरी झुलसी

**तिलहर, अमृत विचार:** थाना क्षेत्र के गांव बहादुरपुर निवासी महेश की 15 वर्षीय पुत्री दीक्षा शुक्रवार रात करीब आठ बजे घर में लगे बिजली बोर्ड की चटकानी से लाइट जला रही थी।

इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आ गई और जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। परिजनों ने तत्काल उसे सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

# ससुराल में पिटाई से घायल युवक की बरेली में मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- हरदोई जिले की है घटना, साले से उधार के रुपये मांगने गया था

**अमृत विचार:** एक युवक की हरदोई जिले में ससुराल है। उसने साले को 10 हजार रुपये उधार दिए थे। एक सप्ताह पूर्व ससुराल में साले से रुपये वापस मांगने के लिए गया था। ससुराल वालों ने उसकी पिटाई कर दी। घायल की बरेली में इलाज के दौरान मौत हो गई।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव झहोना निवासी रिषी सिंह (30) की ससुराल हरदोई जिले के शाहजाबाद क्षेत्र में है। उन्होंने अपने साले ज्ञानु सिंह को 10 हजार रुपये उधार दिए थे। 28 अक्टूबर को वह ससुराल गया और साले से उधार दिए गए रुपये मांगे। आरोप है कि रुपये मांगने पर साले, साले की पत्नी और अन्य लोगों ने रिषी सिंह की डंडों से पीटकर घायल कर दिया। घायल की पत्नी पम्मी और उसके बच्चे शाहाबाद में नहीं थे। खबर मिलने पर उसका भाई अंकित ससुराल पहुंचा और हरदोई से लाकर एक सीएचसी पर भर्ती कराया। डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया था। उसका भाई कुछ ठीक हुआ तो घर लेकर गए तो उसकी तबीयत और खराब हो गई। परिवार वालों ने उसे बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गुरुवार को परिवार वाले उसका शव लेकर जलालाबाद थाना आए। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि घटना हरदोई की है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# देह व्यापार में पकड़ी महिला समेत पांच को भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

**अमृत विचार:** सदर बाजार पुलिस ने एक मकान में अनैतिक देह व्यापार में गिरोह के सरगना समेत आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया है। पुलिस ने मकान में पकड़े गए दो महिलाओं और तीन युवकों को चालान करके जेल भेज दिया। पुलिस गिरोह के सरगना की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी।

सीओ सिटी पंकज पंत को सूचना मिली कि रुफस चरन लेन कॉलोनी में एक मकान में अनैतिक देह व्यापार का धंधा हो रहा है। उन्होंने टीम के साथ एक मकान में दबिश दी। पुलिस ने मकान के अंदर से आरोपी शिव कुमार निवासी चिनौर थाना सदर बाजार अध्ययन प्रताप सिंह निवासी बाबूजई कोतवाली, बंटी निवासी गदियाना थाना सदर बाजार, सोनालीदास निवासी सुकन्ता पाली जिला बंकुरा पश्चिम बंगाल ओर काजल देवी निवासी मनिहारी बस स्टैंड जिला मोतिहारी को आपत्तिजनक में गिरफ्तार कर लिया। जबकि गिरोह का सरगना समेत अन्य लोग मौका पाकर भाग गए। पुलिस ने दोनों महिलाओं से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान महिलाओं ने बताया कि तीनों युवकों को नहीं जानते है। गिरोह का सरगना दीपक शुक्ला फोन करके महिलाओं को बुलाता है। पुलिस ने गिरोह के अनैतिक देह व्यापार कराने वाले गिरोह के सरगना दीपक शुक्ला निवासी चिनौर थाना सदर बाजार, प्रिया गुप्ता और मकान मालिक रेखा शर्मा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों का चालान करके जेल भेज दिया।

पुलिस हिरासत में अभियुक्त। ● अमृत विचार

- गिरोह के सरगना दीपक को पुलिस की तलाश, पुलिस अन्य लोगों की तलाश में मारे छापे

### किराए के मकान पर चलात धंधा

अनैतिक देह व्यापार कराने वाले गिरोह का सरगना दीपक शुक्ला किराए के मकान में यह धंधा कराता था। सुभाषनगर, चिनौर, टाउन हाल के पीछे कालोनी में किराए का मकान लेकर गलत धंधा करवाता था। टाउन हाल के पीछे कालोनी में कई माह से यह धंधा चल रहा था। पुलिस अनदेखी बनी थी। इधर रोजा क्षेत्र के वाशिंदों ने बताया कि रोजा रेलवे ओवरब्रिज के निकट एफसीआई गोदाम की चाहर दीवारी के पास देह व्यापार का धंधा खुले आम चल रहा है। कई बार लोगों ने पुलिस से शिकायत की है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

# एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू हो

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

**अमृत विचार:** बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन अजय शुक्ल ने शाहजहांपुर कचहरी में अधिवक्ता जागरण यात्रा के दौरान अधिवक्ताओं से भेंट की। उन्होंने प्रदेश में अधिवक्ताओं के विरुद्ध हो रही आपराधिक घटनाओं विशेष कर पुलिस द्वारा की जा रही हिंसक कार्रवाइयों की निंदा करते हुए प्रदेश सरकार से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू करने की मांग की।

प्रदेश सरकार ने अधिवक्ताओं से वादा किया था, इस अवसर पर उन्होंने बताया कि शाहजहांपुर के दिवंगत अधिवक्ता आशीष रायजादा की पत्नी कीर्ति रायजादा, स्वःहरिओम शुक्ला की पत्नी नीलम कुमारी शुक्ला, स्वःसंदीप कुमार सक्सेना की पत्नी आभा सक्सेना, स्वः रामबाबू की पत्नी मंजू देवी को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है। इस अवसर पर बार कौंसिल उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त दिवंगत अधिवक्ता स्वःसीताराम त्रिपाठी की पत्नी कमला त्रिपाठी, स्वः मूल नारायण कपूर के पुत्र संदीप कपूर को 1.5 लाख रुपये का चेक प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व यूपी बार कौंसिल की संस्तुति पर स्वः मुन्ना लाल की पत्नी गीता देवी, अनिल शर्मा की पत्नी सरिता शर्मा को पांच लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जा चुकी है। श्री शुक्ल ने भारतीय जनता पार्टी से संकल्प पत्र के अनुरूप अधिवक्ता कल्याणकारी योजना 1.5 लाख से बढ़ाकर 5 लाख करने का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि युवा अधिवक्ताओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही हैं। श्री शुक्ल न न्यायिक प्रकृति के पदों पर अवकाश प्राप्त लोक सेवक के स्थान पर सक्षम अधिवक्ताओं की नियुक्ति की मांग की है। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन भवन में उन्होंने अधिवक्ताओं को सीओपी प्रमाण पत्र व कार्ड वितरण किया। इस दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष अजय वर्मा, रजनीश तोमर, राकेश शुक्ला, अनीत त्रिवेदी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन अधिवक्ता को सीओपी सौंपते हुए।

- कचहरी में बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैन अधिवक्ताओं से हुए रूबरू

# पुतला फूंकने की चेतावनी पर पहुंचे अफसर

संवाददाता, पुवायां

**अमृत विचार:** भारतीय किसान यूनियन के किसानों की खाद, आवारा पशुओं व अन्य तमाम समस्याओं को लेकर पूर्व में ज्ञापन देकर पुतला दहन की चेतावनी दी गई थी, जिस पर हड़कंप मच गया। आनन फानन में अधिकारियों ने धरनास्थल पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से वार्ता कर जल्द समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

किसान यूनियन के जिला पदाधिकारियों ने आरोप लगाया था कि जिला सहायक निबंधक सहकारी समितियां पद का दुरुपयोग कर सचिवों से डीएपी खाद की कालाबाजारी करा रहे हैं। संबंधित अधिकारी किसानों से अभद्रता करते हैं और खाद उपलब्ध कराने में आनाकानी कर रहे हैं। यूनियन ने मांग की है कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह को निलंबित किया जाए। इसके अलावा संगठन ने कहा था कि डीएपी खाद जनपद में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है, जिससे किसान परेशान हैं। किसान यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि राइस मिलों और आढ़तियों द्वारा धान खरीद में अवैध कटौती की जा रही है, जबकि जिलाधिकारी के आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। संगठन ने आवारा पशुओं के नियंत्रण में लापरवाही, पेट्रोल पंपों पर घटतौली व सुविधाओं की कमी, और ग्राम भटिउरा व बद्रीपुर हदीरा में भू-माफिया द्वारा अवैध कब्जों की शिकायत भी दर्ज कराई है। दी गई चेतावनी के बाद भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) ने शुक्रवार की राजीव चौक पर चक्का जाम और अधिकारियों के पुतले फूंकने की चेतावनी दी थी। शुक्रवार की डाक बंगला में किसानों ने जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि, बाद में यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक में एआर कोऑपरेटिव अखिलेश प्रताप सिंह और ए.एम.ओ. रामकैलाश सोनकर ने किसानों से वार्ता कर पांच दिन में खाद संबंधी समस्याएं दूर करने का आश्वासन दिया। इस आश्वासन के बाद यूनियन ने पुतला दहन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गिल, भारत सिंह यादव, पपिन्द्र सिंह, महेश वर्मा, संजय मिश्रा, सोनवीर सिंह, समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसानों से वार्ता करते अधिकारी। ● अमृत विचार

- किसानों की खाद, आवारा पशुओं व अन्य समस्याओं को लेकर दी थी चेतावनी

# महिला का शव कमरे में फंदे से लटका मिला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मायके वालों ने हत्या का लगाया आरोप, बुलाई पुलिस

**अमृत विचार:** खुदागंज क्षेत्र में एक महिला का शव कमरे में पंखे के कुंडे से दुपट्टे से लटका हुआ मिला। मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। मृतका का मायका बरेली में है।

खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव सिमौरी निवासी राजेश की शादी पांच साल पहले 26 वर्षीय पूनम निवासी पडेरा थाना फतेहपुर जिला बरेली के साथ हुई थी। गुरुवार की रात उसने एक कमरे में कुंडे से दुपट्टे का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली। ससुराल वालों ने उसका शव उतार लिया। मृतका के मायके वालों को सूचना मिली। शुक्रवार सुबह पूनम की ससुराल पहुंचे और उसका शव जमीन पर पड़ा मिला। राजेश ने कहा कि उसने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। मायके वालों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। मायके वालों ने आरोप लगाया कि दहेज के लिए ससुराल वालों ने उसको मार डाला है। खुदागंज थाना प्रभारी ने बताया कि मायके वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# वंदे भारत को मंत्री, सांसद दिखाएंगे हरी झंडी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- ट्रेन पर होगी फुलों की वर्षा स्वागत में पहुंचेंगे जनप्रतिनिधि

**अमृत विचार:** वंदे भारत एक्सप्रेस स्टापेज को लेकर शनिवार को रेलवे स्टेशन पर मंत्री, सांसद, विधायक ओर भाजपा नेता स्टेशन पर मौजूद रहेंगे। जो ट्रेन पर फुलों की वर्षा करेंगे और हरी झण्डी दिखाकर बरेली के लिए रवाना करेंगे। रेल प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली ली है।

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शनिवार की सुबह साढ़े दस बजे प्रधानमंत्री वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन लखनऊ से चलकर वाया सीतापुर होकर सहारनपुर जाएगी। उसका स्टापेज शाहजहांपुर, बरेली, नजीबाद, रुड़की दिया गया है। रेल प्रशासन ने स्टापेज को लेकर तैयारी कर ली है। प्लेटफार्म दो और तीन पर मंच बनाया गया है। इसके अलावा मालगोदाम रोड और स्टेशन के मुख्य द्वार की तरफ इंट्री होगी।

रेल प्रशासन ने मंत्रियों, सासंद, विधायक,जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम की मेयर, भाजपा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष निमंत्रण पत्र भेजा है। शनिवार की सुबह नौ बजे से दस बजे तक कार्यक्रम चलेगा। पार्किंग स्थल सर्कुलेटिंग एरिया और मालगोदाम रोड पर बनाया गया है। वंदे भारत सुबह साढ़े नौ बजे आगमन पर फुलों की वर्षा की जाएगी और मंत्री, सासंद और नेता हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान मुरादाबाद मंडल के रेल अधिकारी और स्थानीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

### सीएमआई से फ्री पास प्राप्त कर सकते है

वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर के लिए सीएमआई कार्यालय से स्मारिका टिकट फ्री पास प्राप्त कर सकते है। यह पास केवल एक तरफ से यात्रा के लिए उद्घाटन एक्सप्रेस के लिए मान्य है। यह फ्री पास शाहजहापुर, बरेली, मुरादाबाद, नजीबाबाद, रुड़की स्टेशन पर सीएमआई कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

## एसडीएम ने सागर झील का किया निरीक्षण

**पुवायां, अमृत विचार:** एसडीएम ने नाहिल स्थित सागर झील का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने झील का रकबा, पानी की स्थिति, वन स्थल समेत अन्य तमाम जानकारी जुटाई।

नाहिल स्थित सागर झील लगभग 40-45 हेक्टेयर एरिया में फैली है। इस झील के आसपास अभ्यारण्य का स्वरूप देने का प्रयास है जिससे क्षेत्र में पर्यटन स्थल का विकास होने के साथ ही जीव जंतुओं के लिए भी भी एक प्रवास तैयार हो सके। इसके लिए जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह प्रयासरत हैं।

शुक्रवार को एसडीएम चित्रा निर्वाल ने नाहिल पहुंचकर झील की स्थिति को समझा और अधीनस्थों से इसकी पूरी जानकारी ली। सम्भवतः जल्द ही जिलाधिकारी स्वयं नाहिल पहुंचकर झील का जायजा लेंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### डेंगू पीड़ित युवक की इलाज के दौरान मौत

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला खिरनी बाग साई धर्मशाला निवासी झब्बू लाल (45) को डेंगू हो गया था। उनका इलाज राजकीय मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वह ड्राइविलन का काम करते थे। उनके निधन से परिवार में रोना पीटना मच गया। उनका अंतिम संस्कार खन्नौत घाट पर किया गया। उनके आवास पर लोगों ने मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

### चलती कार में लगी आग, चालक भागा

**शाहजहांपुर,अमृत विचार :** जैतीपुर क्षेत्र में चलती कार में अचानक आग लग गई, चालक कार को रोककर अपनी जान बचाई। दमकल वाहन ने आग को बुझाया। रात में साढ़े 11 बजे जैतीपुर से एक कार आ रही थी। गोपालपुर और शाहपुर के बीच अचानक कार में आग लग गई। चालक ने कार में इंजन के पास धुंआ निकलते देखा, जब तक उसने कार रोकी तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। उसने किसी तरह अपनी जान बचाई। सूचना पर पुलिस और दमकल वाहन पहुंचा और आग को बुझाया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस कार के बारे में पता कर रही है।

### निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के पुनर्गठन को लेकर शुक्रवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप 1200 से अधिक मतदाताओं वाले केंद्रों का संभाजन किया जा रहा है। 10 नवंबर तक मतदेय स्थलों की प्रारंभिक सूची राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी। अंतिम सूची 18 नवंबर तक तैयार कर ली जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

### हनुमत धाम में लगेगा रक्तदान शिविर

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** वीआईपी ग्रुप विद हेल्पिंग हैंड्स की ओर से हनुमत धाम मंदिर परिसर में 16 नवंबर को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के जन्मदिवस के अवसर पर किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से अपराह्न 4:30 बजे तक चलेगा। संगठन ने नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य में भाग लें। आयोजन की जिम्मेदारी वर्षा गोस्वामी और संजय अग्रवाल को सौंपी गई है। संगठन ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं।

### शादी से लौट रहे युवक की हादसे में मौत

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव गुटेटी निवासी गोविंद (25) शुक्रवार को अपने दोस्त की शादी में शामिल होने ढिटिया गांव गया था। वह शाम को शादी से अपने गांव के लिए बाइक से वापस लौट रहा था। मदनापुर क्षेत्र में कुदैया गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार गोविंद घायल हो गया। घायल को पीएचसी पर लाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह पंजाब में काम करता था और अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए आया था। उसकी पत्नी और दो बच्चों का रो-रोकर बुराहाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### वाहन चोरी कर बदल देते थे रंग, दो गिरफ्तार

**बरेली, अमृत विचार :** इज्जतनगर थाना पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर दो वाहन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरीदापुर चौधरी निवासी शाकिर और सलीम के रूप में हुई है। चोर वाहन चोरी के बाद उसका रंग बदलकर दौड़ाते थे। इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली कि रोड नंबर आठ के पास चोर हैं। पुलिस टीम ने तुरंत पहुंच कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में चोरों ने बताया कि बरामद स्कूटी पीलीभीत बाईपास पर एक मॉल से चुराई थी, जबकि मोटरसाइकिल फरीदापुर चौधरी से चुराई थी। दोनों बरामद कर ली गईं। एक्टिवा सफेद रंग की थी, जिसका रंग काला कर चलाते थे, ताकि कोई पकड़ न सके। बाइकें चोरी करने के बाद रोड नंबर आठ स्थित रेलवे क्रासिंग की झाड़ियों में छुपा कर रखते थे। उसके बाद ग्राहक मिलते ही बेच देते थे। दोनों पर पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

# वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज ने चलाया अभियान

## छात्रों ने गोद लिए परिवारों की घर-घर पहुंचकर जांचा स्वास्थ्य

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

**अमृत विचार:** मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल, बन्थरा में पांच दिवसीय स्वास्थ्य सेवा अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में कॉलेज के एमबीबीएस छात्रों ने सामुदायिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से 3 से 7 नवंबर तक पिंगरी, पिंगरा और बन्थरा क्षेत्रों के उन परिवारों के घर जाकर स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण किया जिन्हें उन्होंने पिछले वर्ष गोद लिया था।

गोद लिए परिवारों की स्वास्थ्य जांच करतीं एमबीबीएस की छात्राएं। ● अमृत विचार

इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना और छात्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। प्रत्येक छात्र ने तीन परिवारों को गोद लेकर उनके सदस्यों की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण की स्थिति का मूल्यांकन और आवश्यक परामर्श दिया। जिन मरीजों को विशेष उपचार की आवश्यकता थी उन्हें ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र कटरा और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र अकर्रा रसूलपुर लाकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से निःशुल्क उपचार दिलाया गया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. शिवानी गुप्ता ने कहा कि मिशन शक्ति केवल महिला सशक्तिकरण नहीं बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य और सुरक्षा पहुंचाने की पहल है। छात्रों द्वारा फैमिली एडॉप्शन और स्वास्थ्य जांच का यह अभियान भावी चिकित्सकों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत करने वाला है। वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पाल ने कहा कि कॉलेज शिक्षा के साथ सामाजिक उत्थान के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्राचार्य एवं डीन डॉ. (कर्नल) रविंद्र नाथ शुक्ला ने कहा कि चिकित्सक का असली धर्म समुदाय के बीच जाकर रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना है। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए सामुदायिक चिकित्सा के महत्व को समझने का एक अवसर रहा।

## ट्रेन में डेढ़ लाख रुपये, जेवर समेत बैग चोरी

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** दिल्ली-अयोध्या एक्सप्रेस में महिला का डेढ़ लाख और जेवर समेत बैग चोरी हो गया है। जीआरपी ने रिपोर्ट दर्ज करके एफआइआर की कापी पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जीआरपी को भेज दी है। रोजा थाना क्षेत्र के गांव सुतनेरा निवासी कुमरी उर्फी ने बताया वह दिल्ली में विजयनगर कॉलोनी में रहती है। बुधवार को वह पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आईं। दिल्ली-अयोध्या एक्सप्रेस में स्लीपर कोच में सवार हो गई। उसका बैग पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चोरी हो गया। उसने कोच के अंदर बैग की तलाश की और बेग नहीं मिला। महिला यहां ट्रेन से उतरकर जीआरपी थाना में तहरीर दी। उसने बताया बैग में डेढ़ लाख रुपये, चांदी की चैन और पायल थी। उसने बैग चोरी होने की सूचना रेलवे के 139 पर दी। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि बैग चोरी होने की घटना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की है। उन्होंने बताया कि महिला की बैग चोरी की रिपोर्ट दर्ज करके एफआईआर कापी पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जीआरपी को भेज दी गई है।

## आपत्तिजनक पोस्ट पर रोक लगाने की मांग

संवाददाता, शाहजहांपुर

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री को भेजे एक प्रार्थना पत्र में समाजसेवियों ने सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील और भ्रामक पोस्टों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और ट्यूटर जैसे सोशल प्लेटफार्मों का गलत इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। युवा पीढ़ी इनका दुरुपयोग कर अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त हो रही है।

कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से धन उगाही, बदनाम करने और गलत मुकदमों में फंसाने का काम कर रहे हैं। प्रार्थनापत्र में कहा गया कि यह प्रवृत्ति समाज में अशांति और अपराध को बढ़ावा दे रही है। पत्र पर कौशल कुमार गुप्ता, डॉ. संदीप रस्तोगी, राजेंद्र पाल, रवि मौर्य, कुंवरराज, राजीव कुमार कच्चा, उमरपुर, गंगवार मेडिकल स्टोर तिलहर सहित कई लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। इन लोगों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि इस तरह की गतिविधियों की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्यवाही कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि यह प्रवृत्ति नहीं रुकी तो समाज का नैतिक पतन तेजी से होगा। प्रशासन से मांग की गई है कि सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए सख्त तंत्र स्थापित किया जाए और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

## छात्राओं ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** जीएफ कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत ताइक्वांडो प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण मनीषी ताइक्वांडो एसोसिएशन के प्रशिक्षक अलकमा और जितेंद्र वर्मा ने दिया। उन्होंने बताया कि ताइक्वांडो का मुख्य उद्देश्य आत्मरक्षा है, विशेषकर छात्राओं को आपात परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रखने की क्षमता देना। कॉलेज प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खान ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाना है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. समन जेहरा जैदी, डॉ. रजा रसूल और डॉ. निजामुद्दीन खां के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। स्वयंसेवियों गौरी, प्रियंका, शिवांगी आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

## एसआई पर दबाव और अभद्रता का आरोप, जांच की मांग

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र निवासी शब्लू ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया है कि थाना के उप निरीक्षक द्वारा उसकी बहन तरन्नुम के मुकदमे में दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित का कहना है कि उसकी बहन ने ससुराल पक्ष पर अत्याचार का मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी विवेचना उप निरीक्षक कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार विवेचक शुरुआत से ही समझौताका दबाव बना रहे हैं और इंकार करने पर उत्पीड़न कर रहे हैं। शब्लू ने बताया 28 सितंबर की रात जब वह मोहल्ले की किराना दुकान से दूध लेने गया था तो उप निरीक्षक ने रोककर अभद्रता की। इसके बाद फोन पर गालियां दीं और बार-बार धमकाया। उसने आरोप लगाया कि उप निरीक्षक मोहल्ले के सट्टेबाज को संरक्षण दे रहे हैं और उसके खिलाफ शिकायत करने पर प्रताड़ित कर रहे हैं। 3 नवंबर को थाने जाने पर उप निरीक्षक ने गालियां देते हुए झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की जांच किसी अन्य अधिकारी से कराई जाए और संबंधित उप निरीक्षक के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। शब्लू ने कहा कि परिवार डर के माहौल में जी रहे हैं।

## बुजुर्ग महिला को मृत दिखाने के मामले में सचिव निलंबित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● डीएम के निर्देश पर बीडीओ ने की जांच, दोनों को पाया गया दोषी पंचायत सहायक को नोटिस

**अमृत विचार:** जिंदा बुजुर्ग महिला को मृत दिखाने के मामले में पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया जबकि इसी मामले में आरोपी पंचायत सहायक को नोटिस जारी किया गया है। डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ ने प्रकरण की बीडीओ से जांच कराई थी। जांच में दोनों को दोषी मानते हुए रिपोर्ट डीएम को भेजी गई थी।

कलेक्ट्रेट में जन-सुनवाई के दौरान गुरुवार को भुता के गांव अहरोला निवासी बुजुर्ग महिला विद्या देवी डीएम के पास पहुंची थीं। उसने डीएम को बताया था कि पति सुम्मेर लाल की मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने भाग-दौड़ कर बमुश्किल अपनी विधवा पेंशन बनवा ली थी। पिछले कुछ समय से पेंशन आना बंद हो गई। जब चेक करवाया तो पता चला कि पोर्टल पर उन्हें मृत दर्शाकर पेंशन रोक दी है। विद्या देवी ने गुहार लगाई कि वह जिंदा हैं और उनकी वृद्धावस्था पेंशन दुबारा से शुरू कराई जाए।

बुजुर्ग महिला की शिकायत को डीएम अविनाश सिंह ने इसे बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल ही डीपीआरओ को इस प्रकरण में जांच कर वृद्धा की पेंशन दुबारा से चालू करवाने का निर्देश दिया। मामले की जांच आनन-फानन में बीडीओ भुता को दी गई। बीडीओ ने शुक्रवार को दी गई जांच रिपोर्ट में कहा कि पंचायत सचिव ने खुद सर्वे न करके पंचायत सहायक से जांच कराई थी। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि बीडीओ की रिपोर्ट के आधार पर दोनों कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

## सपा अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने अनवर उल्ला खान

संवाददाता, तिलहर

**अमृत विचार:** सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद इकबाल खां कादरी ने नगर के वरिष्ठ समाजवादी नेता अनवर उल्ला खान वारसी को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

मनोनयन की घोषणा होते ही पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल खां कादरी ने कहा कि अनवर उल्ला खान वारसी एक समर्पित और कर्मठ नेता हैं, जिनके अनुभव और सक्रियता से पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा समाजवादी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में वे अहम भूमिका निभाएंगे। मनोनयन की सूचना मिलते ही नगर के तमाम समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता उम्मरपुर स्थित उनके आवास पहुंचे और उन्हें बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया। बधाई देने वालों में शाहनियाज, रेहान अंसारी, नजीब खान, परवेज अंसारी, इम्तियाज अली खान, मौसम खान, ऋषि पाल यादव, सुनील कुमार, शादाब अंसारी, रामकुमार गौतम सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

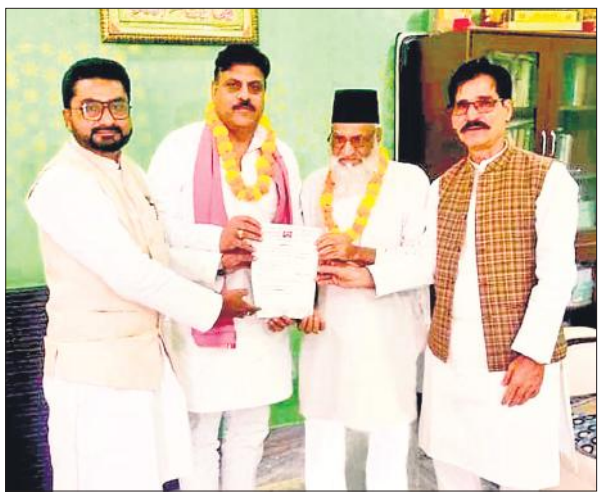

अनवर उल्ला खान वारसी को बधाई देते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

## अब कम लागत में मिलेगी हाइब्रिड सब्जी की पौध

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार:** जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त, रोगमुक्त और हाइब्रिड सब्जी पौध बेहद कम लागत में उपलब्ध होगी। जिला उद्यान विभाग की ओर से हाइटेक वेजिटेबल नर्सरी की स्थापना राजकीय पौधशाला मझौआ हेतराम, तहसील फरीदपुर में कर दी गई है। इसके शुरू हो जाने से जिले के सब्जी उत्पादक किसान अपनी आय दोगुनी करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकते हैं।

जिला उद्यान अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस नर्सरी के माध्यम से अब किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सब्जी की पौध स्थानीय स्तर पर ही मिल जाएगी। पौध उत्पादन इजरायल तकनीक पर आधारित कोकोपीट माध्यम से किया जा रहा है, जो मिट्टी रहित होने के कारण पौधों की 100 प्रतिशत जीवितता सुनिश्चित करता है। इससे पौधे एक स्थान से दूसरे स्थान तक आसानी से ले जाए जा सकते हैं और खेत में रोपण के बाद उनकी बढ़वार बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार यदि किसान अपने खर्चे से मनचाहा बीज उपलब्ध कराते हैं, तो उन्हें प्रति पौध मात्र एक रुपये में पौध तैयार कर दी जाएगी। वहीं जो किसान सीधे पौध खरीदना चाहते हैं, उन्हें प्रति पौध 2 रुपये की दर से मिलेगी।

इस हाइटेक नर्सरी में हर साल करीब 5 लाख से अधिक पौधों का उत्पादन किया जा रहा है। रबी मौसम के लिए यहां टमाटर, गोभी, शिमला मिर्च, पत्तागोभी, संकर मिर्च सहित अन्य लतावर्गीय सब्जियों की पौध उपलब्ध है। नर्सरी के संचालन की जिम्मेदारी धवल कुमार गुप्ता को सौंपी गई है। किसान पौध की उपलब्धता और बुकिंग की जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8840235916 पर संपर्क कर सकते हैं।

## कुकर्म के आरोपी ने इंस्पेक्टर और मालखाना मुंशी की वर्दी फाड़ी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● सुभाषनगर थाना परिसर का मामला

**अमृत विचार :** सुभाषनगर पुलिस कुकर्म के मामले में वांछित चल रहे सेवानिवृत्त फौजी को गिरफ्तार कर थाने लेकर आई। जहां पर आरोपी फोन पर बात कर रहा था। फोन पर बात करने पर मालखाना प्रभारी ने टोका तो उसने वर्दी फाड़ते हुए हमला कर दिया। प्रभारी निरीक्षक बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट कर उनकी भी वर्दी फाड़ते हुए उनके बिल्ले नोच लिए। आरोपी के खिलाफ मालखाना मुंशी ने एक और रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

थाना क्षेत्र के शांति विहार होली चौक निवासी महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका परिवार शांति विहार स्थिति एक मकान में किराये पर रहता है। उस मकान के मालिक गंगापुरी गोस्वामी हैं। आरोप है कि वहां पर उसके पति काम करते थे, जबकि उसका एक किशोर बेटा भी उनके साथ रहता है। पांच नवंबर को गंगापुरी ने उसके बेटे के साथ कुकर्म किया। साथ ही आए दिन उसके साथ गलत काम करते हुए अश्लील बातें करते थे। बेटे ने अपनी मां को पूरी बात बताई थीं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। सुभाषनगर थाने के मालखाना प्रभारी दीपक शर्मा के मुताबिक बृहस्पतिवार को वह थाना कार्यालय पर मौजूद थे। दोपहर के समय पुलिस टीम पॉक्सो एक्ट के आरोपी गंगापुरी गोस्वामी को गिरफ्तार कर थाने लायी थी। थाने के संतरी के सामने गंगापुरी की तलाशी ली जा रही थी। तलाशी के दौरान गंगापुरी फोन पर बात कर रहा था। दीपक शर्मा ने फोन पर बात करने से मना किया और फोन जमा करने को कहा। इस पर गंगापुरी ने गालियां दीं और मालखाना प्रभारी दीपक शर्मा का गिरेबान पकड़कर मारपीट करने लगा।

आरोप है कि शोर सुनकर कार्यालय से निकलकर प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह भी वहां आ गए। जितेन्द्र सिंह ने समझाने का प्रयास किया तो उनके साथ हाथापाई कर शर्ट होल्डर नोच दिया। आरोपी को इंस्पेक्टर पर हमलावर देखकर थाने में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस कर्मियों ने आरोपी को पकड़कर शांत कराया।

## गंगा समिति की बैठक में शहरी नदी प्रबंधन पर हुई चर्चा

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान और जिला गंगा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट में हुई। बैठक में शहरी नदी प्रबंधन योजना की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने पिछले वर्ष आई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए ककरा पुल की ऊंचाई बढ़ाने और स्पैन विस्तार का सुझाव शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने डेयरियों को महानगर से बाहर शिफ्ट करने और नालियों में गोबर बहाने पर रोक लगाने के भी निर्देश दिए। बैठक में नगर आयुक्त, जिला विकास अधिकारी, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग और जल निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

## वनखंडी नाथ मंदिर का 5.82 करोड़ से होगा कायाकल्प

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● नगर निगम से मिली एनओसी ओपन थिएटर, वैदिक लाइब्रेरी और नई दुकानें बनेंगी

**अमृत विचार:** जमीन की अड़चन के फेर में फंसा बाबा वनखंडीनाथ मंदिर भक्तों को जल्द ही नए रूप में नजर आएगा। नगर निगम से एनओसी मिलने पर पर्यटन विभाग जल्द काम शुरू कराने की तैयारी में है। विभाग ने इस मंदिर के लिए 5.82 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

जानकारी के मुताबिक नाथ कॉरिडोर परियोजना के तहत शहर के सभी नाथ मंदिरों को संवारने का काम किया जा रहा है। इसके लिए बजट मिल चुका है। परियोजना के तहत ही मंदिर में कई महत्वपूर्ण कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें मंदिर में परिसर में फूल और प्रसाद के लिए नई दुकानें, वैदिक लाइब्रेरी बनाने के साथ ही प्रवेश द्वार आकर्षक बनाया जाना है। इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित आश्रय स्थल, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ और सुलभ पेयजल की सुविधा, मंदिर के इतिहास और महत्व को दर्शाने वाले जानकारी पूर्ण बोर्ड और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रकाश व्यवस्था आदि शामिल हैं। उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार ने बताया कि वनखंडीनाथ मंदिर के आसपास नगर निगम की जमीन परियोजना में बाधा बनी थी, जिसके चलते टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी काम शुरू नहीं किया जा सका था। बोर्ड बैठक में मेयर के सामने प्रस्ताव रखा था।

## 9 को जंतर- मंतर पर होगी पेंशन जयघोष रैली

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग को लेकर ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन की ओर से 9 नवंबर को जंतर -मंतर, नई दिल्ली में पेंशन जयघोष रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल और प्रदेश अध्यक्ष अंकुर त्रिपाठी करेंगे। शाहजहांपुर से भी सैकड़ों शिक्षक और कर्मचारी दिल्ली के लिए रवाना होंगे। जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा ने कहा कि नई पेंशन योजना कर्मचारियों के हितों के विपरीत है, इसलिए पुरानी पेंशन की बहाली अब जरूरी है। प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्रेयश चंद्र सक्सेना ने बताया कि रैली में सेवारत शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता के विरोध में भी प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

## नगर निगम में एबीवीपी नेताओं और अफसरों में हाथापाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● समस्याएं लेकर पहुंचे थे एबीवीपी नेता, नगर आयुक्त के सामने हुई तीखी नोक-झोंक

**अमृत विचार :** नगर निगम परिसर शुक्रवार को अखाड़ा बन गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पदाधिकारियों और नगर निगम अधिकारियों तथा कर्मचारियों के बीच हुई तीखी नोक-झोंक के चलते हंगामा खड़ा हो गया।

छात्र विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे थे। अधिकारियों से वार्ता के दौरान टकराव हो गया, जो देखते-देखते हाथापाई में बदल गई। अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एबीवीपी नेताओं ने नगर निगम दफ्तर के बाहर धरना शुरू कर दिया। जवाबी मोर्चा खोलते हुए नगर निगम कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान करते हुए सफाई व्यवस्था ठप कर दी। एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री अवनि यादव के नेतृत्व में शुक्रवार दोपहर में एबीवीपी कार्यकर्ता नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते पहुंचे, लेकिन नगर आयुक्त कार्यालय में मौजूद नहीं थे। कार्यालय के बाहर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता नगर आयुक्त मुर्दाबाद, निगम अधिकारी भ्रष्ट हैं जैसे तमाम नारे लगाते रहे। मामले की जानकारी जब अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय को हुई तो वह भी एक्सईएन राजीव कुमार राठी के साथ कार्यकर्ताओं के पास पहुंचे, लेकिन कार्यकर्ताओं से उनकी तीखी नोकझोंक हो गई। थोड़ी ही देर में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य भी कार्यालय पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उन्हें कार्यालय के बाहर ही रोक लिया, लेकिन वह कार्यालय के अंदर चले गए। पांच मिनट के बाद कार्यकर्ताओं को अंदर बुलाया तो कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गुरुवार को संगठन के कार्यक्रम के लिए जीआईसी ऑडिटोरियम सभाकर की बुकिंग कराई थी, लेकिन समय से पहले ही यहां बिजली बंद कर दी गई। बातचीत के दौरान माहौल गरम हो गया और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगे। इसी बीच निगम अधिकारी भी बिफर गए और हाथापाई की नौबत आ गई। नगर निगम कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष ठाकुर मिशनपाल सिंह भी कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की, मगर उनके बीच भी तनातनी बढ़ गई। देखते ही देखते निगम परिसर में हंगामा मच गया।

> कुछ लोग कार्यालय में आए थे, उन्होंने हंगामा करने के साथ ही अभद्रता की। जिन लोगों ने हंगामा किया, वह लोग कार्यक्रम कराने के लिए ऑडिटोरियम निशुल्क चाह रहे थे, लेकिन नियमानुसार उसका शुल्क लिया गया। हंगामा और अभद्रता करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।
> – संजीव कुमार मौर्य, नगर आयुक्त।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर धरना देकर नारेबाजी शुरू कर दी। करीब डेढ़ घंटे तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। बाद में मौके पर पहुंचे सीओ प्रथम आशुतोष शिवम भी भारी पुलिस बल के साथ नगर निगम पहुंच गए और कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता प्रदर्शन करते रहे। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन देकर निगम कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,8 नवंबर 2025



ब्रीफ न्यूज

## राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस पर किया जागरूक

**बिल्सी, अमृत विचार :** शुक्रवार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस पर यहां एक शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लोगों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से कैंसर के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि कैंसर से बचाव के लिए समय-समय पर जांच कराना, तंबाकू और शराब से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में पोस्टर और पंपलेट के माध्यम से कैंसर से संबंधित जानकारी दी। उपस्थित लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गई। इस मौके पर डा .चारू गुप्ता, डा .उनमेश सिंह, डा .सैफिन खान, सुनील कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

## निशुल्क राशन का आज से होगा वितरण

**बदायूं, अमृत विचार :** डीएम अवनीश कुमार राय ने बताया पात्र गृहस्थी व अन्त्योदय कार्डधारकों में राशन का वितरण आठ नवंबर से होगा। डीएम ने राशन का वितरण पारदर्शिता से कराने के आदेश दिए हैं। अन्त्योदय लाभार्थियों को प्रति कार्ड धारक 14 किग्रा गेहूं, 21 किग्रा फोर्टीफायड चावल (कुल 35 किलो ग्राम) खाद्यान्न का नि :शुल्क वितरण किया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों में दो किग्रा गेहूं, तीन किलो ग्राम चावल (कुल 5.0 किलो ग्राम खाद्यान्न) प्रति यूनिट के हिसाब से नि :शुल्क वितरण होगा।

## कैली में दलदल में फंसी गाय ग्रामीणों ने निकाली

**बदायूं, अमृत विचार :** विकास क्षेत्र सालारपुर के गांव कैली में शुक्रवार को दोपहर छुट्टा गाय सुनील चौहान के घर के सामने बने गंदे पानी के गड्ढे में फंस गई। जब ग्रामीणों ने गाय को फंसा देखा। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद रस्सियों से बांध कर गाय को गंदे पानी के गड्ढे से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने पंचायत विभाग, सचिव और प्रधान पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना कि ग्रामीण कई बार गड्ढे को पाटने के लिए शिकायत कर चुके हैं। गड्ढे में कई पशु गिरकर घायल हो चुके हैं लेकिन आज तक गड्ढे को नहीं भरा गया है। अगर ग्रामीण समय से नहीं पहुंचते तो गाय की मौत हो जाती है। ग्रामीणों को बड़े हादसे का डर सता रहा है। ग्रामीणों ने जल्द गड्ढे को भरने की मांग की है।

# पुलिसकर्मियों का तनाव दूर करने के लिए हुई कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार :** एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में ग्रीन हर्बल हेल्थ सेंटर योजना के अंतर्गत रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला हुई।

इसका उद्देश्य तनाव प्रबंधन था। कार्यशाला में पुलिस स्टाफ को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक, जीवनशैली और विषयों में प्राथमिकता तय करने के बारे में बताया गया। कहा कि सभी विधियों को सही प्रकार से जीवन में अपनाने से तनाव स्त्रोतो से निपटने और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने व नकारात्मक विचार को दूर करने और पुलिस विभाग में हो रही आत्महत्याएं रोकने तथा तनाव को कम किया जा सकता है।

एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ लाइन डॉ. देवेंद्र कुमार, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय, सीओ यातायात अशोक कुमार, सीओ गौरव उपाध्याय, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

### 190 ग्राम पंचायत में होगी तैनाती, शासन से निर्देश मिलने के बाद विभाग ने शुरू की प्रक्रिया

# ग्राम पंचायतों में महिलाओं को जागरूक करेंगी स्वास्थ्य सखी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- लिखित परीक्षा के आधार पर होगा चयन, दिया जाएगा प्रशिक्षण

**अमृत विचार :** ग्राम पंचायतों में महिलाओं और युवतियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए 190 स्वास्थ्य सखी रखी जाएंगी। इनका चयन लिखित परीक्षा के बाद किया गया है। अब इन्हें प्रशिक्षण दिए जाने की तैयारी चल रही है। इसके बाद इन्हें ग्राम पंचायतों में तैनात कर कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं को प्रदेश और केंद्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। जिससे वह आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उन्हें स्वास्थ्य सखी के रूप में तैनात किया जाएगा। जिले की 190 ग्राम पंचायतों में इनकी तैनाती की जाएगी। स्वास्थ्य सखी के लिए महिलाओं का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया गया है। अब उन्हें प्रशिक्षण दिया जाना है। जिसकी तैयारी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग द्वारा शुरू कर दी है। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को ग्राम पंचायतों में तैनात कर दिया जाएगा। यह स्वास्थ्य सखी गांवों में महिलाओं व युवतियों के बीच जाकर उन्हें स्वास्थ्य की जानकारियां देंगी। साथ ही गर्भवती महिलाओं का आंकड़ा, कुपोषित बच्चों की स्थिति, महिलाओं को टीकाकरण के प्रति जागरूक करते हुए, सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी करेंगी। जिससे महिलाएं और युवतियां अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे सकें।

### 560 की हो चुकी है तैनाती

जिला मिशन प्रबंधक ओम प्रकाश ने बताया कि विभाग को 750 स्वास्थ्य सखी रखे जाने का लक्ष्य मिला था। प्रत्येक ब्लॉक में 50 स्वास्थ्य सखी रखी जानी थी। इनमें से 560 स्वास्थ्य सखी को नियुक्त किया जा चुका है। इनके प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। अब यह गांवों में पहुंचकर महिलाओं और युवतियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही हैं। अब 190 स्वास्थ्य सखी रखी जानी हैं। इनका चयन लिखित परीक्षा के तहत किया गया है। चयनित महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद संबंधित ग्राम पंचायतों में तैनाती कर दी जाएगी।

"शासन से 750 स्वास्थ्य सखी रखे जाने का लक्ष्य शासन से मिला था। यह चार साल का लक्ष्य था। लक्ष्य की पूर्ति कर ली गई है। शासन की मंशा के अनुसार चयनित की गई स्वास्थ्य सखी को संबंधित ग्राम पंचायतों में प्रशिक्षण के बाद तैनात कर दिया जाएगा। – **ब्रजेश कुमार शुक्ल**, उपायुक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

# इस्लामनगर में युवक को खंभे से बांधकर पेट्रोल डालकर लगाई आग

### पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज, जांच में मामला बताया संदिग्ध

संवाददाता, इस्लामनगर

युवक के झुलसने पर विलाप करतीं परिजन। ● अमृत विचार

आग से झुलसा महबूब।

**अमृत विचार :** कस्बा इस्लामनगर में तीन लोगों ने मस्जिद में नमाज पढ़कर आ रहे एक युवक को शुक्रवार को जिंदा जलाने का प्रयास किया। उसे खंभे से बांधा और पेट्रोल डालकर आग लगा दी। युवक गंभीर रूप से झुलस गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक ने तीन लोगों पर आरोप लगाए। बताया कि उसका तीनों लोगों से गुरुवार को विवाद हुआ था। पुलिस ने जांच की। इस दौरान पुलिस को युवक के पेट्रोल पंप से बोतल में पेट्रोल लेने का वीडियो मिला है। पुलिस की जांच में पेट्रोल डालकर आग लगाना संदिग्ध प्रतीत हुआ है।

इस्लामनगर के मोहल्ला तारिक नगला मुस्तफाबाद निवासी महबूब (20) पुत्र सत्तार खान शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे सहसवान मार्ग स्थित मस्जिद पर नमाज पढ़ने गए थे। कुछ देर के बाद वह वापस अपने घर लौटकर जा रहे थे। रास्ते में कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। युवक से कहासुनी करने लगे। देखते ही देखते मामला बढ़ गया। महबूब के अनुसार युवकों ने उसे पकड़कर खंभे से बांध दिया और पेट्रोल डालकर आग लगा दी। खंभे से बंधी रस्सी जलने के बाद वह खुद मौके से भागा। झुलसी हुई हालत में अपने घर पहुंचा। परिजन युवक को इस्लामनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर बताई। परिजनों ने युवक को चंदौसी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को मस्जिद में बैठने की जगह को लेकर महबूब का कुछ लोगों से विवाद हुआ था। उसी रंजिश के चलते शुक्रवार को उन लोगों ने महबूब के साथ घटना की। पुलिस ने कस्बा के पास पेट्रोल पंप जाकर जानकारी की। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। जिसमें महबूब एक बोतल में पेट्रोल लेता नजर आया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

### पेट्रोल पंपों पर बरती जा रही है लापरवाही

शासन से किसी को भी बोतल में पेट्रोल न देने का निर्देश दिया है। इसके बाद भी क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर लापरवाही बरती जा रही है। लोगों को बोतल में पेट्रोल दिया जा रहा है। लोग वाहन में पेट्रोल खत्म होने की बात कहकर बोतल में आसानी से पेट्रोल ले जाते हैं। इस्लामनगर के ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर यही हालत है।

"पुलिस एक युवक के जलने के संबंध में सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। युवक ने बताया कि छह नवंबर को उसका मोहल्ले के तीन लोगों से विवाद हुआ था। उन्हें तीन लोगों पर जलाने का आरोप लगाया। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर है। जांच के दौरान पेट्रोल डालकर जलाने की घटना संदिग्ध प्रतीत हुई है। मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है। उसका पहले से इलाज चल रहा है। तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। विस्तृत जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। – **डॉ. ह्रदेश कठेरिया**, एसपी देहात

# शादी समारोह में जा रहे लोगों की कार पलटी, पांच घायल

**विजय नगला, अमृत विचार :** शादी समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार पांच लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक घायल की हालत नाजुक बनी हुई है।

गुरुवार को देर रात कार सवार पांच लोग बिनावर थाना क्षेत्र के गांव बिलहत में नन्हें सोलंकी की बेटी की शादी में शामिल होने जा रहे थे। उनकी कार मौसमपुर मार्ग पर नदौलिया मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में कार सवार हरियाणा के बल्लमगढ़ निवासी हर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि कार सवार आदेश, राहुल मीणा, विकास और मुकुल मामूली रूप से घायल हुए। राहगीरों की सूचना पर बिनावर पुलिस मौके पर पहुंची। हर्ष को बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि चार अन्य घायलों को घटपुरी स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा।

उप निरीक्षक अनित कुमार ने बताया कि कार सवार शादी समारोह में शामिल होने आए थे। उनकी कार पलट गई। एक कार सवार की हालत गंभीर है। बाकी की हालत सामान्य है।

# 10 ईंट भट्ठा संचालकों ने जमा नहीं की रॉयल्टी, नोटिस जारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 1 नवंबर से शुरू हो चुके ईंट भट्ठे अब तक 110 ने जमा की रॉयल्टी

**अमृत विचार :** जिले में ईंट भट्ठा संचालित होने शुरू हो गए हैं, लेकिन संचालक रॉयल्टी जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। एक दर्जन से अधिक ईंट भट्ठा संचालकों के द्वारा रॉयल्टी जमा नहीं की है। इन पर करीब 20.7 लाख की रायल्टी बकाया है। इन सभी को खनन विभाग ने नोटिस जारी किया है। विभागीय अधिकारी ने ईट भट्ठा संचालकों को नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी है कि ईंट भट्ठों पर अवैध रूप से खनन कर ईंट पाथने का कार्य करते पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 220 ईट भट्ठा हैं। इनमें से अब तक 110 ईंट भट्ठा के द्वारा रॉयल्टी जमा करने के बाद उन्हें संचालित कर दिया है। वहीं एक दर्जन से अधिक ईंट भट्ठा बंद पड़े हैं। इनमें से दस ईंट भट्ठा संचालकों के द्वारा अब तक रायल्टी जमा नहीं की है।

इन पर करीब 20.7 लाख से अधिक रायल्टी शेष है। इन सभी को खनन विभाग की ओर से नोटिस जारी कर रायल्टी जमा करने के आदेश दिए हैं। साथ ही कार्रवाई की चेतावनी दी है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सबसे अधिक ईंट भट्ठा बिल्सी तहसील क्षेत्र में संचालित हैं। यहां करीब 50 से अधिक ईंट भट्ठा संचालित हैं। यहां के अलावा शेष अन्य तहसीलों में चल रहे हैं। रायल्टी जमा नहीं करने वाले ईट भट्ठा संचालिक बिल्सी और बिसौली क्षेत्र के हैं।

"रॉयल्टी जमा न करने वालों भट्ठा संचालकों को नोटिस भेजने की कार्रवाई की है। बिना रॉयल्टी के भट्ठा पर ईंट पाथने का कार्य करने पर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

–**गुलशन कुमार**, खनन अधिकारी

इनके द्वारा रॉयल्टी जमा नहीं की गई है। प्रति भट्ठा संचालक प्रतिवर्ष लगभग 2.07 लाख रुपये रॉयल्टी के रूप में जमा करते हैं। इसके बाद ही भट्ठे पर ईंट पाथने का कार्य शुरू किया जाता है। इस तरह भट्ठा संचालकों पर लगभग 20.7 लाख रुपये बकाया चल रहा है।

भट्ठा संचालकों ने ईंट पाथने का कार्य शुरू कर दिया है। विभागीय अधिकारी ने ईट भट्ठा संचालकों को नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी है कि ईंट भट्ठों पर अवैध रूप से खनन कर ईंट पाथने का कार्य करते पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत, हंगामा पर पहुंची पुलिस

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार :** थाना व कस्बा उसहैत निवासी गर्भवती महिला राबिया को उसके परिजनों ने शहर के फर्रुखाबाद रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में प्रसव को भर्ती कराया था। शाम साढ़े चार बजे राबिया की हालत बिगड़ गयी। डॉक्टरों ने महिला को बाहर ले जाने को रेफर भी कर दिया।

परिजन तब तक बाहर ले जाते तब तक महिला की मौत हो गयी। महिला की मौत के बाद पीड़ित परिवार ने हंगामा कर दिया। मौत की सूचना पर अनेक लोग मौके पर पहुंच गयी। मंडी समिति पुलिस चौकी से पुलिसकर्मी भी मोके पर पहुंच गए। पुलिस ने गुस्साए लोगों को समझाकर शांत कर दिया। उधर अस्पताल संचालक की ओर से बताया गया कि महिला को प्रसव के लिए भर्ती किया गया था। उसकी हालत ठीक नहीं थी जिस पर उसे रेफर कर दिया गया। महिला की मौत बाहर हुई है। मौत के बाद यह लोग महिला के शव को लेकर आ गए और अस्पताल में हंगामा करने लगे पुलिस ने ग्रामीणों को समझा कर शांत करा दिया।

# गोवध का आरोपी इनामी मुठभेड़ में गिरफ्तार

संवाददाता, कुंवरगांव

- चेकिंग के दौरान बदमाश सरताज ने पुलिस पर चलाई गोली
- तस्कर के अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर हो गए फरार
- पुलिस ने बरामद किया तमंचा, कारतूस, गोकशी के उपकरण

**अमृत विचार :** चेकिंग के दौरान गुरुवार रात कुंवरगांव पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। चेकिंग के लिए रोकने पर बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग की थी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। बदमाश के पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक तमंचा, दो जिंदा व दो खोखा कारतूस और गोकशी में प्रयुक्त उपकरण बरामद हुए। तस्कर के अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बुधवार रात गांव खासपुर निवासी मुनेंद्र पुत्र मीहलाल के घर के बाहर बंधा बैल चोरी कर लिया गया था। मुनेंद्र ने अगले दिन बैल की तलाश की।

मुठभेड़ के बाद गोवध करने के आरोपी को इलाज के लिए ले जाते पुलिसकर्मी।

खासपुर और हुसैनपुर के बीच जंगल में गन्ने के खेत में बैल के अवशेष मिले थे। सूचना मिलने पर कुंवरगांव के थानाध्यक्ष राजेश कौशिक पहुंचे। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने मौका मुआयना करके जल्द खुलासे का आश्वासन दिया। अवशेष को दफन किया गया था।

जिसके बाद गुरुवार रात थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ करौतिया, खासपुर तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। वहां से गुजर रहे लोगों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। एक बदमाश के पैर में गोली लगी।

पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसने अपना नाम गांव दुगरैया निवासी सरताज पुत्र खुर्शीद उर्फ कय्यूम बताया। उसपर कुंवरगांव थाने में गैंगस्टर, गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट आदि के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज हैं। साथ ही 25 हजार रुपये का इनाम है।

### 5 नवंबर को खासपुर से किया था बैल चोरी

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि वह लोग छुट्टा गोवंशों को पकड़कर वध करके मांस बेच देते हैं। 5 नवंबर को भी उन्होंने खासपुर से बैल चोरी किया था और हुसैनपुर में वध कर दिया। गुरुवार रात भी वह गोवंश की तलाश में निकले थे। जिसका वध करना था लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। खुद को फंसता देखकर पुलिस पर फायरिंग की थी। उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष राजेश कौशिक के साथ हेड कांस्टेबल सुनील, नरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क

~~₹200~~/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

उपलब्ध सुविधायें :–
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/– में

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

विशेषतायें:–
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900
पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

## बुजुर्ग की मौत, पोस्टमार्टम में हैंगिंग की पुष्टि

**बिल्सी, अमृत विचार :** बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव हरनाम नगला निवासी बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गांव हरनाम नगला निवासी मदनलाल (60) पुत्र घनेंद्र की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हैंगिंग से मौत की पुष्टि हुई है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

लेटलतीफी | जरीफनगर में भवन का निर्माण पूरा, फिनिसिंग करने की तैयारी

# आयुर्वेद के निर्माणाधीन अस्पतालों में काम धीमा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार :** राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल की बिल्डिंग जरीफनगर सहित चार कस्बों में बन कर तैयार हो चुकी हैं, लेकिन भवन निर्माण के बाद फिनिशिंग कार्य धीमी गति से हो रहा है। कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया है कि जल्द ही शेष कार्य पूरा किया जाए जिससे अस्पताल भवन विभाग को सुपुर्द किए जा सकें।

राजकीय आयुर्वेद विभाग ने चार कस्बों में अपनी जगह पर भवन निर्माण कराया है। इनमें कुंवरगांव, सतेती, बोंदरी और जरीफनगर में अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण पूरा हो चुका है। कार्यदायी संस्था ने भवन निर्माण के बाद काम धीमा कर दिया है जिससे भवन की रंगाई पुताई सहित अन्य कार्य नहीं किए गए हैं। अस्पतालों में जरीफ नगर के अस्पताल सबसे बड़ा है। जरीफनगर की बिल्डिंग निर्माण के लिए सरकार से 89 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है।

जरीफनगर में आयुर्वेदिक अस्पताल की बिल्डिंग। ● अमृत विचार

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. योगेंद्र सिंह ने बताया कि जरीफनगर सहित चार कस्बों में आयुर्वेद के अस्पताल बनाए जा रहे हैं। कार्यदायी संस्था को सीधे लखनऊ से टेंडर दिया गया है। चारो बिल्डिंग लगभग पूरी हो चुकी हैं। अंदर की फिनिशिंग शेष है। कार्यदायी संस्था को पत्र लिखा गया है कि शेष कार्य जल्द पूरा किया जाए जिससे अस्पताल विभाग को मिल सकें। उन्होंने कहा कि कुंवरगांव, सतेती और बोंदरी के अस्पताल छोटे हैं उनकी बिल्डिंग तैयार हो चुकी है। जल्द ही रंगाई पुताई शुरू करा दी जाएगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अगले साल मार्च से पहले चारो अस्पतालों में ओपीडी शुरू कर दी जाएगी जिससे स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। आयुर्वेदिक अस्पतालों के बन जाने से मरीजों को जिला अस्पताल स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल आने की जरूरत नहीं होगी।

- जल्द शेष कार्य पूरा करने के कार्यदायी संस्था को निर्देश

### होम्योपैथिक विभाग को नहीं मिली जगह

होम्योपैथिक विभाग द्वारा भी पिछले 18 माह से अपने अस्पताल भवन निर्माण कराने को जगह की खोज की जा रही है, लेकिन होम्योपैथिक विभाग को अभी तक एक भी कस्बे में जगह नहीं मिली है। जगह नहीं मिलने से होम्योपैथिक विभाग ने शासन को समस्या से अवगत करा दिया है। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार व्यास ने बताया कि ग्राम पंचायतों व नगर पालिका प्रशासन से जगह की मांग की गयी है। यदि किसी कस्बे में जगह मिल जाती है तो वहां अस्पताल भवन निर्माण कराया जाएगा।

## ब्रीफ न्यूज

### छत से गिरकर घायल हुआ युवक

**बदायूं, अमृत विचार :** बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव अजनावर में दीवार तोड़ते समय एक युवक छत से नीचे गिर गया। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार प्रेम नारायण पुत्र कन्हई लाल शुक्रवार सुबह लगभग 11 बजे अपने घर की दीवार तोड़ रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह छत से नीचे जा गिरे। एम्बुलेंस से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेजा।

### गोवंश के हमले में युवक गंभीर रूप से घायल

**बदायूं, अमृत विचार :** बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव बढ़नोमी क्षेत्र में शुक्रवार को गोवंश ने प्रमोद सागर पर हमला कर दिया। सींघों से उठाकर कई बार जमीन पर पटका। ग्रामीणों ने युवक को बचाया। प्रमोद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

### बांस बरौलिया वृद्ध आश्रम में खिलाया भोजन

**बिल्सी, अमृत विचार :** क्षेत्र के ग्राम बांस बरौलिया स्थित वृद्धाश्रम में आज एक भंडारे का आयोजन किया गया। अंबियापुर निवासी समाजसेवी सुरेंद्र वर्मा ने सभी वृद्धजनों को सहभोज कराया और उनका आशीर्वाद लिया। सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि भारतीय समाज अपनी संस्कृति, परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता है। इन मूल्यों के केंद्र में वृद्धों के प्रति आदर और सेवा का विशेष स्थान है। वृद्धजनों ने प्रेमपूर्वक भोजन किया और समाजसेवी सुरेंद्र वर्मा को आशीर्वाद दिया।

### ब्रेकर पर बाइक से गिरकर महिला की मौत

**बदायूं, अमृत विचार :** उझानी कस्बा के मोहल्ला नझियाई निवासी मुख्तार सैफी टेंट व्यापारी हैं। उनकी पत्नी रुखसाना शुक्रवार शाम अपने भाई मोहम्मद रफीक के साथ शादी समारोह में शामिल होने जा रही थीं। राजमार्ग स्थित रेस्टोरेंट के पास ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित हो गई। रुखसाना सड़क पर जा गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# भूमि पूजन कर श्री राम मंदिर निर्माण की रखी नींव

संवाददाता, उघैती

**अमृत विचार :** क्षेत्र के गांव महानगर में बालाजी मंदिर परिसर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम मंदिर निर्माण को लेकर शुक्रवार को भूमि पूजन के पश्चात नींव रखी गई।

आचार्य गंगाचरण शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कर भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण के लिए नींव रखी गईं। कार्यक्रम में गांव के साथ साथ क्षेत्रीय दानदाताओं व श्री राम भक्तों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। मंदिर की नींव की पांच ईंट रखने वालों में राम भक्तों ने श्री राम जयघोष के साथ पूजन में भाग लिया। मंदिर के पुजारी अनेक सिंह के साथ कस्बा उघैती, खंडवा, टिटौली, लोथर, महानगर के साथ साथ अनेकों भक्त मौजूद रहे। मंदिर के पुजारी अनेक सिंह ने बताया कि गांव महानगर में बालाजी धाम पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण को नींव रखी गई इसके बाद प्रभु के प्रसाद का वितरण हुआ । जिसमें समस्त ग्रामवासी व क्षेत्र वासियों का भरपूर सहयोग रहा है।



मंदिर निर्माण को भूमि पूजन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

## बच्चों की उपस्थिति को लेकर शिक्षक बरत रहे लापरवाही, नोटिस किया जारी

# विद्यालयों में बच्चों की नहीं लग रही ऑनलाइन हाजिरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार :** परिषदीय स्कूलों में बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति शिक्षक दर्ज नहीं कर रहे हैं। इस कार्य में उनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। बल्कि विरोध कर रहे हैं। मुश्किल से चार या पांच स्कूलों के द्वारा ही बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति ली जा रही है।

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इनमें करीब 3.01 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। इन स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति ली जानी है। जिसकी जिम्मेदारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को दी गई है। बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए शासन द्वारा तीन माह पूर्व आदेश जारी किया गया था। लेकिन शासन के आदेश पर शिक्षकों के द्वारा अमल नहीं किया जा रहा। स्थिति बेहद खराब हैं। मुश्किल से तीन से चार स्कूल ही बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। 3.01 लाख बच्चों के साथ 0.27 फीसद ही बच्चों की उपस्थिति ली जा रही है। हालात ऐसे हैं कि बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा लगातार स्कूलों का निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी शिक्षक बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार नहीं दिख रहे हैं। बल्कि ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध दर्ज करा रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि शासन का आदेश पूरी तरह से शिक्षक विरोधी है। शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में ही उलझ कर रह जाएगा। पढ़ाई नहीं हो पाएगी। शिक्षकों के विरोध के चलते शासन का आदेश जिले में लागू नहीं हो पा रहा है। उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है।

● 2158 में मात्र तीन से चार स्कूलों में ही दर्ज कराई जा रही है उपस्थिति

### जुलाई माह से लागू किया गया था आदेश

बच्चों की ऑनलाइन हाजिरी दर्ज कराने के लिए शासन की ओर से वर्तमान शैक्षिक सत्र के जुलाई माह में बेसिक शिक्षा विभाग को भेजा गया था। इसके बाद अक्टूबर माह में दोबारा से आदेश जारी किया गया है। इसके बाद भी शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी लगाने को तैयार नहीं दिख रहे हैं।

" बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर शिक्षकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई भी हो रही है। ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। - **वीरेंद्र कुमार सिंह,** जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

# राजकीय मेडिकल कॉलेज में हेपेटाइटिस की जांच शुरू

## जिले में हैं साढ़े चार हजार पीलिया के मरीज, लखनऊ भी भेजे गए सैंपल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं



हेपेटाइटिस मरीजों की लगी लाइन। ● अमृत विचार

पीलिया पीड़ित की बिगड़ी हालत।

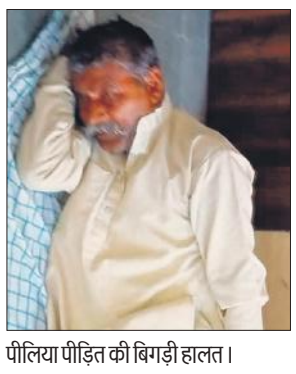

**अमृत विचार :** दो दिन की छुट्टी के बाद खुला सरकारी अस्पताल मरीजों से भर गया। हेपेटाइटिस के मरीज लाइन में लगे रहे, लेकिन डॉक्टर नहीं बैठे। डॉक्टर के सहायक ने मरीजों के पर्चे पर दवा लिखी। राहत की बात यह है कि अब राजकीय मेडिकल कॉलेज में भी ब्लड की जांच को सैंपल भेजे जा रहे हैं, जबकि अधिकांश सैंपल लखनऊ भेजे जा रहे हैं।

मेला ककोड़ा की दो दिन की छुट्टी के बाद शुक्रवार को जिला अस्पताल खुला। अस्पताल में सुबह 8 बजे से ही मरीज लाइन में लग गए। सबसे अधिक भीड़ हेपेटाइटिस के मरीजों की रही। क्योंकि शुक्रवार और मंगलवार को ही हेपेटाइटिस के मरीज देखे जाते हैं। इसलिए शुक्रवार को पीलिया के 200 मरीजों को देखा गया। कुछ मरीज दोपहर के बाद भी पहुंचे उन्हें वापस लौटना पड़ा। मरीजों की भीड़ लगी रही लेकिन आज हेपेटाइटिस के मरीजों को देखने वाले डॉक्टर नदारद रहे। काफी देर इंतजार करने के बाद डॉक्टर के सहायक ने पर्चे पर दवा लिखनी शुरू कर दी। नए मरीज नहीं देखे गए उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। जिला अस्पताल में पीलिया पीड़ित मरीजों की हालत बिगड़ गई। उन्हें आनन फानन में दवा लिख कर बाहर भेज दिया गया। जनपद में हेपेटाइटिस के करीब साढ़े चार हजार मरीज हैं। जिसमे से काली पीलिया के दो सौ से अधिक मरीज हैं।

इन मरीजों का उपचार जिला अस्पताल से ही किया जा रहा है। डाक्टरों का कहना है कि हेपेटाइटिस बी काली पीलिया होता है जबकि सी सामान्य पीलिया होता ह। काली पीलिया के मरीज को उम्र भर दवा खानी होती है जबकि सामान्य पीलिया एक या दो माह में ठीक हो जाती है।

● जिला अस्पताल में शुक्रवार को 200 मरीजों को देखा गया

### अस्पताल में पीलिया का मरीज हुआ बेहोश

थाना जरीफनगर के गांव धोवरखेड़ा निवासी 50 वर्षीय ओमप्रकाश पीलिया की दवा लेने पहुंचे। लाइन में लगे रहे जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। वह लाइन में ही गिर गए जिससे कुछ लोगों ने उन्हे उठा कर बाहर लिटाया। काफी देर तक वह बेहोश रहे। जिसके बाद डॉक्टर को सूचना दी गयी। डॉक्टर के सहायक ने उनके पर्चे पर दवा लिखी और बाहर भेज दिया। ओमप्रकाश ने बताया कि उन्हे काली पीलिया है। एक माह से दवा ले रहे हैं। उनके परिवार के लोग साथ में आते हैं लेकिन आज कोई डॉक्टर नहीं बैठा जिससे उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

## शिविर में आईं 24 शिकायतें, सभी मौके पर निस्तारित

**संवाददाता, बिल्सी,अमृत विचार :** शुक्रवार को विभागीय उच्चाधिकारियों के निर्देश यहां उपखंड अधिकारी कार्यालय पर दो दिवसीय विद्युत बिल सुधार कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 24 शिकायत पंजीकृत हुई। जिसमें बिल से संबंधित 17 शिकायत आई। जिनमें से सभी का मौके पर समाधान किया गया।

मीटर खराब होने की तीन शिकायतें प्राप्त हुई। तीनों शिकायतों का मौके पर ही निस्तारित किया गया। साथ ही एक शिकायत मीटर नंबर अपडेट की एवं एक शिकायत लोड घटाने की थी, एक मोबाइल नंबर अपडेट करने की आई। जिन्हे मौके पर निस्तारित किया गया। मीटर से सम्बंधित शिकायत को अग्रिम कार्यवाही के लिए सहायक अभियंता मीटर बिल्सी को भेजा गया है। जिसका एक सप्ताह के अंदर ही निराकरण किया जाना सुनिश्चित होगा। कैंप में 108 उपभोक्ताओं से दो लाख 34 हजार रुपए की राजस्व वसूली भी की गई। इसके अलावा उपखण्ड बिल्सी के तहत 19 उपभोक्ताओं के बकाए पर कनेक्शन भी काटे गए। साथ ही अवर अभियंता ने बिना बिल जमा कराए विद्युत का प्रयोग करते पाए जाने पर चार उपभोक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई।

# वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे, शहीदों को किया नमन



शहीद स्थल पर शहीदों का पुष्प अर्पित कर नमन करते डीएम अवनीश कुमार राय।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार:** राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस लखनऊ के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। डीएम अवनीश कुमार राय व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने शहीद स्थल पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया। स्कूली छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन भी किया।

विदित रहे कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम गीत अक्षय नवमी. जो वर्ष 1875 में 07 नवम्बर लिखा था। इस गीत को देश आजाद होने पर राष्ट्रीय गीत घोषित कर दिया। आजादी के दौरान इस गीत ने अंग्रेजों की नींद हराम कर दी थी। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान यह गीत भारतीय एकता की पहचान बन गया था। तब से लेकर आज तक यह गीत देश के प्रति गर्व, प्रेम, और समर्पण की याद दिलाता आ रहा है। इस गीत के माध्यम से हर भारतीय के दिल में उत्साह और देशभक्ति की प्रेरणा जगा रहा है।

● स्कूली छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन भी किया

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL RMCH BAREILLY Excellence towards profession
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये
डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त
डिलीवरी मुफ्त
भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त
भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/- में
भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर
रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें

इम्पैनल्मेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)
1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4 - सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सविसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गर्वमेन्ट हैल्थ स्कीम

इम्पैनल्मेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)
1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.
*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply
हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145
इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में
एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल *TMC

# पुलिसकर्मियों ने रक्तदान कर किया जागरूक

रक्तदान के बाद प्रमाण पत्रों के साथ मौजूद पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार :** पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन और जिला अस्पताल की ओर से रिजर्व पुलिस लाइन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया गया।

एसएसपी ने जागरूक करते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। एसएसपी ने कहा कि रक्तदान शिविर का उद्देश्य जागरूक करते हुए ज्यादा से ज्यादा रक्तदाताओं का पंजीकरण करके स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना होता है। इसका लक्ष्य जरूरतमंदों, जैसे गर्भवती माताओं, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों, एचआईवी, हीमोफीलिया व थैलीसीमिया रोग से ग्रसित बच्चों को समय पर बिना किसी प्रतिस्थापन के रक्त या रक्त उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। जिला चिकित्सालय मेडिकल ऑफिसर, ब्लड बैंक के फार्मासिस्ट, टेक्नीशियन मृत्युंजय चौधरी व आशा रानी, काउंसलर कीर्ति शर्मा, ब्लड बैंक के पीआरओ मनोज कुमार ने रक्तदान में सहयोग किया।

### गिरफ्तारी न होने पर उपवास करेंगे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

**बदायूं, अमृत विचार :** उसावां कस्बा के वार्ड चार निवासी अरवेश यादव की शाहजहांपुर के थाना परौर क्षेत्र में हत्या कर दी गई थी। हत्या के तीन दिनों के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंतिम संस्कार में शामिल हुए। कहा कि अगर दो दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वह उपवास करेंगे। उन्होंने मृतक के बच्चे और परिजनों से मिलकर सांत्वना व्यक्त की।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र अजरूद्दीन उर्फ नौशीद को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा।
इस्लामुद्दीन पुत्र स्व. कुतुबुद्दीन नि. मो. तबेला कस्बा खीरी जिला खीरी

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● लाइब्रेरियन (अनुभवी)
● लैब टेक्निशियन (अनुभवी)
● ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
● नर्सिंग स्टाफ (मेल)
● कैंटीन (कुक)
● सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतन:- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309, 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।



बाबा इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय गीत गाती छात्राएं। ● अमृत विचार

## राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर की विशेष प्रार्थना सभा

संवाददाता, बिल्सी

**अमृत विचार :** बाबा इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से हुआ। जैसे ही विद्यालय परिसर में वंदे मातरम् की स्वर लहरियां गूंजा, वातावरण देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा।

इसके पश्चात शिक्षकों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रगीत के इतिहास, रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, तथा इसके भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने गर्व के साथ राष्ट्रीय के महत्व को समझा। विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय एवं प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति असीम प्रेम, निष्ठा और बलिदान का प्रतीक है। 7 नवम्बर से 14 नवम्बर तक विद्यालय में देशभक्ति सप्ताह के रूप में विशेष उत्सव मनाया जाएगा, अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

## राजकीय पॉलिटेक्निक का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

**संवाददाता, बिल्सी,अमृत विचार :** आईजीसीएमएस द्वारा संचालित राजकीय पॉलिटेक्निक बिल्सी में निरीक्षण के दौरान कॉलेज की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, अनुशासित वातावरण और तकनीकी विकास की सभी ने सराहना की। निरीक्षण के लिए पहुंचे चेयरमैन डॉ. सौरभ सिंघल, एडमिन हेड निशा तंवर, ऑपरेशन डायरेक्टर संजीव प्रजापति और शिवानी सिंह (असिस्टेंट एडमिन हेड) ने पूरे परिसर का भ्रमण किया और शिक्षकों एवं स्टाफ से बातचीत की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कॉलेज की साफ-सफाई, व्यवस्था क्लास रूम और अनुशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक में शिक्षा और तकनीकी विकास के क्षेत्र में एक आदर्श उदाहरण बन चुका है। कॉलेज की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को देखकर सभी अधिकारी प्रभावित हुए। प्रोग्राम मैनेजर मुराद आलम, लेक्चरर धर्मेंद्र पाल, लेक्चरर आकाश पटेल, अंश चौहान, राहुल, विजय, विक्रम और सलोनी सहित कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा।



राजकीय पॉलिटेक्निक का निरीक्षण करते चेयरमैन।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,8 नवंबर 2025



## न्यूज ब्रीफ

### निर्माणाधीन महिला पीएसी बटालियन का किया निरीक्षण

**बदायूं, अमृत विचार :** जिलाधिकारी अवनीश राय ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ सैजनी में बनाए जा रहे महिला पीएसी बटालियन के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि ने बताया कि अनावासीय भवनों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। आवासीय भवनों का निर्माण अगस्त-सितंबर 2026 तक कार्य पूर्ण कर हस्तांतरित कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ दातागंज तहसील के सैजनी में निर्माणाधीन महिला पीएसी बटालियन के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। डीएम ने नक्शे का अवलोकन कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। अनावासीय भवनों का निर्माण पूर्ण हो गया है। आवासीय भवनों के लिए रिटैंडरिंग करीब 176 करोड़ रुपए की हुई है। आवासीय भवनों की कुल लागत करीब 267 करोड़ रुपए की है। आवासीय भवनों का 42 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, कार्यदायी संस्था यूनिक इंफ्रा के डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज कुमार शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

### 10 नवंबर को होगा चयनित मतदेय स्थलों का प्रकाशन

**बदायूं, अमृत विचार :** जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने शुक्रवार को मतदेय स्थल के सम्भाजन के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की गई, । जिसमें भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विस्तृत कार्ययोजना तय की गई। डीएम ने राजनीतिक दलों को बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गई समय सारणी के अनुसार कि 29 अक्टूबर से 04 नवम्बर तक मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन किया गया। नए मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिन्हांकन तथा 06 व 07 नवम्बर को किया गया। अब आपत्तियां मांगी जा रही हैं। इनका निस्तारण करने के बाद मतदेय स्थलों की सूची का दस नवंबर को प्रकाशन किया जाएगा। 18 नवम्बर को वर्तमान संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से सुझाव मांगे जाएंगे। 19 से 21 नवम्बर तक मतदेय स्थलों का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। 24 नवम्बर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा संबंधित प्रस्ताव आयोग को भेजे जाएंगे।

# दुकानों पर उपस्थित रहकर खाद का वितरण कराएंगे अधिकारी

## भरपूर खाद होने के बाद भी किसानों को करनी पड़ रही मारा मारी, हो रहे हंगामे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शासन ने कृषि अधिकारियों को खाद वितरण कराने के दिए आदेश
- 22626 मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य, स्टॉक में है 58143 एमटी खाद

**अमृत विचार :** रबी सीजन में गेहूं व आलू के साथ अन्य फसलों की बुवाई का काम चल रहा है। बुवाई के दौरान किसानों को यूरिया और डीएपी की मांग बढ़ गई है। किसान समितियों पर पहुंच रहा है। लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। जबकि कृषि विभाग खाद की भरपूर उपलब्धता होने का दावा कर रहे हैं। किसानों को खाद न मिलने की शिकायत शासन पर पर भी पहुंच रही हैं। शासन ने कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि वह अपनी निगरानी में खाद का वितरण कराएं। जिससे किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पर पाए। शासन से मिले आदेश पर अधिकारियों ने समितियों का निरीक्षण करना शुरू कर दिया है।

कृषि विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो रबी सीजन में 156631 मीट्रिक खाद का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 60577 मीट्रिक टन खाद का वितरण हो चुका है। अक्टूबर माह के दौरान 29717 खाद का वितरण किया गया। कृषि अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर माह के दौरान 7519 मीट्रिक टन यूरिया, 966 मीट्रिक टन डीएपी, 3997 मीट्रिक टन एनपीके, 3870 मीट्रिक टन एमओपी और 4670 मीट्रिक टन एसएसपी का वितरण कराया गया है। स्टॉक में 59871 मीट्रिक टन खाद रखी है। जिसमें 34070 मीट्रिक यूरिया, 9140 मीट्रिक टन डीएपी, 8219 एनपीके,3624 एनओपी तथा 4794 एसएसपी रखी हुई है। सहकारी समितियों के अलावा निजी दुकानों पर भी खाद की उपलब्धता है। इसके बाद भी किसान समितियों पर खाद के लिए भटक रहे हैं। जिसकी शिकायत शासन स्तर पर पहुंच रही हैं। समितियों पर खाद के लिए लंबी लाइन लग रही हैं। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए शासन की ओर से कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारी संयुक्त रुप से टीमें बनाकर समितियों का निरीक्षण करें। अपनी उपस्थिति में खाद का वितरण कराएं। शासन से मिले पत्र के बाद अधिकारियों ने टीमों का गठन किया है। यह टीमें अपनी निगरानी में खाद का वितरण कराएंगी।

### 50 से अधिक दुकानों पर कृषि अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बदायूं, अमृत विचार : कृषि अधिकारी द्वारा खाद बीज की दुकानों का सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान उनके द्वारा खाद, बीज और पेस्टीसाइड के सौ से अधिक सैंपल लिए गए। इन सभी सैंपल को जांच के लिए भेजा गया है। कृषि अधिकारी ने बताया कि अलग अलग तिथियों में उनके द्वारा खाद बीज की दुकानों का सत्यापन किया गया। सहसवान तहसील की 15, बिल्सी में 12, बिसौली में 30, दातागंज में 15 और बदायूं तहसील में 10 दुकानों का सत्यापन किया गया। इन दुकानों से 42 खाद और 40 बीज के सैंपल लिए गए। तथा 18 सैंपल पेस्टिसाइड के लिए लिए गए। लिए गए सैंपल को जांच के लिए भेजा है। सत्यापन के दौरान एक दर्जन से अधिक दुकानें बंद मिलीं। उन्हें नोटिस जारी किया गया है।

> यूरिया और डीएपी की भरपूर उपलब्धता है। सभी समितियों पर खाद पहुंचाई जा रही है। जिस स्थान पर खाद को लेकर शिकायत आती है। वहां पहुंचकर खाद का वितरण कराया जा रहा है। - **मनोज रावत**, जिला कृषि अधिकारी

## रोटावेटर से कटकर इंटर के छात्र की मौत

**उसहैत,अमृत विचार :** थाना उसहैत क्षेत्र के गांव टिकाई पुख्ता के मजरा चेतराम नगला में ट्रैक्टर के रोटावेटर में फंसकर युवक की मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने खेत के मालिक पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

गांव निवासी राजवीर का बेटा ज्ञान सिंह (20) इंटरमीडिएट का छात्र था। उनके परिजनों के अनुसार गांव निवासी दो लोग ज्ञान सिंह को गेंहू की बुवाई के बाद खेत की जुताई के लिए ट्रैक्टर व रोटावेटर के साथ ले गए थे। कुछ देर के बाद सूचना मिली कि ज्ञान सिंह की रोटावेटर में फंसकर मौत हो गई। परिजन मौके पर पहुंचे। खेत के मालिक पर हत्या करने का आरोप लगाया। राजवीर ने बताया कि एक साल पहले तक यह खेत उनका था लेकिन वह खेत पैमाइश में उनसे चला गया था। जिसके विवाद में उनके बेटे की हत्या की गई है। परिजनों ने कार्रवाई होने तक शव न उठने देने की जिद की। प्रभारी निरीक्षक अजय पाल ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। मृतक के पिता की तहरीर पर शिवम और भगवान सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

## घंटों इंतजार के बाद भी डीएपी नहीं मिलने पर लौटे किसान

समिति के बाहर लाइन लगाकर बैठे किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, विजय नगला

- सुबह से दोपहर 12 बजे तक किया इंतजार, सचिव का मोबाइल नंबर निकला बंद

**अमृत विचार :** फसल में लगाने के लिए डीएपी प्राप्त करने में किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरखेड़ा की सरकारी समिति पर किसान सुबह से पहुंचे लेकिन सचिव ने डीएपी वितरित नहीं की तो मायूस होकर वापस लौट गए।

आलू और लाहटा की बुवाई शुरू हो गई है। गेहूं की बुवाई शुरू होने वाली है। किसान डीएपी खाद को लेकर बेहद परेशान हैं। किसान खाद समितियों पर सुबह ही पहुंच जाते हैं लेकिन पूरा दिन लाइन में लगने के बाद उनको खाद नसीब नहीं हो पा रही है। सहकारी समिति बरखेड़ा क्षेत्र में दो दर्जन से ज्यादा गांव हैं। शुक्रवार को दर्जनों से महिला व पुरुष किसान सुबह छह बजे समिति पर पहुंच गए और समिति के कर्मचारियों का इंतजार करने लगे। दोपहर 12 बजे तक कर्मचारियों के न आने पर सचिव को फोन करके जानकारी लेनी चाही लेकिन उनका मोबाइल नंबर बंद था। किसानों का आरोप है कि सचिव अपने चहेतों को ही डीएपी दे रहे हैं। एआर कोऑपरेटिव एआर मुन्नालाल ने बताया कि किसानों को खाद का वितरण कराया जाएगा। सचिव से जानकारी की जाएगी।

## खोए 355 बच्चों को परिजनों से मिलाया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मेला में खोए बच्चे के साथ मौजूद स्काउट के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- मेला ककोड़ा में स्काउट ने लगाया गया था खोया पाया शिविर

**अमृत विचार :** भारत स्काउट गाइड संस्था की ओर से मेला ककोड़ा में खोया पाया समाजसेवा शिविर लगा। शिविर ने मानवता और सेवाभाव की मिसाल पेश की। मेले की समाप्ति के साथ ही स्काउट दल अपनी ड्यूटी पूरी कर लौट आया। इस दौरान स्काउट टीम ने 355 खोए हुए बच्चों और बुजुर्गों को उनके परिजनों से मिलाकर हजारों परिवारों के चेहरों पर खुशियां लौटा दीं।

संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला मुख्यायुक्त अधिवक्ता महेश चंद्र सक्सेना ने कहा कि निस्वार्थ सेवा से ही सच्चे देशभक्त और क्रांतिकारी बनते है। स्काउट बच्चों ने अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना से जो कार्य किया है, वह अनुकरणीय है। जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार, डीटीसी सत्यपाल गुप्ता और जिला स्काउट प्रशिक्षण अधिकारी नंदराम शाक्य के मार्गदर्शन में स्काउट दल ने मेले में 24 घंटे सेवा कार्य किया। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि स्काउट की ड्यूटी मेले के मुख्य मार्ग, गंगा तट, पूर्वी व पश्चिमी छोर, कोतवाली परिसर, बरेली मेला, कुर्मियान मेला, मीना बाजार तथा रोडवेज बस स्टैंड क्षेत्र में लगाई गई थी। स्काउट सदस्यों ने मेले में स्वच्छता, सुरक्षा और सावधानी को लेकर माइक से लगातार श्रद्धालुओं को जागरूक किया। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सुरेश बाबू शाक्य, अनार सिंह शाक्य, राजकुमार, शिव कुमार, मोहम्मद हसन और रवि प्रताप सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्काउट दल ने कैंपफायर कार्यक्रम के दौरान बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, पेड़ लगाओ जीवन बचाओ, नशा नाश की जड़, हम अपने गांव को स्वर्ग बनाएंगे जैसे संदेशों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें श्रद्धालुओं ने सराहा। महीपाल सिंह तोमर, निखिल चौहान, बोधेंद्र राठौर, सत्यवीर सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

## हार्टफुलनेस ध्यान शिविर का हुआ समापन

**बदायूं, अमृत विचार :** मेला ककोड़ा में आयोजित पांच दिवसीय हार्टफुलनेस ध्यान शिविर का समापन हो गया। शिविर में विभिन्न अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ध्यान का अभ्यास किया। कई जनपदों से आए प्रशिक्षकों ने निशुल्क सेवाएं देकर श्रद्धालुओं को ध्यान का अभ्यास कराया। शिविर प्रभारी अवनेश्वर सिंह द्वारा कहा गया कि श्रद्धालुओं द्वारा शिविर में आकर जब ध्यान किया तो उन्होंने अनुभव किया कि तन के स्नान के साथ मन का स्नान भी अत्यंत आवश्यक है।

जोनल कोऑर्डिनेटर अनुज सक्सेना, अशोक कुमार,, अजय, रोहित, अर्चना, संजीव कुमार सिंह, नीरज कुमार, चरन सिंह, सुनील, हिमांशु, नीरज राठौर, संतोष राठौर, ज्योति सिंह, केसरी सिंह, सुरेंद्र, प्रिंसी, नन्दिनी, अवधेश सिंह, मेवाराम, नवीन कुमार, ओमकार सिंह, हरीश आदि का सहयोग रहा।

## ककोड़ा मेला से लौटने लगे कल्पवासी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मेला ककोड़ा से लौटते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** मेला ककोड़ा धाम पर कल्पवास करने के बाद श्रद्धालु तीसरे दिन वापस लौटने लगे हैं। मेला स्थल पर बाजारों में भीड़ बढ़ती जा रही है, जबकि टेंट और तंबू उखाड़ कर लोग अपने घरों को लौटने लगे हैं। आज मेले से लौटने वालों की रोड पर लाइन लगी रही जिससे शहर में कई जगह पर जाम जैसी स्थिति बनी रही।

शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान करने के बाद अपने डेरा तंबू उखाड़ने शुरू कर दिए। अपना सामान अपने ट्रेक्टर ट्रालियों में भर कर अगले साल फिर आने की गंगा मैया से दुआ मंगी। गंगा मैया के जयघोष से गंगा तट गूंज उठा। सुबह से ही कल्पवासी अपने घरों को लौटने लगे। जिससे मेला स्थल से शहर तक रोड पर जाम जैसी स्थिति बनी रही। मेला से आने वालों वाहनों से लालपुल से पुलिस लाइन तक जाम जैसी स्थिति बनी रही। पुलिस ने जाम को किसी तरह खुलवा कर वाहनों को पास कराया। मेला धाम से लौटे गुलड़िया के श्रद्धालुओं ने बताया कि इस बार मेला स्थल पर तीन दिन तक ही रहे। 50 प्रतिशत श्रद्धालु अपने घरों को लौट चुके हैं। रात भर वाहन रोड से गुजरेंगे। कादरचौक से शेखूपुर तक पुलिस की गश्त कराई गई जिससे वाहनों को रोड पर किसी तरह की दिक्कत न हो। मुख्य रूप से मीना बाजार में भीड़ बढ़ने लगी है। मीना बाजार से लेकर कपड़ा बाजार में भी खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ रही है। रात को भी श्रद्धालु जमकर खरीदारी कर रहे हैं। मेला स्थल पर जगह जगह गंदगी दिखाई दे रही है। साफ सफाई करने को लगाए गए सफाई कर्मचारी कहीं नहीं दिख रहे हैं। मीना बाजार और गंगा तट पर जगह जगह गंदगी के ढेर लगे हैं। लकड़ी का सामान बेचने वालों का कहना है कि इधर सफाई कर्मचारी आते ही नहीं है। दुकानदार स्वयं साफ सफाई करते हैं। जहां पर कूड़ा डाला गया है वहां कई दिनो से नहीं उठाया गया है। जिससे गंदगी के ढेर लग रहे हैं।

## सिर पर वार करके पति ने ली जान

**पीलीभीत, अमृत विचार :** मामूली कहासुनी में एक पति ने पत्नी की हत्या कर दी। उसके सिर पर लकड़ी के पटले से वार कर दिया और अस्पताल ले जाते वक्त महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच में जुट गई है। घटना के चलते मौके पर भीड़ लगी रही। कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम कढेरचौरा की रहने वाली अनीता देवी (32) पत्नी रामबहादुर का शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे किसी बात को लेकर पति से विवाद हो गया। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। बताते हैं कि उस वक्त बेटी करिश्मा घर पर थी, जबकि बेटा शिवा स्कूल गया हुआ था। आरोप है कि गुस्साए पति ने घर में रखा लकड़ी का पटला उठाकर पत्नी के सिर में मार दिया। जिसमें अनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए।

## अभियान चलाकर बुलडोजर से तोड़ा अतिक्रमण

संवाददाता, सहसवान

- राजमार्ग पर लगता था जाम एसडीएम के निर्देश पर चला अभियान

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मौजूद लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने सहसवान के अकबराबाद चौराहे अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान बुलडोजर की गर्जना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। दुकानदार अपना सामान खुद ही समेटने लगे। टीम ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी है कि अगर दोबारा से अतिक्रमण किया तो सामान जब्त किया जाएगा।

अकबराबाद चौराहा बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर स्थित है। यहां अक्सर भारी जाम की स्थिति बनी रहती थी। कई बार तो यहां से गुजरने वाली एंबुलेंस भी ट्रैफिक में फंस जाती थी। जिससे प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थी। उपजिलाधिकारी सहसवान साई आश्रित शाखमुरी ने अधिशासी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार और नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम गठित की। निर्देश दिया कि नगर में जहां-जहां जाम की समस्या बनी रहती है, वहां तुरंत अतिक्रमण हटाया जाए। टीम ने मौके पर पहुंचकर नगर पालिका कर्मियों के साथ बुलडोजर से अतिक्रमण हटवाया। इस दौरान पुलिस बल की तैनाती भी की गई ताकि कोई अव्यवस्था न हो। नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार ने बताया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। नगर में किसी भी व्यक्ति को अवैध कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं अधिशासी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि नगर में नाले, नालियां और फुटपाथ अतिक्रमण की चपेट में हैं। जिससे राहगीरों को परेशानी होती है। लगातार अभियान चलाकर सभी जगह से अतिक्रमण हटाया जाएगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।अभियान के दौरान स्थानीय लोगों में हलचल देखी गई, जबकि कई व्यापारियों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत भी किया।


### सार्वजनिक सूचना

मेरे पक्षकार श्रीराम फाइनेन्स लिमिटेड बरेली द्वारा महजबी बेगम पत्नी वकील अहमद निवासी मो. अंसारी फतेहगंज पश्चिमी बरेली को ऋण सम्पत्ति पर दिया जा रहा है। संपत्ति स्थित वाकै ग्राम स्वाले नगर नवदिया परगना तहसील बरेली। बैनामा श्रीमती सादिया परवीन पत्नी श्री शरीफ अली विक्रेता/क्रेता महजबी बेगम पत्नी श्री कफील अहमद श्री क्रेता/विक्रेता सादिया परवीन पत्नी श्री शरीफ अली जिसकी रजिस्ट्री नं. 1076 दिनांक 22.02.2017 बही नं. 1 जिल्द संख्या 9134 पृष्ठ 1 से 30 है हदूद पूर्व में रास्ता 18 फिट चौड़ा, पश्चिम में प्लाट नं. 56 खरीदकर्ता रेशमा रहमान, उत्तर में प्लाट नं. 53 व 54, दक्षिण में प्लाट नं. 51 खरीदकर्ता मुर्शरफ हुसैन क्रय पत्र 25.10.2025 में कहीं खो गया है। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिनांक 7.11.2025 थाना फतेहगंज पश्चिमी में करा दी गई है। किसी को यह विक्रय पत्र मिले या किसी बैंक में रखे हो तो 7 दिन के भीतर सूचित करें।

**संजीव कुमार एडवोकेट**
**चैम्बर नियम बंगलिया बिल्डिंग, बरेली।**
**मो.नं. 9412149165**

### कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक: मैमो/न.पं.गु.भि./2025-26 दिनांक: 06.11.2025

**नोटिस**
**(अन्तर्गत धारा-143, नगर पालिका अधिनियम 1916)**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरण के अनुसार कॉलम-04 में अंकित व्यक्ति के द्वारा किये गये रजिस्टर्ड दानपात्र के द्वारा हस्तांतरण के आधार पर कॉलम-05 में उल्लेखित व्यक्ति ने अपना नाम गृहकर पंजिका में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है, यदि कॉलम संख्या-05 में अंकित व्यक्ति अपने नाम को गृहकर पंजिका में अंकित किये जाने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 01 माह के अन्दर नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा में लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। उल्लिखित समय-सीमा के अनदर किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में प्रस्तावित नाम को नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा के गृहकर रजिस्टर में गृहकर वसूली के उद्देश्य से दर्ज कर लिया जायेगा।

| क्र. | सम्पत्ति का विवरण | हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित सम्पत्ति का वार्ड का नाम व पता | रजिस्टर्ड बैनामाकर्ता वसीयतनामाकर्ता/ दानकर्ता का नाम व पता | प्रस्तावित व्यक्ति का नाम जो उस व्यक्ति को गृहकर हेतु दर्ज किय जाना | हस्तांतरण का आधार |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 |
| | गाटा सं.- 138 मि. रकवा- 120.45 वर्गमी. | वार्ड नं0-02, नगर पंचायत गुलडिया भिण्डारा तहसील- अमरिया जिला-पीलीभीत | श्रीमती पूनम रानी पत्नी स्व. श्री अशोक कुमार नि.- गुलड़िया भिण्डारा डाकखाना- मझोला तहसील- अमरिया जिला- पीलीभीत | श्री विशाल कुमार पुत्र स्व. श्री अशोक कुमार नि.- गुलड़िया भिण्डारा डाकखाना-मझोला तहसील-अमरिया जिल-पीलीभीत | रजिस्टर्ड दानानामा |

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा**
**पीलीभीत**

**अध्यक्ष**
**नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा**
**पीलीभीत**

### कार्यालय ग्राम पंचायत बाजपेई वि.खं. लखीमपुर -खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025- 26

**अति अल्पकालीन निविदा सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बाजपेई में वर्ष 2025-26 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजी त हो,से मोहर बंद निविदा दिनांक 08.11.2025 से 15.11.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत बाजपेई के पंचायत कार्यालय के निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है, प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 15.11.2025 अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी।

| क्र. | कार्य का नाम | प्राक्कलन की अनुमानित लागत |
|---|---|---|
| 1 | श्रीचन्द्र के मकान से फुद्दी के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य। | 9,98,290.00 |
| 2 | शनि देव के मंदिर से राम लखन के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य | 9,58,150.00 |

**कौशल किशोर वर्मा (प्रधान)** **प्रजोत कुमार (सचिव)**

### वअदालत श्रीमान परगनाधिकारी महोदय, मुकाम पूरनपुर-पीलीभीत

मु.नं.- टी202512560305448
फूलमती आदि बनाम हजारी आदि
धारा-24 उ.प्र. राजस्व संहिता-2006
ग्राम- गैरतपुर जप्ती, पर. तह. पूरनपुर
जिला पीलीभीत

बनाम प्रतिवादी:- 1. हजारी पुत्र स्व. रूपन नि.ग्राम सुआबोझ पर.तह. पूरनपुर- पीलीभीत 2. रामचरन पुत्र जवाहर नि. ग्राम गैरतपुर जप्ती पर.तह. पूरनपुर-पीलीभीत 3. रामरतन पुत्र दुर्गा प्रसाद नि. ग्राम गैरतपुर जप्ती तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत 4. हरीशंकर पुत्र दुर्गा प्रसाद नि. ग्राम गैरतपुर जप्ती पर. तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत 5. फूलचन्द पुत्र जोधा नि. ग्राम सुआबोझ पर.तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत 6. गांव सभा द्वारा ग्राम प्रधान, ग्राम पं. गैरतपुर जप्ती पर.तह. पूरनपुर-पीलीभीत

वाजे हो कि आपके खिलाफ नालिश दफा 24 उ.प्र. राजस्व संहिता दायर की हैं आप व तारीख 17.11.2025 को वक्क्त 10 बजे दिन असालतन या अन्य कोई शख्स वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त तारीख पर अपनी जवाबदेही पेश करें यह लाजिम है कि उसी दिन अपने जुमला गवाहों की व जो दस्तावेज जिसकी शहादत पर आप व ताईद अपना जवाब व इस्तदवाल करना चाहते हो पेश करो अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी गैर हाजिरी में आपके मसमूअ फैसला होगा। दिनांक 06 माह 11 सन् 2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

आदेशानुसार
श्रीमान परगनाधिकारी महोदय,
मुकाम पूरनपुर-पीलीभीत

### कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, पी0एम0जी0एस0वाई0 वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पता : 108, सिविल लाईन्स बरेली

पत्रांक सं0 :4774/यू0पी0 63/12आर (प्र0प0)/2025 दिनांक : 03.11.2025

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

निविदा सूचना शुद्धि पत्र पीरियाडिक रिन्यूवल कार्यों के लिए

अधीक्षण अभियन्ता, पी0एम0जी0एस0वाई0 वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के पूर्व निविदा सूचना संख्या-4523/यू0पी0 63/12आर0(प्र0प0)/25 दिनांक 14.10.2025 में निर्धारित निविदा प्रक्रिया की तिथियों को अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है-

1- ऑनलाइन आमंत्रण (Invitation for Bids) जारी होने की तिथि: 22.11.2025 दोपहर 12:00 बजे से
2- प्री-बिड बैठक की तिथि एवं समय: 28.11.2025 अपराह्न 03:00 बजे (ऑनलाइन)
3- निविदा वेबसाइट पर बोली प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि एवं समय: 01.12.2025 दोपहर 12:00 बजे से
4- निविदा दस्तावेज की उपलब्धता एवं प्रस्तुत करने का माध्यम: निविदा दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध है तथा इसे केवल वेबसाइट www.pmgsytendersup.gov.in पर ऑनलाइन माध्यम से ही प्रस्तुत किया जाएगा।
5- ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय: 31.12.2025 दोपहर 12:00 बजे तक
6- तकनीकी निविदाओं के खोलने की तिथि एवं समय (Through e-Procurement): 31.12.2025 दोपहर 01:30 बजे
7- निविदाकर्ता का पंजीकरण: निविदाकर्ता को उपर्युक्त वेबसाइट पर *निःशुल्क पंजीकरण* कराना आवश्यक है।
8- डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र (DSC): निविदा प्रस्तुत करने हेतु निविदाकर्ता के पास किसी *प्रमाणित प्राधिकरण (Certifying Authority)* द्वारा जारी वैध *डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र* होना अनिवार्य है।
9- एडेंडम/कोरिजेंडम जारी करने का अधिकार: नियोजक (Employer) को *आई.टी.बी. धारा-10* के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से *एडेंडम/कोरिजेंडम* जारी करने का पूर्ण अधिकार होगा। यह किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। अतः सभी संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट www.pmgsytendersup.gov.in निविदा की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

रथिन सिन्हा
अधिशासी अभियन्ता
नि0ख0-2(प्र0प0) लो0नि0वि0
शाहजहाँपुर

(मेघ प्रकाश)
अधीक्षण अभियन्ता,
पीएमजीएसवाई वृत्त, लो0नि0वि0,
बरेली

UP - 239950 **दिनांक:** 06/11/2025
**विज्ञापन वेबसाइट** www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

### कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

**अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना**

पत्रांक : 269/मु.अभि./नि.वि./2025-26 दिनांक 07.11.25

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं.-3890/नौ -5 -149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के अनुपालन में ठेकेदारों से निर्माण कार्यों हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई - प्रक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की बेवसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

**अस्थायी शैल्टर होम हेतु पुनः ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं.-01 से 04 तक)**

| | |
|---|---|
| ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय | 10.11.2025 - (03:00 PM) |
| ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय | 10.11.2025 - (04:00 PM) |
| ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय | 17.11.2025 - (03:00 PM) |
| ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय | 17.11.2025 - (04:00 PM) |
| फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु | After Technical Evaluation |

कार्यो का विवरण, नियम व शर्तें नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

**मुख्य अभियन्ता**
**नगर निगम, बरेली**


## स्टेडियम टीम ने 3-1 से जीता हॉकी मैच

**बदायूं, अमृत विचार:** भारतीय हॉकी खेल के शताब्दी वर्ष के अवसर पर गुरुवार को स्पोर्टस स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हॉकी प्रतियोगिता बालक और बालिका वर्गों के बीच खेली गई। बालिका वर्ग में समग्र विकास संस्थान की टीम को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की गई। प्रतियोगिता का आरंभ समग्र विकास संस्थान के संस्थापक राजकुमार और जिला हॉकी के जिलाध्यक्ष नीरज कुमार शर्मा के द्वारा किया गया। बालक वर्ग में पहला सेमीफाइनल मैच स्टेडियम और मदर एथीना स्कूल की टीम के बीच गया जिसमें। जिसमें स्टेडियम की टीम ने 4-0 से जीत दर्ज की। बालिका वर्ग में पहला-सेमीफाइनल मैच स्टेडियम की टीम और उच्च माध्यमिक विद्यालय बहेड़ी के बीच खेला गया। जिसमें स्टेडियम की टीम ने जीत हासिल की। प्रतियोगिता के दौरान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष इकबाल, अमित रिछारिया क्रीडाधिकारी, नाजिया बेगम उप क्रीड़ा अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## तौकीर रजा की जमानत अर्जी सेशन कोर्ट ने की खारिज

**विधि संवाददाता, बरेली:** 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद शहर में हुए बवाल, पुलिस पर जानलेवा हमले के मामले में शुक्रवार को आईएमसी मुखिया मौलाना तौकीर रजा की जमानत अर्जी अपर सत्र न्यायाधीश अमृता शुक्ला ने खारिज कर दी। इस मामले में कोतवाली, किला, बारादरी थानों में तकरीबन 12 मुकदमे दर्ज हुए थे।

## निदा खान को जेल से धमकी दे रहा मोईन, कोर्ट से सुरक्षा की गुहार

**बरेली, अमृत विचार :** समाजसेविका और आला हजरत खानदान की बहू निदा खान के विरुद्ध वर्ष 2022 में फतवा जारी करने के आरोपी मोईन सिद्दीकी जेल से निदा को मुकदमे की पैरवी करने पर जान से मरवाने की धमकी दिलवा रहा है। वह अभी 26 सितंबर को हुए बवाल मामले में जेल में बंद है। इस केस में निदा खान ने अपने वकील के जरिये सिविल कोर्ट में अर्जी देकर सुरक्षा का आदेश देने व पत्रावली के शीघ्र निस्तारण की गुहार लगाई है।निदा खान के वकील भूपेन्द्र भड़ाना ने बताया कि उनकी मुवक्किल समाजसेविका हैं।

## नियमों के पालन करने की दिलाई शपथ, निकाली रैली

जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

**कार्यालय संवाददाता, बदायूं**

**अमृत विचार :** यातायात माह का शुक्रवार को आरंभ हो गया। यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने यातायात जागरुकता रैली को रवाना किया। रैली भामाशाह चौक, इंद्राचौक, दातागंज तिराहा होकर गुजरी और पुलिस लाइन आकर समाप्त हुई।

रिजर्व पुलिस लाइन में यातायात जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि एसएसपी ने कार्यक्रम में शामिल हुए ऑटो, ई-रिक्शा चालक और पुलिस मॉर्डन स्कूल व राजकीय इंटर कॉलेज के विद्यार्थी व अन्य व्यक्तियों को यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। सभी से यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाएं। वाहनों को तेज गति और नशे में नहीं चलाना चाहिए। सड़क पर हमेशा बांई साइड ही चलें। सड़क पार करते समय दाएं और बाएं दोनों ओर देखें। बाइक पर स्टंट न करें। प्रेशर हॉर्न का प्रयोग नहीं करना चाहिए। एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसपी ग्रामीण डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ यातायात अशोक कुमार, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय, सीओ लाइन व उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार, यातायात प्रभारी निरीक्षक रामलड़ैते आदि उपस्थित रहे।

## बिजली का खंभा हटवाने के लिए मांगे रुपये अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष से अभद्रता

**कार्यालय संवाददाता, बदायूं**

- **पीड़ित का आरोप, जाति पूछकर उनके साथ की गई धक्का-मुक्की**

**अमृत विचार :** बिजली का खंभा हटवाने की मांग पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष से रुपयों की मांग की गई। रुपये ऑनलाइन देने की बात पर उनके साथ अभद्रता हुई। पीड़ित ने शिकायत पत्र भेजकर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव निरंजनपुर निवासी भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष महीपाल सिंह सागर पुत्र दुलार सिंह ने अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग को शिकायत पत्र भेजा है। उन्होंने बताया कि उनके भतीजे शशांक गौतम पुत्र ओमकार सिंह ने मोहल्ला मीरा सराय में एक प्लाट खरीदा था। प्लाट के सामने बिजली का खंभा लगा है। महीपाल सिंह प्लाट पर निर्माण कार्य करा रहे हैं। हादसे के डर से उन्होंने विद्युत वितरण खंड प्रथम के कार्यवाहक अधिशासी अभियंता के कार्यालय जाकर प्रार्थना पत्र दिया। आरोप है कि उनसे खर्चा पानी मांगा गया।

महीपाल सिंह ने नगद रुपये न होने और ऑनलाइन स्थानांतरित करने की बात कही। इस पर वह भड़क गए और जाति पूछी। महीपाल सिंह ने एससी का होने के बारे में बताया तो रुपये मांगने वाले व्यक्ति ने हाथ पकड़ लिया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। गाली-गलौज करके धक्का मारकर कार्यालय से बाहर निकाल दिया। घटना से उन्हें आघात पहुंचा है।

## बाट-माप अधिकारी को निरीक्षण में मिली अनियमितताएं

हिंडोर गन्ना सेंटर का निरीक्षण करते बाट माप अधिकारी। ● अमृत विचार

**कार्यालय संवाददाता, बदायूं**

- **नौ गन्ना सेंटरों का किया निरीक्षण, अनियमितताओं में सुधार के निर्देश**

**अमृत विचार:** बाट माप अधिकारी ने तीन चीनी मिल के द्वारा स्थापित किए गए गन्ना खरीद सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सेंटरों पर अधिकारी को अनियमितताएं मिली। उनमें सुधार के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं मिलती है तो सख्त कार्रवाई कर दी जाएगी। बाट माप अधिकारी विवेक पांडेय ने रजपुरा, द्वारकेश और राणा शुगर मिल के गन्ना सेंटरों का निरीक्षण किया। बाट माप अधिकारी ने शाहपुर तहीपुर खेडा, हिंडोर अगई सहित नौ गन्ना सेटरों का निरीक्षण किया। हिंडोर स्थित सेंटर पर लगे कांटे को परखने के दौरान व्यवस्थाएं ठीक नहीं थी। ऐसी ही स्थित अगेई कांटे पर मिली। जिस पर बाट माप अधिकारी के द्वारा सुधार के आदेश दिए। इसके अलावा बाट माप अधिकारी ने सेंटरों पर बिजली, पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था करने के आदेश दिए।

## कबड्डी में बदायूं की टीम बनी चैंपियन

**कार्यालय संवाददाता, बदायूं**

**अमृत विचार :** शिव देवी सरस्वती शिशु मंदिर की कबड्डी की टीम ने शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश द्वारा आयोजित सरस्वती शिशु मंदिर सिकंदराराऊ (हाथरस) में संपन्न हुए 37वें प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से टीम ने चैंपियनशिप भी अपने नाम कर ली। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी की माहौल है। विद्या भारती शिशु शिक्षा समिति, ब्रज प्रदेश द्वारा प्रांत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं सिकंदरा राव (हाथरस) में आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय विद्यालय शिव देवी सरस्वती शिशु मंदिर की दो टीम कबड्डी (भैया) एवं खो-खो (बहिनें) ने प्रतिभाग किया था। जिसमें कबड्डी की टीम ने अनेक टीमों को हराकर प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। विद्यालय के व्यवस्थापक नवनीत प्रताप सिंह, अध्यक्ष अमृतपाल सिंह एवं कोषाध्यक्ष राजीव नारायण रायजादा आदि ने खुशी जाहिर की।

## कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 296/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 04.11.2025

**ई-निविदा सूचना**

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना अनुदान संख्या-37 से ब्याज रहित ऋण से प्राप्त धनराशि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में) | बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में | निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी. | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कटियार इलैक्ट्रानिक से राजाबाबू से 5 नवम्बर भट्टी तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 05 | 3055366.00 | 51800.00 | 3650.00 | 3 माह |
| 2 | बाला जी की पुलिया से हरित क्रान्ति पुलिया तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 1, 14 | 2790205.00 | 47300.00 | 3300.00 | 3 माह |
| 3 | कनिष्का मोबाइल सेन्टर से हरित क्रान्ति स्कूल तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 01 व 14 | 3637829.00 | 61700.00 | 4300.00 | 3 माह |
| 4. | एस.आर.एस. पब्लिक स्कूल से प्रदीप से मानप्रकाश एडवोकेट एवं गजेन्द्र गंगवार के मकान से अर्जुन के मकान तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 14 | 3814359.00 | 64700.00 | 4500.00 | 3 माह |
| 5. | शंकर लाल से पिन्कू से ओमपाल एल.आई.सी. वाले से सोमपाल एडवोकेट से राजेन्द्र मास्टर गैरेज और अर्जुन के मकान से सोमपाल के मकान तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 14 | 3961892.00 | 67200.00 | 4700.00 | 3 माह |

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 10.11.25 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 01.12.2025 को अपराहन् 05 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 02.12.2025 को अपराहन 10 बजे ।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)**

**अध्यक्ष**
**नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)**

## कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, ददरौल, शाहजहांपुर

पत्रांक: C-1009/क्षे.पं./2025-26 दिनांक: 27.10.2025

**अल्पकालीन निविदा सूचना**

पंचम/केन्द्र वित्त (टाइड अनटाइड फण्ड) आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यो को कराये जाने हेतु समस्त पंजीकृत ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदायें दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती हैं। जो कि दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के द्वारा गठित कमेटी द्वारा खोली जायेंगी। इच्छुक पंजीकृत निविदादाता जो कि आयकर, वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हों निविदा फार्म निविदा प्रकाशित होने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 14.11.2025 पूर्वान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड ददरौल-शाहजहाँपुर कार्यालय से निविदा फार्म शुल्क रू0 600.00 (छ: सौ रू0) मात्र नकद जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक व समय के उपरांत प्राप्त होने वाली निविदा स्वत: निरस्त मानी जायेगी। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते विकास खण्ड पर निविदा प्रकाशन के उपरांत किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती हैं।

| क्र. | योजना का नाम | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू. में) | निविदा का मूल्य | धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत | कार्य पूर्ण होने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | पंचम राज्य वित्त | ग्राम अख्तयारपुर उर्फ इकनौरा में रमेशचन्द्र के मकान से शिवमन्दिर तक इण्टरलॉकिंग कार्य। | 4.98 | 600 | 10000 | 02 माह |
| 2 | | ग्राम खानपुर में वीरेश के घर से नरवीर सिंह के घर के पास खडंजा तक इण्टरलॉकिंग/ खडंजा व मिट्टी कार्य | 2.22 | 600 | 5000 | 02 माह |
| 3 | | ग्राम खानपुर हकीमपुर में ऋषिपाल के घर से शंकर के घर के पास इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य | 4.77 | 600 | 10000 | 02 माह |
| 4 | | ग्राम पंचायत भुरसण्डी में रमेश के मकान से सियाराम के मकान तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण | 9.99 | 600 | 20000 | 02 माह |
| 1 | केन्द्रीय वित्त (अनटाइड फण्ड) | ग्राम शहबाजनगर बडा मोहल्ला लज्जाराम के मकान से देवस्थान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य | 5.07 | 600 | 10000 | 02 माह |
| 2 | | ग्राम शहबाजनगर में ईदगाह रोड से उसवान के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य | 9.97 | 600 | 20000 | 02 माह |
| 3 | | ग्राम शहबाजनगर में अकरम के मकान से मेन रोड तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य | 4.40 | 600 | 9000 | 02 माह |
| 4 | | ग्राम शाहबाजनगर के अम्बेडकर पार्क में इण्टरलाकिंग कार्य | 5.74 | 600 | 12000 | 02 माह |
| 1 | केन्द्रीय वित्त (टाइड फण्ड) | ग्राम घुसगवां में इशहाक के घर से रामदीन के खेत तक नाला निर्माण कार्य | 9.84 | 600 | 20000 | 02 माह |
| 2 | | न्याय पंचायत ददरौल में चार आर0ओ0 की स्थापना कार्य | 9.43 | 600 | 19000 | 02 माह |
| 3 | | न्याय पंचायत खिरिया हीर में चार आर0ओ0 स्थापना कार्य | 9.43 | 600 | 19000 | 02 माह |
| 4 | | न्याय पंचायत चांदापुर में चार आर0ओ0 की स्थापना कार्य | 9.43 | 600 | 19000 | 02 माह |

मुख्य नियम व शर्ते:-

1.प्रत्येक निविदा के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल-शाहजहाँपुर के पक्ष में बन्धक हो को संलग्न किया जाये।

2.निविदादाता को निविदा के साथ सौ रूपये के स्टाम्प पर स्व घोषणा पत्र/शपथ पत्र संलग्न करना होगा तथा निविदा स्वीकृति उपरान्त स्वयं के व्यय पर सौ रूपये के स्टाम्प पर अनुबन्ध गठित करना होगा व स्टाम्प पर फोटोयुक्त घोषणा पत्र इन शर्तो के साथ की वह किसी भी संस्था ब्लेकलिस्टेड नहीं हुए है ।

3.निविदादाता के किसी भी विवाद का निस्तारण माननीय न्यायलय जनपद शाहजहाँपुर को मान्य होगा।

4.जमानत धनराशि निविदा की 10 प्रतिशत होगी, जो कि निविदा स्वीकृति के उपरान्त धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत को समायोजित करते हुये शेष 8 प्रतिशत को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल के पक्ष में बन्धक कराकर जमा करना होगा।

5.धरोहर धनराशि एवं जमानत धनराशि को नगद व चेक के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

6.पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रेषित की जाने वाली निविदा ही स्वीकार की जायेगी।

7.निविदादाता का विकास खण्ड ददरौल में पंजीकृत होना आवश्यक है अन्यथा की स्थिति में प्राप्त होने वाली निविदा स्वत: निरस्त मानी जायेगी।

8.किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत/निरस्त किये जाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

9.निविदा खोले जाने की तिथि को अवकाश होने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगीं।

10.समस्त कार्य उपलब्ध धनराशि के अनुसार ही कराये जायेंगे। निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त सम्बन्धित मद में धनराशि उपलब्ध होने पर ही कार्य आदेश जारी किये जायेंगे।

**खण्ड विकास अधिकारी**
**ददरौल-शाहजहांपुर**

## कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत

पत्रांक: 1104/7-3 पीलीभीत दिनांक: 07.11.2025

**ई-टेण्डरिंग सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत अन्तर्गत निम्न कार्यो हेतु निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से पी.डब्लू.डी./आर.ई.एस. अथवा अन्य राजकीय विभाग में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से, जो अपेक्षित अर्हतायें रखते हो से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य की निविदा इस कार्यालय द्वारा जारी शर्तो एवं अनुभवों के साथ ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in पर दिनांक 10.11.2025 से दिनांक 19.11.2025 की सायं 04:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। निविदादाता द्वारा प्रत्येक डाउनलोड निविदा प्रपत्र समस्त कार्यवाही पूर्ण करते हुए प्रभागीय वनाधिकारी, पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत के कार्यालय में दिनांक 20.11.2025 की अपरान्ह 02:00 बजे तक पंजीकृत डाक/कोरियर अथवा व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ऐसा न किये जाने की दशा में निविदा नॉन रिस्पोन्सिव घोषित कर दी जायेगी। डाक में हुई देरी के लिए निविदा आमंत्रणकर्ता/विभाग किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे। परिशिष्ट/शुद्धिपत्र यदि कोई होगा, तो ई-प्क्योरमेंन्ट पोर्टल/वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा। समस्त निविदायें अद्योहस्ताक्षरी अथवा अद्योहस्ताक्षरी द्वारा नामित अधिकारी द्वारा दिनांक 20.11.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तकनीकी बिड खोलने के उपरान्त वित्तीय बिड को खोला जायेगा। निविदा सम्बन्धी नियम एवं शर्ते कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं। अद्योहस्ताक्षरी को कोई भी एक अथवा समस्त निविदायें बिना कोई कारण बताये अस्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

| क्र. सं. | कार्य स्थल का नाम | कार्य का नाम | लागत समस्त कर सहित (लाख में) | निविदा मूल्य GST सहित रू. में | बन्धक धनराशि (रू. में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2. | 3. | 4. | 5. | 6. | 7. |
| 1. | प्रभागीय कार्यालय कैम्पस | टाइप-2 आवास निर्माण | 12.46 | 1000 | 24920 | 02 माह |
| 2. | प्रभागीय कार्यालय कैम्पस | टाइप-3 आवास निर्माण | 17.14 | 1000 | 34280 | 02 माह |

**मनीष सिंह**
**प्रभागीय वनाधिकारी**
**पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत**

## कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 297/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 04.11.2025

**ई-निविदा सूचना**

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में) | बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में | निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी. | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड नं. 11 में कमल से मकान से नगर पालिका परिषद के वाटर कूलर तक आर.सी.सी. नाला के लिए मिट्टी भराव एवं दीवार स्पोटिंग का कार्य। | 1599504.00 | 27150.00 | 1900.00 | 2 माह |
| 2 | वार्ड नं. 14 में बब्लू के प्लाट से ओमप्रकाश के मकान तक सी.सी. सड़क ा निर्माण कार्य। | 1053020.00 | 17850.00 | 1250.00 | 2 माह |

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 10.11.25 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 01.12.2025 को अपराहन् 05 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 02.12.2025 को अपराहन 05 बजे तक।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)**

**अध्यक्ष**
**नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)**

## कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 1960/स्वी.अनु./धाबा.खा./है.परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक : 07.11.2025

**अल्पकालीन ई-टेण्डर नोटिस**

कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. भवन, लखनऊ के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख.-नीति प्रस्ताव/2025-26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29-4-2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2025 शासनादेश सं. 1215/29-4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं. 571/29-4-2023/4013(099)/7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29-4- 2023-385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन), खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि. दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त, अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के अलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय संस्थाओं से सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित नवीन धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध चावल मिलों तक तथा रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत सम्भावित गेहूँ क्रय केन्द्रों को आधार मानते हुए गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तथा गेहूँ के परिवहन हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

संलग्न सूची सं. 01 के अनुसार समस्त क्रय संस्थाओं के जनपद बरेली के 07 एवं जनपद शाहजहाँपुर के 12 कुल 19 नवीन स्वीकृत धान क्रय केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। संलग्न संची के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान परिवहन कार्य हेतु एवं रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत गेहूँ परिवहन कार्य हेतु ई-निविदायें केन्द्रवार जनपदवार प्राप्त की जायेगी। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। शासनादेश सं. 359/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 में निर्धारित व्यवस्थान्तर्गत क्रय केन्द्रों का चयन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। यदि जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तावित क्रय केन्द्रों में से किसी क्रय केन्द्र का चयन नहीं किया जाता है अथवा चयन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो क्रय केन्द्र हेतु डाली गयी समस्त परिवहन कार्य की निविदायें निरस्त समझी जायेगी। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90 (जी.एस.टी.)=590/- तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/- सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./ई.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई-निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जाँचोपरान्त इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

**(डा. मनिकन्डन ए.)**
**आई.ए.एस.**
**सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक**
**बरेली सम्भाग, बरेली।**

# अमृत विचार

शनिवार, 8 नवंबर 2025

कोई भी गुस्सा हो सकता है– यह आसान है, लेकिन सही व्यक्ति से, सही सीमा में, सही समय पर और सही उद्देश्य के साथ, सही तरीके से क्रोधित होना, सभी के बस कि बात नहीं है और यह आसान भी नहीं है।

–अरस्तु, दार्शनिक

## सख्त होती सरकार

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दो पूर्व क्रिकेटरों की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति को 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' यानी अपराध से अर्जित धन मानते हुए अटैच किया जाना, केवल एक जांचात्मक कार्रवाई ही नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश है। यह कदम ऐसे समय में आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा था कि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रहे जुए और सट्टेबाजी के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जाहिर है, ईडी की यह कार्रवाई उसी सिलसिले की कड़ी है। बेशक, सरकार अब डिजिटल जुए के बढ़ते खतरे को आर्थिक अपराध की श्रेणी में लाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही है, जिसमें सेलिब्रिटी ब्रांडिंग और क्रिकेट की लोकप्रियता के नाम पर चलने वाले अवैध प्लेटफॉर्म्स पर कड़ा शिकंजा कसने जा रहा है। इस कार्रवाई का असर न केवल खेल जगत पर, बल्कि मनोरंजन उद्योग और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों पर भी गहराई से पड़ेगा। एजेंसियां अब यह तय करने में लगी हैं कि कौन से ई-स्पोर्ट्स गेम 'स्किल बेस्ड' हैं और कौन-से 'चांस बेस्ड' यानी जुए की श्रेणी में आते हैं।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर एकीकृत प्रभावी केंद्रीय कानून का अभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत सरकार उन वेबसाइटों या ऐप्स को ब्लॉक कर सकती है, जो 'राष्ट्रीय सुरक्षा या जनहित के प्रतिकूल' हों, परंतु जुए और सट्टेबाजी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी राज्यों पर है। कुछ राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना ने ऑनलाइन सट्टेबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ में इसे 'रेगुलेटेड एंटरटेनमेंट एक्टिविटी' के बतौर अनुमति है। यही असमानता इस पूरे क्षेत्र को कानूनी धुंध में ढके रखती है। पूरी तरह बैन लगाने से भी यह समस्या समाप्त होगी, कहना कठिन है। इससे लोग ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं, जहां भारतीय कानून का कोई नियंत्रण नहीं होता। इन विदेशी साइट्स पर डेटा प्रोटेक्शन, आयकर या उपभोक्ता अधिकारों की कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में बैन के बजाय सख्त निगरानी और पारदर्शी नियमावली बनाना अधिक व्यावहारिक समाधान लगता है। बैन का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिकी से जुड़ा हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री देश में लगभग 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां देती है और अरबों रुपये का निवेश आकर्षित करती है। यदि सभी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर समान रूप से प्रतिबंध लगाया गया, तो इससे न केवल रोजगार पर, बल्कि सरकार के कर राजस्व पर भी असर पड़ेगा, लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि ऑनलाइन बेटिंग के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग, काले धन के संग्रह और लालच, लत जैसी सामाजिक समस्याएं तेजी से फैल रही हैं, इसलिए सरकार को इस संदर्भ में संतुलित नीति बनानी होगी, जहां ई-स्पोर्ट्स जैसे कौशल-आधारित खेलों को बढ़ावा मिले, पर सट्टेबाजी और जुए के तत्वों को कड़ाई से दंडित किया जाए।

जरूरी है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एक समेकित कानून बनाए, जो ऑनलाइन स्किल बेस्ड गेमिंग और सट्टेबाजी के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। साथ ही, ईडी को ऐसे मामलों में महज सजा नहीं बल्कि निवारक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए, तभी इस डिजिटल युग के 'आभासी जुए' से देश को निजात मिल सकेगी।

## ममदानी की जीत है, ट्रंप की राजनीतिक हार

विवेक सक्सेना

अयोध्या

हाल के वर्षों में, दुनिया भर के विभिन्न शहरों में भारतीय मूल के व्यक्तियों का मेयर बनना एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक घटना है। यह न केवल भारतीय प्रवासियों की सफलता की कहानी है, बल्कि उस बदलती वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य का भी प्रमाण है, जहां योग्यता और समावेशिता को महत्व दिया जा रहा है। जोहरान मामदानी ने न्यूयॉर्क सिटी की मेयर रेस जीतकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में हुए इस चुनाव में ममदानी की जीत से सबसे बड़ा झटका भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगा है, क्योंकि वो लगातार ममदानी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। ट्रंप ने उन्हें पागल कम्युनिस्ट तक कह दिया था। चुनाव से पहले चेतावनी दी थी कि अगर ममदानी जीते, तो न्यूयॉर्क की फेडरल फंडिंग कम कर दी जाएगी, बावजूद इसके 34 साल के ममदानी सबसे युवा मेयर बन गए।

उनकी जीत लेफ्ट-विंग एजेंडे पर आधारित थी, जिसमें अमीर-गरीब की खाई कम करना और शहर को सस्ता बनाना मुख्य मुद्दे थे। न्यूयॉर्क वैसे भी डेमोक्रेट्स का गढ़ माना जाता है और अब ममदानी की ऐतिहासिक जीत ने इस गढ़ को और मजबूत बना दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। ममदानी की जीत महज चुनावी जीत ही नहीं, एक राजनीतिक संकेत भी है कि कहीं ये अमेरिका में एक अलग तरह के ध्रुवीकरण का प्रतीक तो नहीं। भारतीय मूल के मुस्लिम प्रवासी ममदानी ने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रू कुओमो जो खुद भी डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को जिस तरह से पराजित किया है, उससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है।

न्यूयॉर्क को अमेरिका के अमीरों का शहर कहा जाता है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार करीब 26 अमीरों ने ममदानी को रोकने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। ऐसे में उनकी जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है और एक नए युग का संकेत देती है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के रूप में ज़ोहरान ममदानी का चुना जाना यह दर्शाता है कि मेजबान देश अब रंग, नस्ल या मूल की परवाह किए बिना प्रतिभा को स्वीकार कर रहे हैं। यह उन देशों में समावेशी लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है, जहां प्रवासी समुदाय अब सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय नीति-निर्माता और नेता बन रहे हैं।

विदेशों में प्रवासी भारतीयों का उदय देश के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत भी है। ये नेता अनौपचारिक राजदूत के रूप में कार्य कर भारत और उनके मेजबान देशों के बीच विश्वास बनाने और संचार को सुगम बनाने में मदद कर सकते हैं। उनके कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंध मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है, हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन नेताओं को अक्सर अप्रवासी पृष्ठभूमि या धार्मिक पहचान के कारण आलोचना या पक्षपातपूर्ण हमलों का सामना करना पड़ता है। ममदानी के मामले में आव्रजन की स्थिति पर विवाद इसका उदाहरण है।

भारतीय मूल के व्यक्तियों का विदेशी शहरों में मेयर बनना, वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रवासियों की बढ़ती ताकत, प्रभाव और स्वीकृति का एक ज्वलंत उदाहरण है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण है और दुनिया को यह संदेश देता है कि भारतीय प्रतिभाएं सीमाओं से परे जाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

भारतीय मूल का मुसलमान व्यक्ति, जैसे जोहरान ममदानी, विदेश के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का मेयर बनता है, तो भारत की विविधता एवं संप्रेषणशीलता की छवि अंतर्राष्ट्रीय फलक पर मजबूती पाती है। इससे भारत का लोकतांत्रिक और बहुजातीय मॉडल विश्व में चर्चा का विषय बनता है। भारत के अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति की उपलब्धि विदेश में प्रवासी भारतीयों को आत्मसंतोष और सम्मान की भावना देती है। इससे प्रवासियों के बीच एक सकारात्मक उदाहरण स्थापित होता है कि भारत की विविधता बाहरी देशों में भी सफल हो सकती है। इससे युवाओं में सहभागिता और समाज के सभी वर्गों में सामंजस्य की भावना बढ़ती है।

भारतीय मूल के मुसलमान के विदेश में मेयर बनने से देश को राजनीतिक और सांस्कृतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं। भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि लोकतंत्र, विविधता और सहिष्णुता के रूप में मजबूत होती है, जिससे भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और समर्थन मिल सकता है। भारत की सांस्कृतिक विरासत, धर्म, भाषा और परंपराओं का वैश्विक प्रचार होता है, जिससे भारतीय संस्कृति की पहचान और सम्मान विदेशों में बढ़ता है। इस तरह की उपलब्धि से सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और भारतीय कला, संगीत, साहित्य की वैश्विक लोकप्रियता बढ़ती है। विविधता में एकता का संदेश विश्व के सामने प्रस्तुत होता है। इससे प्रवासी भारतीयों में सांस्कृतिक गर्व और आत्मसम्मान की भावना मजबूती पाती है। इन लाभों के माध्यम से भारत न केवल वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति बढ़ा सकता है, बल्कि अपनी राजनीति और संस्कृति की विविधता एवं समावेशिता को नई पहचान दिला सकता है।

इस तरह की उपलब्धियां राजनीतिक जागरूकता, सामुदायिक संगठन, लॉबिंग और अपने अधिकारों के लिए सामूहिक स्वर मजबूत करती हैं। भारत के राजनीतिक हितों की वकालत राजनीतिक रूप से सक्रिय भारतीय डायस्पोरा भारत के हितों के संरक्षक और प्रवक्ता के रूप में काम कर सकते हैं, जिससे मेजबान देश की नीतियों पर सकारात्मक प्रभाव संभव है। ऐसे नेतृत्व से भारत के लिए निवेश, कूटनीतिक सहयोग और सांस्कृतिक विनिमय के नए अवसर खुल सकते हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर पद पर जोहरान ममदानी की जीत एक राजनीतिक संकेत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह एक बड़ा झटका भी माना जा रहा है।

### आमने

कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों को कई अवसर दिए हैं। केवल कांग्रेस ने ही अल्पसंख्यकों को बड़े पद दिए हैं। कांग्रेस का मतलब मुस्लिम और मुस्लिम का मतलब कांग्रेस है।

–ए रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

### सामने

कांग्रेस शासन में सबसे अधिक सांप्रदायिक दंगे हुए, तो वह कैसे कह सकते हैं कि कांग्रेस का मतलब मुस्लिम है? हालांकि, यह सांप्रदायिक और बेहद आपत्तिजनक बात है। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हताश हैं, क्योंकि वह उपचुनाव हारने वाले हैं।

–एन रामचंद्र राव
भाजपा अध्यक्ष, तेलंगाना

## गुप्त परमाणु हथियार परीक्षण की आशंकाएं

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा 'बयान-बम' फोड़ा है। विवादित बयानों को लेकर चर्चित ट्रंप ने दावा किया है कि चीन और पाकिस्तान गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण में लगे हैं। रूस और उत्तर कोरिया भी परमाणु परीक्षण कर अपने हथियारों की ताकत टटोल रहे हैं। ये देश कभी भी यह बात स्वीकारने को तैयार नहीं हैं कि वे परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। ये देश भूमि की बहुत गहराई में परीक्षण करते हैं, इसलिए इनके परीक्षण की आहट किसी के कानों में नहीं गूंजती है। इन देशों के लोग खुले समाज का हिस्सा नहीं हैं, अतएव यहां की जानकारियां गोपनीय बनी रहती हैं।

यह बात ट्रंप को इसलिए कहनी पड़ी, क्योंकि अमेरिका 30 साल बाद अपने परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से करने का फैसला ले चुका है। इसलिए उन्होंने अपनी सरकार के फैसले को पाक और चीन के परीक्षणों के परिप्रेक्ष्य में तार्किक ठहराने के लिए कही है। यह बात ट्रंप ने न्यूज चैनल सीबीएस से बात करते हुए कही है।

दरअसल रूस द्वारा ट्रंप से पूछा गया था कि 'क्या वे एडवांस न्यूक्लियर-कैपेबल सिस्टम, जिसके द्वारा पोसाइडन अंडरवाटर ड्रोन गतिविधि शामिल है, उसके परीक्षण के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण भी करेंगे?' इसके उत्तर में ट्रंप ने कहा, 'उनके पास किसी भी दूसरे देश से अधिक परमाणु हथियार हैं। इन हथियारों से दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है। हम इन्हें नहीं परखते, किंतु जब दूसरे देश परीक्षण कर रहे हैं, तब हमें भी करने की जरूरत है।

ट्रंप ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के बुसान नगर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने से पहले अमेरिका द्वारा परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करने का बयान दिया था। पानी के भीतर पोसाइडन ड्रोन प्रणाली एक ऐसी तकनीक है, जिसमें रोबोटिक वाहन पानी के नीचे सक्रिय रहते हैं। ये स्वायत्त रूप से संचालित रहने के साथ इन्हें रिमोट के जरिए दूर से भी संचालित किया जा सकता है। ये ड्रोन पनडुब्बी वाहनों के समान होते हैं, जो बिना किसी मानव के पानी के नीचे संचालन और अनुसंधान के लिए होते हैं।

किसी भी परमाणु हथियार संपन्न देश को परमाणु परीक्षण की जरूरत इसलिए होती है, क्योंकि परमाणु बम के लिए जरूरी यूरेनियम को संवर्धन (एनरिच) करना होता है। यह प्रक्रिया एक तकनीकी परीक्षण हैं। परमाणु परीक्षण की घोषणा किसी भी देश की ऐसी युद्ध रणनीति का हिस्सा है, जिससे वह शत्रु देश को अपनी ताकत का अहसास कराता है। भारत ने 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। अब चीन और पाक द्वारा गोपनीय रूप में परमाणु परीक्षण की बात सामने आई है। अतएव इन देशों से भारत को परमाणु हमले का खतरा बढ़ गया है, इसलिए भारत को भी अपने परमाणु हथियार दागने की तकनीक का परीक्षण करना जरूरी हो गया है, हालांकि भारत का सिद्धांत पहले परमाणु हमला नहीं करने का है, लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि अब हम इस वचन के पालन के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं। पहले भी हमला कर सकते है। वैसे भी भारत ने परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित करने वाली संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के कई देश न केवल परमाणु परीक्षण करने में लगे हैं, बल्कि घातक परमाणु हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ में भी लगे हैं। स्टॉकहोम स्थित 'अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (एसआईआरआई) के एक अध्ययन ने दावा किया है कि चीन के पास 350, पाकिस्तान 165 और भारत के पास जनवरी 2021 तक 156 परमाणु हथियार मौजूद थे। ये तीनों पड़ोसी देश अपने परमाणु शस्त्रागारों का विस्तार कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस समय 13,080 परमाणु हथियार दुनिया के देशों के पास हैं। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रूस और अमेरिका के पास हैं।

इनके अलावा ब्रिट्रेन, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास भी हथियारों का बड़ा जखीरा है। चीन परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ाने के साथ उनका तकनीकी रूप से आधुनिकीकरण भी कर रहा है। इस समय रूस के पास 6,255, अमेरिका 5,550, फ्रांस 290, ब्रिट्रेन 225, इजराइल 90 और उत्तर कोरिया के पास 40-50 परमाणु हथियार हैं। ट्रंप तो सरेआम कह रहे हैं कि हमारे पास दुनिया को 150 बार तहस-नहस करने की परमाणु क्षमता है।

अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआईए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट की बात मानें तो पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है। पाकिस्तान की यह खूंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं। एक आतंकवाद, दूसरी ढह रही अर्थव्यवस्था और तीसरे परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण।

आर्थिक संकट के ऐसी ही बद्तर हालात से उत्तर कोरिया जूझ रहा है। मानव स्वभाव में प्रतिशोध और ईर्ष्या दो ऐसे तत्व हैं, जो व्यक्ति को विवेक और संयम का साथ छोड़ देने को मजबूर कर देते हैं। इस स्वभाव को क्रूरतम परिणति में बदलते हम अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर किए परमाणु हमलों के रूप में देख चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि चीन और पाकिस्तान समेत कई देश गुप्त परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। अगर यह सच है तो दुनिया में एक बार फिर परमाणु बमों की होड़ शुरू होने के आसार हैं।

### प्रसंगवश

## चुनाव में महज सियासी एजेंडा है बेरोजगारी

जब-जब लोकसभा या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव का समय आता है तो अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से एड़ी चोटी का जोर लगाती हैं। आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किन मुद्दों को लेकर ये अपनी उम्मीदवारी रख रही हैं। देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिनका समाधान इतने वर्षों से नहीं हुआ है। जनता त्रस्त है। आम जनमानस में गुस्सा भरा हुआ है। बिहार चुनाव में भी रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है, लेकिन पूर्व परिस्थितियों को देखते हुए इस बात का बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि ये वादे पूरे भी होंगे।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। बीते वर्षों में देश में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक बढ़ी है। यूं तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखें नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर नई भर्तियां बंद हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथ ही साथ प्राइवेट सेक्टर में तो हाल बहुत ही बुरा है।

अमृता पांडे

लेखिका

कोरोना के समय लाखों लोगों ने अपनी नौकरियां गंवाईं। आज कई कंपनियां छंटनी कर रही हैं। 2024 को जैमिनी युग का नाम दिया गया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी पर आधारित लैंग्वेज मॉडल है। एआई तकनीकी जगत में हलचल मचाने वाला सबसे बड़ा हथियार बन गया है। विभिन्न संस्थाओं में इंजीनियरिंग छात्रों की परीक्षाएं हो चुकी हैं। छोटी-छोटी जगह में संसाधनविहीन कॉलेज खुले हैं। हर साल 15 लाख के लगभग छात्र पासआउट हो कर आते हैं, पर नौकरी एक से डेढ़ फीसदी छात्रों को ही मिलती है।

आईआईटी मुंबई के 36 प्रतिशत पासआउट हुए छात्रों को वर्ष 2024 में नौकरी नहीं मिली। द टाइम्स ऑफ इंडिया समेत कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में यह रिपोर्ट देखी थी। आईआईएम के छात्रों को नौकरी नसीब नहीं है। विश्वविद्यालय से पासआउट होने वाले छात्रों का भी यही हाल है। अर्थव्यवस्था बढ़ती तो रोजगार के द्वार भी अवश्य खुलते। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार 25 साल में नौकरियां में सबसे ज़्यादा कटौती हुई। रेलवे, पुलिस, पोस्ट ऑफिस में ढेरों पद खाली हैं। ईपीएफ में जुड़ने वाले कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है। कर्मचारियों पर काम का बोझ बहुत है और वे दूसरी नौकरी की तलाश में हैं। काम के घंटे बढ़ रहे हैं, जबकि मनोवैज्ञानिक काम के घंटों के बीच आराम की वकालत करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मानव विकास संस्थान की इंडिया अपॉइंटमेंट रिपोर्ट-2024 के अनुसार देश में नियमित वेतन पाने वाले और स्वरोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। यह आकलन मुद्रा स्फीति की दर के आधार पर किया गया है। लगभग पौने दो करोड़ युवाओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव में रोजगार की उम्मीद में वोट डाले थे। युवाओं का वोट बैंक राजनीतिक पार्टियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन फिर भी प्रमुख राजनीतिक दलों के चुनाव पत्रों से रोजगार जैसे मुद्दे गायब दिखाई देते हैं। बेरोजगारी के कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव हैं, जैसे मानसिक तनाव, विवाह की उम्र में देरी होना, पारिवारिक कलह, जीवन से विरक्ति आदि। जरूरत है कि राजनीतिक पार्टियों थोड़ा संवेदनशीलता दिखाकर रोजगार जैसे गंभीर मुद्दों पर सोचें और विचारें।

### सोशल फोरम

## जब एक्सरे के खतरे से वाकिफ नहीं थी दुनिया

कलम रंगदार

ब्लॉगर

यह तस्वीर लगभग 1900 के आसपास रॉयल लंदन हॉस्पिटल के एक एक्स-रे तकनीशियन के हाथ की है। इसमें उस नुकसान को दिखाया गया है, जो बार-बार विकिरण (radiation) के संपर्क में आने से हुआ। उस समय तकनीशियन हर सुबह अपनी मशीन को जांचने और सेट करने के लिए अपने ही हाथ का एक्स-रे लिया करते थे। आप सोच सकते हैं- वे इसके बजाय मांस का टुकड़ा या चिकन की टांग क्यों नहीं इस्तेमाल करते थे?

असल में, 1900 के दशक में लोगों को विकिरण के खतरों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सबको लगता था कि यह पूरी तरह सुरक्षित है। उस समय एक्स-रे मशीनें इतनी नई और आकर्षक चीज थीं कि कई लोग घर पर खुद की एक्स-रे मशीनें बना लेते थे- शौक के तौर पर। दुर्भाग्य से, बाद में उन शुरुआती लोगों को गंभीर बीमारियों, कैंसर और हाथ-पैर कटवाने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा।

एक्स-रे की खोज सिर्फ कुछ साल पहले, 1895 में विल्हेम कॉनराड रॉन्टजन (Wilhelm Conrad Rntgen) नाम के एक जर्मन इंजीनियर और भौतिक वैज्ञानिक ने की थी। उन्होंने इन किरणों को 'एक्स-रे' इसलिए कहा क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि यह वास्तव में क्या हैं, इसलिए उन्होंने 'X' का इस्तेमाल 'अज्ञात' के प्रतीक के रूप में किया।

कुछ यूरोपीय देशों में आज भी इन्हें 'रॉन्टजन रे' कहा जाता है, उनके सम्मान में। रॉन्टजन ने अपनी खोज का पेटेंट नहीं कराया, क्योंकि उनका मानना था कि यह खोज मानवता के भले के लिए सबके लिए मुफ्त उपलब्ध होनी चाहिए। उनके इस अद्भुत आविष्कार के लिए उन्हें 1901 में पहला नोबेल पुरस्कार (भौतिकी) दिया गया।

–फेसबुक वाल से

### सामयिकी

## जलवायु जोखिम से शेयर धारकों की संपत्ति पर असर

भारत में जलवायु जोखिम अब सीधे शेयरधारकों की संपत्ति, कंपनियों की डिविडेंड यील्ड और ऊर्जा कंपनियों की बैलेंस शीट को प्रभावित कर रहा है। एक तरफ बिजली की मांग लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है, तो दूसरी तरफ असमान मानसून, हीटवेव और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाएं ईंधन आपूर्ति, उत्पादन दक्षता और पूंजीगत निवेश योजनाओं को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। वर्ष 2024–25 में भारत ने अधिकतम 250 गीगावॉट बिजली की मांग को पूरा किया, जो दर्शाता है कि बिजली की खपत कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, लेकिन इतनी ऊंची मांग को पूरा करने के लिए कंपनियों को बढ़ती इनपुट लागत, महंगे ईंधन और ऋण पर बढ़ते ब्याज की चुनौती झेलनी पड़ रही है, जिससे उनका लाभांश वितरण और नकदी प्रवाह कमजोर पड़ रहा है।

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

वैश्विक स्तर पर 2024 में फॉसिल ईंधन से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 37.4 बिलियन टन तक पहुंच गया, जो नया रिकॉर्ड है। भारत का योगदान लगभग 8% रहा और यह वर्ष दर वर्ष लगभग 4.6% की दर से बढ़ा। यह दर्शाता है कि भारत की ऊर्जा उत्पादन संरचना अभी भी कोयले पर अत्यधिक निर्भर है। सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस दिशा में काम करने के लिए ऊर्जा कंपनियों को भारी पूंजी निवेश करना पड़ रहा है। यह निवेश उनकी बैलेंस शीट पर दबाव डालता है, जिससे उनका ऋण अनुपात बढ़ता है और लाभांश भुगतान की क्षमता घटती है।

30 सितंबर 2025 तक भारत की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 500.89 गीगावॉट तक पहुंच गई है। इसमें गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता का हिस्सा 50 फीसद से अधिक हो गया है, लेकिन वास्तविक बिजली उत्पादन में इन स्रोतों का योगदान अभी भी लगभग 22% के आसपास है। इसका कारण है कि सौर और पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर हैं और इनके लिए बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण और ट्रांसमिशन निवेश की आवश्यकता होती है। इन परियोजनाओं में प्रारंभिक निवेश अधिक होता है और रिटर्न लंबी अवधि में आता है, जिससे कंपनियां अल्पावधि में डिविडेंड की बजाय पुनर्निवेश को प्राथमिकता देती हैं।

वर्ष 2024 के मानसून में जहां उत्तर और पश्चिम भारत में अत्यधिक वर्षा हुई, वहीं दक्षिण भारत के कई हिस्सों में सूखा जैसी स्थिति बनी रही। इस असमान मौसम ने जलविद्युत उत्पादन को प्रभावित किया और कोयला परिवहन में बाधा पहुंचाई। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी और उनके EBITDA मार्जिन में 3–4 फीसदी की गिरावट आई। उदाहरण के लिए, NTPC और टाटा पॉवर जैसी कंपनियों को अपने तापीय संयंत्रों में कोयला लागत बढ़ने और नवीकरणीय परियोजनाओं में अतिरिक्त निवेश के कारण अपने डिविडेंड पेआउट अनुपात में 25–30 प्रतिशत की कटौती करनी पड़ी।

CO उत्सर्जन के साथ-साथ, कार्बन टैक्स और ग्रीन कंप्लायंस जैसे नियमों के कारण ऊर्जा कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। प्रति मेगावॉट बिजली उत्पादन पर औसतन 450–600 रुपये की अतिरिक्त लागत कार्बन उत्सर्जन से जुड़ी अनुपालन गतिविधियों पर खर्च हो रही है। इसके चलते कंपनियों की नकदी प्रवाह पर दबाव बन रहा है और डिविडेंड वितरण में कमी आ रही है। दूसरी ओर, निवेशक अब कंपनियों की ESG रेटिंग और जलवायु नीतियों को उनके मूल्यांकन में शामिल करने लगे हैं। जिन कंपनियों का कार्बन फुटप्रिंट अधिक है, उनके शेयर मूल्यों में गिरावट देखने को मिली है, जबकि हरित ऊर्जा की दिशा में काम करने वाली कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

# चंद्राकार पर्वतों की नगरी चंदेरी

चंद्राकार पर्वतों की गोद में विन्ध्य पर्वत श्रृंखला में आबाद मालवा का प्रवेश द्वार चंदेरी को अपनी शानदार विरासत के लिए यहां की कला एवं हस्तशिल्प को यूनेस्को की विश्व धरोहर की क्रियेटिव सिटी की सूची में नामित किया गया है। ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध चंदेरी पर प्रकृति ने खूब मेहरबानी की है। प्रकृति की अनमोल धरोहरों वनों और झरनों की खुशबू से लेकर कला और पुरासंपदा, ऐतिहासिक किले चंदेरी को खास बनाते हैं। चेदि राज्य की अतीत में राजधानी रही वर्तमान चंदेरी प्रतिहार वंश के प्रतापी राजा कीर्तिपाल की ऋणी है, जिनके शासनकाल में बूढ़ी चंदेरी के स्थान पर नई चंदेरी को दशमी/ग्यारहवीं शताब्दी में बसाया गया था। महाभारत काल से काल के थपेड़े सहता रहा यह नगर अभी भी रहस्य ही है। कवि कालिदास ने मेघदूत के विदिशा जाने वाले मार्ग पर प्राचीन नगरी के संदर्भ में भले ही स्पष्ट संकेत नहीं दिए, पर इतिहास बताता है कि गुप्तवंश, प्रतिहारवंश, मुस्लिम आक्रांताओं, बुंदेला राजपूतों एवं सिंधियाओं ने यहां पर शासन किया।

सुरेंद्र अग्निहोत्री
लखनऊ

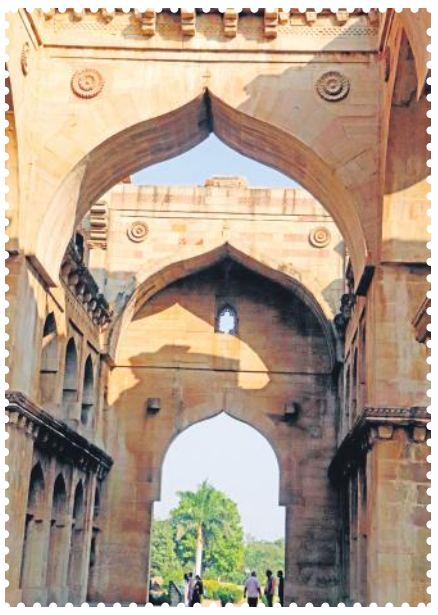

वर्तमान चंदेरी नगरी को प्रतिहारवंश महाराज कीर्तिपाल कुरुमदेव ने दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी के बीच बसाया था। नगरी का विस्तार 30 मील तक का था। मुगलकाल में इसकी जनसंख्या 1 लाख 75 हजार बताई गई है, जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण आज भी उत्तर-पश्चिम में बूढ़ी चंदेरी, हंसारी, दक्षिण पूर्व में बेंहटी, बारी, तपाई, पंचमनगर, दक्षिण-पश्चिम में थूबोनजी, सीतामढ़ी, ख्यावदा, बीठला, भियांदात आदि हैं। इस समूचे क्षेत्र में पुरातत्व महत्व की विपुल सामग्री यत्र-तत्र बिखरी हुई है। राजवंशों के कार्यकाल में अनेकों उत्कृष्ट श्रेणी के निर्माण कार्य हुए हैं, जो स्थापत्य कला के अनूठे प्रमाण हैं। शिलालेखों से पता चला है कि यहां स्थापत्य कला गुप्तकाल की है। चंदेरी नगरी के अनेक नयनाभिराम मंदिर, मस्जिद, मठ, सराय, मकबरे, बावड़ियां, महल एवं किला आदि उल्लेखनीय हैं। चंदेरी नगरी 7 परकोटों के बीच बसी हुई थी, जिनमें अनेक प्रवेश द्वार थे। मुख्य दरवाजों के नाम यथा- दिल्ली दरवाजा, ढोलिया दरवाजा, खिड़की दरवाजा, पखन दरवाजा, पिछारे दरवाजा, रेतबाग का दरवाजा, बिना नींव का दरवाजा, बादल महल का दरवाजा, जौहरी दरवाजा एवं कटी घाटी दरवाजा के नाम से आज भी प्रचलित हैं।

वीर भूमि बुंदेलखंड की स्थापत्य कला का बेजोड़ स्थल 'कीर्ति दुर्ग' इतिहास के उस कालखंड का चंदेरी मुस्लिम आक्रांताओं के रक्तपात की शिकार बनी। चंदेरी राज्य का मुख्य प्रवेश द्वार खूनी दरवाजा कहलाता है। यह द्वार राजा मेदनीराय की वीरगति का साक्षी है। 28 जनवरी सन् 1528 को बाबर ने पहाड़ों को काटकर हमला किया था। यह स्थल कटी घाटी के नाम से प्रसिद्ध है। यह युद्ध के संदर्भ में बाबर द्वारा लिखित पुस्तक "तुजक-ए-बाबरी" के अनुसार दिसंबर, 1527 में बाबर ने चंदेरी में प्रवेश का मार्ग उत्तर दिशा से चुना और अपनी सेना का शिविर बत्तीसी बावड़ी पर स्थापित कर जनवरी, 1528 में युद्ध के नगाड़े बजा दिए। बाबर ने चंदेरी को चारों ओर से घेर लिया। राजपूतों ने दुर्ग बचाने के लिए भीषण प्रतिरोध किया, लेकिन विजय लुटेरे बाबर को मिली, तो हजारों क्षत्राणी वीरांगनाओं ने अपने सतीत्व की रक्षा के लिए विक्रम संवत् 1584, माघ सदी 8, बुधवार को किले में ही एक तालाब के किनारे जौहर किया। इस जौहर में मेदनीराय की पत्नी मणिमाला तथा उनकी सहेली ने भी अपने आपको शामिल किया। यह जौहर अपने आप में तत्कालीन राजाओं के चरित्र को इंगित करता है। इस स्थल पर एक स्तंभ बना है। इसके निर्माण में ग्वालियर राज्य ने सहयोग किया था। स्तंभ पर सुरुचिपूर्ण ढंग से जौहर के दृश्य के अतिरिक्त स्वर्ग में शिवपूजन का दृश्य अंकित है। समीप ही संगीत सम्राट 'बैजू बावरा' की समाधि एकांत में अपने अतीत की गाथा सुना रही है। इसी पहाड़ी पर किला कोठी है, जिसका संचालन लोक निर्माण विभाग के अधीन है। नौ खड़ा महल कभी चंदेरी राज्य का सबसे सुंदर महल था। आज खंड-खंड हो चुका है। स्मृति शेष पाषाण खंड अपने सुनहरे दिनों को ताजा किए है।

प्राचीन काल में चेदि राज्य पर राजा शिशुपाल का शासन था। इस राज्य के अवशेष मात्र ही शेष हैं। लोकश्रुति के अनुसार राजा शिशुपाल ने, जो भगवान कृष्ण से ईर्ष्या रखता था, अपने राज्य में प्रजा को मोर मुकुट के आकार युक्त जूते पहनवाए, जो यदाकदा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी प्रचलित है। चंदेरी में वैसे तो अनेक तालाब हैं, लेकिन 'परमेश्वर तालाब' का विशेष महत्व है। इसके घाट पर बना लक्ष्मण मंदिर का प्रतिबिंब अपनी अनोखी आभा प्रस्तुत करता है।

## दर्शनीय स्थल

- **चंदेरी का किला-** ग्यारहवीं शताब्दी में कीर्ति पाल द्वारा निर्मित चार मील से अधिक लंबी चंदेरी की दीवार, चंदेरी के इतिहास की मूक साक्षी है। परकोटे के अंदर बुंदेलखंड स्थापत्य के नौखड़ा महल और हवा महल दर्शनीय है।
- **जागेश्वरी देवी मंदिर :-** यह प्राचीन मंदिर पर्वत की एक खुली गुफा में स्थित है, इसकी मूर्ति स्वयंभू है। लोकश्रुति के अनुसार मां जागेश्वरी ने यहां के राजा को स्वप्न में कहा था कि मुझे नौ दिन नहीं देखा, तो मैं पूर्ण रूप में प्रकट हो सकती हूं। दर्शन की तीव्रता के कारण तीसरे दिन द्वार खोलने के कारण सिर्फ शीर्ष भाग ही मिला, जो मंदिर में स्थापित है। मंदिर के पास बना आकर्षित करता तालाब चंदेल कालीन कला का अनुपम उदाहरण है।
- **बूढ़ी चंदेरी :-** मौजूदा चंदेरी से 22 किमी की दूरी पर स्थित हैं। यहां 55 जैन मंदिरों के अवशेष मिलते हैं।
- **थूबोन जी :-** चंदेरी से 28 किमी की दूरी पर स्थित यहां दिगंबर जैन समाज के 16 जैन मंदिर हैं। निकट ही थूबोन नाम का एक ग्राम है, जहां भारतीय पुरातत्व विभाग का मूर्ति संग्रहालय तथा इसके आसपास दसवीं शताब्दी के अनेक जैन मंदिर उल्लेखनीय हैं।
- **बैंहटी मठ :-** चंदेरी से 18 किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व दिशा में घने जंगलों के बीच स्थित यह मठ गुप्तकाल में तांत्रिकों की साधनास्थली रहा है। इसके 16 स्तंभों को पत्थर की बारीक कटाई से शेर, हाथी, मोर, घोड़े, हिरण, कमल के फूल एवं देवी देवताओं से सुसज्जित किया गया है।
- **देवी प्रतिमा-** चंदेरी से 12 किमी दूर वेदी की एक विलक्षण प्रतिमा है, जो अत्यंत प्राचीन एवं मनमोहक है।
- **खंदारगिरि-** यह स्थल चंदेरी से 2 किमी की दूरी पर दक्षिणांचल में स्थित। यहां पर सत्रहवीं शताब्दी से लेकर सोलहवीं शताब्दी तक की विशाल और भीमकाय शैल प्रतिमाएं बनी हुईं हैं।
- **दिल्ली दरवाजा :-** इस विशाल एवं कलात्मक द्वार का निर्माण दिलावर खां गौरी ने 1411 में निर्मित कराया था। इस महल के नीचे एक विशाल तालाब है, जहां हमेशा कमल के फूल खिले रहते हैं। यह तालाब बड़ा ही रमणीक लगता है। इसका निर्माण होशंगशाह गौरी ने 1433 ई. में कराया था।
- **कौशल महल :-** चंदेरी नगर से 4 किमी दूर फतेहाबाद गांव के पास मालवा के सुल्तान महमूद शाह प्रथम के द्वारा निर्मित 'कौशल महल' अपने अनूठी शैली के कारण मोहित करता है। चौकोर महल के चार प्रवेश द्वार हैं। यह विशाल महल वर्गाकार अफगान शैली में बना है तथा स्थापत्य कला का उकृष्ट नमूना है। इसका निर्माण महमूद खिलजी ने जौनपुर की जीत की खुशी में 1445 ई. में कराया था एवं इसका नाम कौशकेहफ्त मंजिल रखा था।
- **बत्तीस बावड़ी :-** चंदेरी से 2 किमी दूर उत्तर-पश्चिमी दिशा में तत्कालीन गर्वनर शेरखां ने सुल्तान गयासुद्दीन खिलजी के आदेशानुसार 1485 ई. में बत्तीस बावड़ी का निर्माण कराया था। इसमें पानी का स्तर हर घाट पर बराबर रहता है। यह बाबड़ी चंदेरी की 1200 बाड़ियों में विशेष स्थान रखती है।
- **जौहर स्मारक :-** चंदेरी के दक्षिण में चन्द्रगिरि पर्वत के ऊपर, किले के समीप जौहर स्मारक स्थित है। 1528 ई. में जब मुगल बादशाह बाबर ने महाराजा मेदनी राय को पराजित कर यह प्रसिद्ध दुर्ग छीना, तब 1500 राजपूत वीरांगनाओं में अपने सतीत्व की रक्षा के लिए जीवित ही अपने को अग्नि में समर्पित कर जौहर व्रत निभाया था। यह स्मारक इस घटना की याद दिलाता है।

## ऐसे पहुंचें चंदेरी

वायु सेवा- ग्वालियर 259 किलोमीटर, भोपाल 258 किलोमीटर निकटवर्ती हवाई अड्डे हैं।

रेल सेवाएं- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई मुख्य रेल मार्ग पर निकटवर्ती रेलवे स्टेशन ललितपुर (36 किमी), झांसी (124 किमी), मुंगावली (38 किमी) और अशोक नगर (46 किमी)।

सड़क मार्ग- शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना इंदौर, झांसी, ललितपुर, टीकमगढ़, विदिशा, सांची, भोपाल के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है।

अनुकूल मौसम :- जुलाई से मार्च।

# गलती से मिली सीख बनी सच्ची पहचान

**आपबीती**

वर्ष 1980 की बात है। पिता चंपावत जिले के सुदूर गांव तरकुली के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। मैं तब कक्षा एक में था। शाम के समय पिताजी खाना बनाने की तैयारी करते और मैं पास ही बैठकर बीबीसी रेडियो पर समाचार लगाया करता। उन्होंने मुझे एक एटलस देकर कहा कि समाचार में जिस देश का नाम आए, उसे नक्शे पर खोजकर दिखाना है। यह रोजाना का क्रम था। एक दिन वेस्टइंडीज के क्रिकेट मैच की चर्चा चल रही थी। मैं नक्शे में उसे ढूंढने लगा, पर कहीं नहीं मिला, जब मैंने पिताजी को बताया कि यह देश नहीं मिल रहा, तो उन्होंने गुस्से में एक थप्पड़ लगा दिया। बाद में जब खुद उन्हें भी वेस्टइंडीज नहीं मिला, तो वे शर्मिंदा हुए। अगले दिन वे पास के जूनियर हाईस्कूल गए, जानकारी जुटाई और विद्यालय में सभी के साथ साझा की। तभी उन्होंने सिखाया कि गलती मानना और उससे सीखना ही सच्चे शिक्षक की पहचान है। वेस्टइंडीज कोई देश नहीं, बल्कि कैरेबियाई द्वीपों का समूह है, जो खेलों में एक इकाई के रूप में भाग लेते हैं। यह ज्ञान तो बाद में मिला, पर उस घटना ने मुझे सीख दी कि सच्ची शिक्षा वही है, जो जिज्ञासा को जीवित रखे और सत्य की खोज में ईमानदारी बरते।

एक और घटना मेरे बचपन की यादों में दर्ज है। जब मैं कक्षा तीन में था, पिताजी ने मुझे ब्लैकबोर्ड पर गणित का सवाल हल करने को कहा-एक भैंस का मूल्य सात सौ पच्चीस रुपये है। मैंने लिखा 70025 रुपये, उस समय समझ नहीं पाया कि सात सौ पच्चीस का अर्थ 725 होता है, न कि सत्तर हजार पच्चीस। गलती पर डांट और कुछ थप्पड़ भी पड़े, पर बाद में वही गलती मेरे जीवन की सबसे बड़ी सीख बनी। आज, जब मैं स्वयं गणित का प्राध्यापक हूं, तो समझ पाता हूं कि बच्चों को सिखाने का अर्थ सिर्फ सही उत्तर दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें समझाने और दृश्य रूप में दिखाने का हुनर सिखाना है। शिक्षा संस्थानों में आज भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन यदि हम ईमानदारी और लगन से अपना कार्य करते रहें, अपनी गलतियों से सीखते रहें और उस सीख को साझा करें तो यही सच्ची शिक्षा है।

डॉ. नरेंद्र सिंह सिजवाली
असिस्टेंट प्रोफेसर
एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी

**लव बर्ड्स**

# लस्सी पर किया प्रपोज

मई 2018 की एक तपती दोपहर में वेटर ने तेजी से लस्सी के दो कुल्हड़ मेज पर रखें। उनमें से एक कुल्हड़ हल्का-सा डगमगाया, लेकिन एक नाजुक से हाथ ने उसे थामकर गिरने से बचा लिया। सामने बैठे लड़के को लगा कि जैसे डगमगाता हुआ कुल्हड़ और उसे थामने वाला हाथ उसका भविष्य हो।

इतने शॉर्ट नोटिस में, तपती धूप में भूखी-प्यासी कई ऑटो-टेपो बदलकर इस छोटे से रेस्तरां तक पहुंची लड़की वैसे तो भीतर ही भीतर झल्लाई हुई थी, पर फिर भी खुद को शांत रखते हुए धीमे से लस्सी का एक सिप लिया और पूछा- "हमें तो बच्चों के पास संडे को जाना था, आपने अचानक मुझे यहां क्यों बुला लिया?"

लड़के ने रेस्तरां के हल्के नीले कांच के बाहर कुछ यूं देखा जैसे शब्द तलाश रहा हो। फिर अपनी आंखों से काला चश्मा उतारकर मेज पर रखा और सीधे लड़की की आंखों में देखते हुए कहा- "मुझसे शादी कर लीजिए।" "क्या मतलब?" लड़की लस्सी और शब्दों को साथ में घोलती हुई बोली- "आप समझ रहे हैं कि क्या बोल रहे हैं?"

"हां! देखिए, आप मेरा अतीत और वर्तमान सब जानती हैं। मेरे घर वालों को भी आप पसंद हैं और कहीं न कहीं आपको तो शादी करनी ही है न, तो मुझसे ही कर लीजिए।" लड़का, लड़की के ऊपरी होंठ पर लगी लस्सी की सफेद मूंछ को देखते हुए एक सांस में बोल गया। "नहीं, करनी नहीं है। मेरी शादी करीब-करीब फाइनल हो गई है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बैंगलोर में। यहीं स्वरूप नगर में मकान है उनका और अब तो सगाई की डेट फाइनल होने वाली है।" लड़की ने सारी संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर यानी लाखों में कमाई और मैं एक अदना-सा कलम घसीटने वाला लेखक, जिसके नाम के साथ बदनामी ज्यादा जुड़ी है। उसका बड़ा घर और मेरा खानाबदोश-सा जीवन। उसका बेहतर और चमकदार भविष्य और मैंने तो आज तक आने वाले कल के बारे में सोचा तक नहीं। लड़का खुद-ब-खुद उस सॉफ्टवेयर इंजीनियर से अपनी तुलना करने लगा। लड़की भी चुप थी। उनके बीच का मौन अतीत बोल रहा था। उन्हें याद आ रहा था- एक व्हाट्सएप ग्रुप में पहली बार बात होना, हर इतवार साथ में अनाथ बच्चों के पास जाना, लड़के की किसी लड़की से दस साल पुरानी मोहब्बत का अंत होना और उस दौरान लड़की का उसे एक अच्छी दोस्त की तरह संभालना। कितना कुछ था, जो सिर्फ "प्रेम" शब्द में परिभाषित नहीं हो सकता था।

"ठीक है पर अगर तुम मुझसे शादी करती हो, तो तुम्हें अपना शहर भी नहीं छोड़ना होगा और मैं तुम्हें खुश रखूंगा।" लड़के ने अंतिम बात कहकर आंखों पर चश्मा लगाते हुए वेटर को बिल लाने का इशारा किया।

लड़की जानती थी, एक तरफ बैंगलोर वाला अनजान लड़का है और दूसरी तरफ उसका थोड़ा-सा अजीब दोस्त। एक तरफ सब सेट और एक तरफ सिर्फ संघर्ष, लेकिन वह जानती थी कि उसका दोस्त अब उसकी उम्र भर के लिए जरूरत है। "सगाई की डेट अभी फाइनल नहीं हुई है, शायद अब हो भी न।" लड़की ने हल्की-सी मुस्कान के साथ कहा। "मतलब क्या?" अब हैरानी की बारी लड़के की थी। "मतलब लस्सी पिलाकर प्रपोज करने का तरीका एकदम घटिया था लेखक महोदय, पर फिर भी मैं इसे मना नहीं कर रही हूं। बाकी घर जाकर बताती हूं।"

आज वह लड़का और लड़की इस शहर में "मृदुल-प्रिया" के नाम से जाने जाते हैं। लोग उन्हें प्रेम नहीं, दो अस्तित्वों की पूर्णता कहते हैं।

**-मृदुल और प्रिया**

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 83,216.28 | 25,492.30 |
| गिरावट | 94.73 | 17.40 |
| प्रतिशत में | 0.11 | 0.07 |

**सोना 1,24,600** प्रति 10 ग्राम

**चांदी 1,53,300** प्रति किलो


# अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 8 नवंबर 2025

www.amritvichar.com


# कारोबार

## बरेली मंडी

**वनस्पति तेल तिलहन :** तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2235, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1900, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2130, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

**किराना :** हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

**चावल (प्रति कु.) :** डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

**दाल दलहन :** मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

**चीनी :** डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

## हल्द्वानी मंडी

**चावल :** शरबती- 4700, मसूरी- 1500, बासमती- 9000, परमल- 3000

**दाल दलहन :** काला चना- 6400, साबुत चना दाल- 5500, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 11300-13900, दाल उड़द- 7900, साबुत मसूर दाल- 6300, मसूर दाल- 5000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 5900

# आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे : मल्होत्रा

## केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा- साहस की आवश्यकता के कारण बैंक मानदंडों में दी गई ढील

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन साहस दिखाने की आवश्यकता के कारण हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आयोजित बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि बैंकों पर अधिक जिम्मेदारियां उनके बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर कामकाज के कारण हैं। केंद्रीय बैंक के पास किसी भी गलत व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद हैं। आरबीआई सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहता है। कोई भी नियामक 'बोर्डरूम' के निर्णय का स्थान नहीं ले सकता है और न ही उसे ऐसा करना चाहिए।

मुंबई में एसबीआई के सभा को संबोधित करते संजय मल्होत्रा।

- **कहा- केंद्रीय बैंक के पास गलत व्यवहार पर लगाम लगाने को पर्याप्त साधन मौजूद**

प्रत्येक मामले को विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए। आरबीआई ने पिछले महीने कई उपायों की घोषणा की थी जिनमें बैंकों को घरेलू अधिग्रहणों के लिए धन मुहैया कराने और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए विदेशी उधारी लेने की अनुमति देना शामिल है। पदभार ग्रहण करने के बाद से मल्होत्रा ने कारोबार को आसान बनाने और किसी भी कदम की घोषणा करने से पहले नियमों को ध्यान में रखने पर जोर दिया है।

मल्होत्रा ने इन कदमों के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि जबकि हम सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं, हमें साहस भी दिखाना होगा। अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागते हुए वित्तीय स्थिरता से समझौता करने से वृद्धि पर दीर्घकालिक प्रभाव होगा जिससे लागत बढ़ सकती है। केंद्रीय बैंक को आर्थिक संदर्भ के प्रति सचेत रहने और संतुलन बनाने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट कंपनियों को विदेश से उधार लेने की अनुमति देने के कदम पर मल्होत्रा ने कहा कि ईसीबी की अनुमति केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के अनुरूप परियोजनाओं के लिए है। किसी भी सट्टा गतिविधि या भूमि खरीद के लिए यह प्रतिबंधित रहेगा।

### 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय क्षेत्र में और सुधारों की जरूरत

**नई दिल्ली।** भारत को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसमें स्वीकार किया गया कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने, और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) का संयुक्त कार्यक्रम एफएसएपी है, जो किसी देश के वित्तीय क्षेत्र का व्यापक और गहन विश्लेषण करता है। वित्तीय क्षेत्र आकलन कार्यक्रम (एफएसएपी) सितंबर 2010 से प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण वित्तीय क्षेत्रों वाले क्षेत्राधिकारों के लिए अनिवार्य हो गया है। इस समय भारत सहित 32 क्षेत्राधिकारों के लिए हर पांच साल में और अन्य 15 क्षेत्राधिकारों के लिए हर 10 साल में वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसएपी) आयोजित करना अनिवार्य है। एफएसएपी के अंतिम भाग के रूप में आईएमएफ वित्तीय प्रणाली स्थिरता आकलन (एफएसएसए) रिपोर्ट व विश्व बैंक वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। भारत के लिए पिछला एफएसएपी 2017 में हुआ था। एफएसएसए रिपोर्ट आईएमएफ द्वारा दिसंबर 2017 में और एफएसए रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा दिसंबर 2017 में प्रकाशित की गई थी।

# भारत, न्यूजीलैंड के बीच चौथा दौर पूरा, शीघ्र अंतिम रूप देने पर बनी सहमति

रोटोरुआ, एजेंसी

**मुक्त व्यापार समझौता**

- **वार्ता वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश पर रहा केंद्रित**

भारत और न्यूजीलैंड ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की वार्ता शुक्रवार को पूरी कर ली। दोनों पक्षों ने इसको शीघ्र अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने को लेकर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के साथ इन वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए यहां पहुंचे हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसरों पर केंद्रित रहा। उन्होंने कहा, हम भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक व आर्थिक संगम के अनुरूप एक संतुलित, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को शीघ्र पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए तत्पर हैं। इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान गोयल ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा करने के लिए उद्योग दिग्गजों के साथ बैठकें भी कीं।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा गोयल ने न्यूजीलैंड के कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ बैठकें कीं। इनमें वैलोसिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कारमेन वाइसलिच, स्लंबरजोन के सीईओ रंजय सिक्का और मीट इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन नाथन गाय शामिल हैं।

# चालू वित्त वर्ष में 6.8% से अधिक की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.8% से अधिक रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी इसका मुख्य कारण है। जनवरी में संसद में पेश की आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8% के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था।

नागेश्वरन ने ग्लोबल लीडरशिप समिट 2025 में कहा, अब मुझे 6.8% से ऊपर की दर सहजता से नजर आ रही है। अगस्त में हमें चिंता थी कि हम 6-7% की सीमा के निचले स्तर तक ही रह जाएंगे, लेकिन अब यह स्पष्ट है कि वृद्धि दर 6.5% से अधिक होगी और संभवतः 6.8% से भी ऊपर जाएगी। हालांकि 7% का आंकड़ा कहने से पहले दूसरी तिमाही के आंकड़ों का इंतजार रहेगा। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8% रही थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाओं एवं रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की मजबूती से हासिल हुई। पिछली सर्वाधिक 8.4% जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च 2024 में दर्ज की गई थी। चीन की वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 5.2% रही थी। इस तरह भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

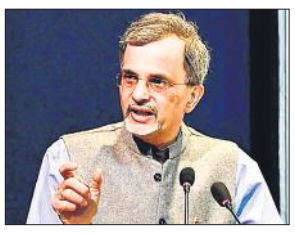

- **नागेश्वरन बोले- जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी मुख्य कारण**

नागेश्वरन ने कहा कि यदि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) संपन्न हो जाता है तो आर्थिक वृद्धि को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर व्यापार मोर्चे पर कोई समाधान निकल आता है, तो वृद्धि का अनुमान और ऊंचा हो सकता है। उन्होंने यह समझौता जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई लेकिन इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई।

# शॉर्ट सेलिंग, एसएलबी ढांचे की समीक्षा को बनेगा कार्य समूह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही 'शॉर्ट सेलिंग' और प्रतिभूति उधारी (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए कार्य समूह का गठन करेगा। 'शॉर्ट सेलिंग' शेयर बाजार में कारोबार की रणनीति है, जिसमें निवेशक किसी शेयर के दाम गिरने की आशंका में मुनाफा कमाने की कोशिश करता है।

2007 में शुरू हुई शॉर्ट सेलिंग की रूपरेखा लगभग अपरिवर्तित रही है। 2008 में शुरू हुई और कई बार संशोधित की गई एलएलबी प्रणाली भी वैश्विक बाजारों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है, जिससे इसके गहन पुनर्मूल्यांकन की जरूरत उजागर होती है। ग्लोबल लीडरशिप समिट' में पांडेय ने कहा कि हम शॉर्ट सेलिंग और एसएलबी ढांचे की समीक्षा के लिए जल्द कार्य समूह का गठन करेंगे। एसएलबी प्रणाली के तहत, अपने डीमैट खातों में शेयर रखने वाले निवेशक या संस्थान, शुल्क लेकर उन्हें अन्य बाजार सहभागियों को उधार दे सकते हैं। यह लेनदेन शेयर बाजारों के मंच के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। इसमें 'क्लियरिंग कॉर्पोरेशन' सुचारू एवं सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने को लेकर गारंटी प्रदान करता है।

- **सेबी पांडेय ने बताया-स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी**

विशेषज्ञों का कहना है कि उधारकर्ता आमतौर पर इन प्रतिभूतियों का इस्तेमाल 'शॉर्ट-सेलिंग' के लिए या निपटान विफलताओं से बचने के लिए करते हैं। निवेशकों को निष्क्रिय शेयर पर अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम बनाकर, एसएलबी ढांचा न केवल उधारदाताओं को लाभान्वित करता है बल्कि नगदी एवं समग्र बाजार दक्षता में भी सुधार करता है। पांडेय ने बताया कि स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी है। सेबी प्रमुख ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बहिर्वाह से जुड़ी चिंताओं पर भी बात की।

### आईपीओ मूल्यांकन पर खुदरा निवेशकों के लिए और सुरक्षा उपायों की जरूरत: सेबी

**मुंबई।** सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने शुक्रवार को कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्यांकन को लेकर कोई नियामकीय कमी नहीं है, लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम और सुरक्षा उपाय कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कंपनी संचालन से संबंधित शिखर सम्मेलन 'गेटकीपर्स ऑफ गवर्नेंस' के 10वें संस्करण में कहा कि बाजार नियामक का पूंजी निर्गम के नियंत्रण से हटना एक सही कदम है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। वार्ष्णेय ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि इसमें नियामकीय कमी है, लेकिन इस बात पर विचार करना अच्छा होगा कि जो मूल्यांकन किया जा रहा है वह सही है या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को चुनौती दे रहे हैं।

## राष्ट्रीय

# 'जंगलराज' रोकने के लिए जनता ने मतदान कर तोड़ा रिकॉर्ड : मोदी

## प्रधानमंत्री ने औरंगाबाद की जनसभा में कांग्रेस और राजद का किया घेराव

औरंगाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में पहले चरण के चुनाव में जनता ने रिकॉर्ड मतदान किया है ताकि 'जंगलराज' की वापसी नहीं हो। मोदी ने उम्मीद जताई कि बिहार की जनता फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को जीत दिलाएगी।

प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा में कहा, बिहार के लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ा है। महिलाओं ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़े। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अपने घोषणा-पत्र पर बात नहीं करते क्योंकि यह झूठ का पुलिंदा है। उनका कहना था कि बिहार की जनता को उनके और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों पर भरोसा है और राज्य पर पवित्र गंगा की कृपा बनी हुई है। मोदी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 'डबल इंजन' वाली राजग सरकार विकास, विनिर्माण, 'फूड प्रोसेसिंग यूनिट' समेत सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, जो कुछ मैंने वादा किया, मैंने पूरा किया। उन्होंने राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने तथा आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक रैंक-एक पेंशन (ओरोओपी) लागू की गई और सेवानिवृत्त सैनिकों के खातों में करीब एक लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के शासन में हिंसा पर अंकुश लगा है तथा इस बार मतदाता भय के बिना मतदान करने आए। निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान सुचारू रूप से हुआ और विदेशी पर्यवेक्षक भी मतदान देखने आए।

### बिहार में अधिक मतदान सरकार के पक्ष में वोट है : धर्मेंद्र प्रधान

**पटना।** केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत सरकार के पक्ष में लहर का संकेत है और विपक्ष का यह दावा निराधार है कि यह परिणाम राजग के लिए चेतावनी की घंटी है। राज्य में भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में 64.69 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सर्वाधिक है। प्रधान ने कहा, उत्साहवर्धक मतदान का संकेत है। कई जगहों पर देखा गया है कि लोग बड़ी संख्या में मौजूदा सरकार के पक्ष में मतदान करने निकलते हैं। बिहार में भी यही हो रहा है। महिलाओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया और मीडिया से बात करने वाले अधिकतर मतदाताओं ने स्पष्ट कहा कि वे विकास और सुरक्षा के लिए वोट कर रहे हैं।

**बिहार संग्राम**

### लालू-राबड़ी-राहुल के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं : शाह

**जमुई/भागलपुर।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के पास बिहार के विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन ने अपने शासनकाल में गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम किया। जमुई की चुनावी सभा में शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जो लोग सिर्फ अपने बेटे-बेटियों के कल्याण की चिंता करते हैं, वे बिहार का विकास नहीं कर सकते। शाह ने आरोप लगाया, उन्होंने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जो गरीबों की नौकरियां, अनाज और संसाधन छीन रहे हैं। क्या ऐसे लोग बिहार को विकसित बना सकते हैं? बिल्कुल नहीं। भागलपुर में की रैली में शाह ने विपक्षी गठबंधन को ठगबंधन करार देते हुए कहा कि इनके पास न तो कोई नीति है, न एकता। उन्होंने तेजस्वी यादव पर भी हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी के प्रिय मुख्यमंत्री एमके स्टालिन (डीएमके) ने बिहारी लोगों की तुलना बीड़ी से करके उनका अपमान किया था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय आतंकवादी हमले आम थे और उस समय के प्रधानमंत्री में आतंकवाद के खिलाफ बोलने का भी साहस नहीं था।

### हरियाणा में वोट चोरी की गई, अब बिहार में कोशिश जारी : राहुल गांधी

**बांका (बिहार)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी की थी और अब बिहार में कोशिश कर रही है। बांका में राहुल ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी और अमित शाह ने हरियाणा का चुनाव चुराया और चुनाव आयोग इस पर आंखें मूंदे बैठा है। हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 29 लाख फर्जी हैं। ब्राजील की महिला का नाम मतदाता सूची में कई बूथ पर था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने दिल्ली में मतदान करने के बाद बिहार में भी वोट डाला है। भाजपा ने यही काम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में किया, और अब बिहार में भी वही दोहराने की कोशिश कर रही है।

### 'मनुस्मृति' नहीं लागू होने देंगे, चाहे जान चली जाए : खरगे

**सासाराम।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी पर देश में मनुस्मृति को लागू करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि यह नहीं होने दिया जाएगा, चाहे जान क्यों न चली जाए। उन्होंने रोहतास के चेनारी में चुनावी सभा में कहा कि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया ताकि पलायन और बेरोजगारी खत्म हो। मोदी ने कहा कि कनपटी पर कट्टा रखकर राजद ने मुख्यमंत्री का पद ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ पर झूठ बोलते हैं। खरगे ने कहा कि मोदी मनुस्मृति को सामने रखकर उसके तहत समाज को चलाना चाहते हैं। जिसे आंबेडकर ने जलाया, उस मनुस्मृति को ये वापस लाना चाहते हैं।

# पायलट दोषी नहीं, आप इसका बोझ न लें : सुप्रीम कोर्ट

**अहमदाबाद हादसा**

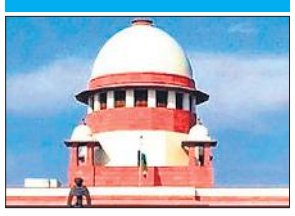

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए पायलट के 91 वर्षीय पिता से शुक्रवार को कहा कि उनके बेटे को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका बोझ अपने ऊपर नहीं रखना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उनकी याचिका पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि आपको अपने ऊपर बोझ नहीं रखना चाहिए। विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह दुर्घटना थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पायलट कैप्टन सुमित के संबंध में अमेरिकी प्रकाशन वॉल स्ट्रीट जर्नल में समाचार लेख छपा था। पीठ ने जवाब दिया, यह केवल भारत को दोषी ठहराने के लिए घटिया रिपोर्टिंग थी। पीठ ने 12 जुलाई को जारी विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट का पैराग्राफ पढ़ा और कहा कि इसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया कि दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी ठहराया जाना चाहिए और इसमें केवल विमान के दो पायलटों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख है। एएआईबी जांच का दायरा दोषारोपण करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए निवारक उपाय सुझाना है। यदि आवश्यक हुआ तो हम स्पष्ट कर देंगे कि पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने इस मामले को घटना से संबंधित अन्य लंबित याचिकाओं के साथ 10 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। गौरतलब है कि 12 जून को हुए विमान हादसे में 260 लोगों की जान चली गयी थी।

### उज्जैन में मस्जिद गिराए जाने के खिलाफ याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक मस्जिद के गिराए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मस्जिद को भूमि अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दिया गया था। तकिया मस्जिद जनवरी में उस जमीन के अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दी गई थी जिस पर यह बनी थी। कहा जाता है कि मस्जिद 200 साल पहले बनी थी। अधिकारियों ने उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग स्थल का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू की थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, 13 याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि 200 साल पुरानी मस्जिद को इसलिए गिराया गया क्योंकि पार्किंग स्थल की आवश्यकता थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस याचिका की सुनवाई की। पीठ ने कहा कि वैधानिक योजना के तहत मुआवजा देना ज़रूरी था। आपने उसी अधिग्रहण को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी, जिसे वापस लिया गया मान कर खारिज कर दिया गया था। वकील ने कहा कि मस्जिद को 1985 में वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। वकील ने तर्क दिया, आपको किसी अन्य धार्मिक स्थल के लिए पार्किंग की ज़रूरत है और आप मस्जिद गिरा देते हैं और कहते हैं कि आपको इसका अधिकार नहीं है।

### एसआईआर: ईसी के फैसले पर 11 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने पूरे भारत में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के निर्वाचन आयोग (ईसी) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 नवंबर को सुनवाई करने पर शुक्रवार को सहमति जताई। गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों तक जाता है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 11 नवंबर से इन याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने कहा कि 11 से कई मामले सूचीबद्ध हैं, फिर भी वह अन्य सुनवाई को समायोजित करने का प्रयास करेगी।

### ठगी का शिकार हुए टीएमसी सांसद खाते से उड़ाए 55 लाख रुपये

**कोलकाता।** टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के निष्क्रिय पड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) खाते को फर्जी दस्तावेजों के जरिए साइबर ठगों ने फिर से सक्रिय कर और इससे 55 लाख से अधिक की रकम निकाल ली। कोलकाता में एसबीआई की हाईकोर्ट शाखा ने साइबर अपराध थाने में शिकायत दी है, जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

बैंक की शिकायत अनुसार, ठगों ने जाली पैन और आधार कार्ड तैयार किए, जिन पर कल्याण बनर्जी की तस्वीर थी। इन जाली दस्तावेजों की मदद से बनर्जी के पुराने खाते की केवाईसी अपडेट कर दी। इसके बाद 28 अक्तूबर को खाते में दर्ज मोबाइल नंबर भी बदल दिया गया। जिसके बाद ठगों ने कई ऑनलाइन लेनदेन किए और 56 लाख 39 हजार 767 रुपये इंटरनेट बैंकिंग के जरिए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार, निकाली गई रकम को कई अलग-अलग खातों में भेजा गया, जिसे एटीएम के माध्यम से निकाल लिया गया है।

# पुणे में आईटी पेशेवर से 14 करोड़ ठगे, साध्वी समेत तीन हिरासत में

पुणे, एजेंसी

- **आध्यात्मिक शक्तियों से दो लड़कियों का उपचार करने का पिता को दिया झांसा**

महाराष्ट्र के पुणे में अपनी 'आध्यात्मिक शक्तियों' के बूते दो लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने का झांसा देकर उनके आईटी पेशेवर पिता से कथित रूप से 14 करोड़ रुपये ठग लेने के आरोप में एक कथित साध्वी एवं दो अन्य को हिरासत में लिया गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक डोलास ने कुछ दिन पहले पुणे पुलिस से शिकायत की थी कि एक कथित साध्वी ने यह दावा करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की है कि उसके पास आध्यात्मिक उपचार शक्तियां हैं। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, कोथरूड थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और बाद में इसे आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को स्थानांतरित कर दिया गया। नासिक से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए लोगों में कथित साध्वी भी है, लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि साध्वी ने उनके परिवार को आश्वासन दिया था कि वह दैवीय हस्तक्षेप से उनकी बेटियों को ठीक कर सकती है। उसने उन्हें अपनी संपत्ति बेचने को राजी किया, जिसमें ब्रिटेन में घर, पुणे में अचल संपत्ति और अपने पैतृक गांव में कृषि भूमि शामिल थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

## ब्रिटेन की मंत्री लिसा ने नियमों के उल्लंघन को लेकर माफी मांगी

**लंदन।** ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मामलों की मंत्री लिसा नंदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से तब माफी मांगी जब यह पाया गया कि इंग्लैंड के नए फुटबॉल निगरानीकर्ता की नियुक्ति करते समय उन्होंने अनजाने'' में देश के सार्वजनिक नियुक्ति नियमों का उल्लंघन किया था। सार्वजनिक नियुक्तियों के स्वतंत्र आयुक्त सर विलियम शॉक्रॉस ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि पिछले महीने डेविड कोगन की नियुक्ति शासन संहिता का उल्लंघन है, क्योंकि उन्होंने पांच साल पहले भारतीय मूल की ब्रिटेन की मंत्री के लेबर पार्टी के नेतृत्व अभियान के लिए कुल 2,900 पाउंड के दो दान दिए थे। शॉक्रॉस ने अपनी जांच में लिखा, आयुक्त ने पाया है कि नंदी ने अनजाने में संहिता का उल्लंघन किया है। उन्हें यह जांच करनी चाहिए थी और कोगन को चुनने से पहले आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए थी।

## कैरिबियाई सागर में जहाज पर अमेरिका का हमला, 3 लोग मारे गए

**वाशिंगटन।** अमेरिकी सेना के गुरुवार को कैरिबियन सागर में एक जहाज पर किए गए हमले में तीन लोग मारे गए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशन में युद्ध विभाग ने घोषित आतंकवादी संगठन के एक जहाज पर घातक हमला किया। यह जहाज कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था। इस अभियान में किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच संसद के कई सदस्यों और मानवाधिकार संगठनों ने इस कार्रवाई की आलोचना की है और कहा कि संदिग्ध ड्रग तस्करों पर अदालतों में मुकदमा चलाया जाना चाहिए था। ट्रंप प्रशासन ने अभी तक ऐसा कोई सबूत जारी नहीं किया है कि जहाज नशीले पदार्थ ले जा रहे थे या उनका मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह से संबंध था।

## उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर दागी मिसाइल, नुकसान नहीं

**सोल।** उत्तर कोरिया के शुक्रवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागने से इलाके में तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ़ ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र ताइक्वान के आसपास के एक अंतरदेशीय क्षेत्र से यह मिसाइल दागी गयी। उन्होंने उड़ान के बारे में और जानकारी नहीं दी, पर यह अवश्य कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा और अधिक प्रक्षेपणों की आशंका के खिलाफ निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा की जा रही है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि मिसाइल देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जलक्षेत्र में गिरी।

# प्रत्यर्पित किया जा रहा ब्रिटिश दिल्ली हवाई अड्डे से फरार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- **राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान, नहीं चला पता**

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ी सुरक्षा चूक में बैंकॉक से आया एक ब्रिटिश नागरिक आव्रजन क्षेत्र से भाग गया। बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना 28 अक्टूबर को हुई जब फिट्ज पैट्रिक नामक ब्रिटिश नागरिक बैंकॉक से दिल्ली पहुंचा। पैट्रिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन प्रत्यर्पित किया जाना था, लेकिन दिल्ली पहुंचने के बाद वह आव्रजन क्षेत्र में अधिकारियों को चकमा देकर भाग निकला और किसी कार्रवाई से पहले ही हवाई अड्डे से बाहर निकल गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ब्रिटिश नागरिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन भेजा जाना था लेकिन वह भागकर शहर में घुस गया। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है और प्राथमिकी दर्ज की गई है। हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीआईएसएफ ने आव्रजन ब्यूरो और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर भगोड़े का पता लगाने के लिए समन्वित प्रयास शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि संभावित चूक की पहचान के लिए हवाई अड्डे के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

# वंदे मातरम् की यात्रा

महात्मा गांधी ने चिंता जताई थी कि यदि लोग वंदे मातरम को त्याग देते हैं तो वे भविष्य में 'जय हिंद' को भी त्याग सकते हैं। उन्होंने 'जय हिंद' के अभिवादन का समर्थन किया था।

## आनंद मठ से आजादी के आंदोलन तक

आजादी के आंदोलन के अमर गीत वंदे मातरम की रचना उन दिनों की बात है, जब अंग्रेजों ने भारतीयों पर 'गॉड सेव द क्वीन' गीत गाए जाने का आदेश थोप दिया था। अंग्रेजों के इस आदेश से व्यथित बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय उन्हीं दिनों की एक शाम बंगाल के गांव कांतलपाड़ा में

प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हुए मातृभूमि के प्रति इतने भावुक हो गए कि इस अमर गीत की रचना कर डाली। देशभक्ति के साथ मातृभूमि को देवी के रूप में पूजने की भावना के साथ रचा गया यह गीत 1882 में जब उनके उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित होकर देशवासियों तक पहुंचा तो देशभक्ति, एकता और स्वतंत्रता आंदोलन में संघर्ष और बलिदान का प्रतीक बन गया। इसके बाद क्रांतिकारियों के जोश के प्रतीक के रूप में यह गीत कांग्रेस के अधिवेशनों, प्रदर्शन और रैलियों में गाया जाने लगा। अंग्रेजों ने 1907 में इसके सार्वजनिक गायन पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन यह गीत आजादी के आंदोलन का अभिन्न हिस्सा बना रहा।

### आजादी के आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका

- यह गीत आजादी की लड़ाई में भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। इसने अंग्रेजों के होश उड़ा दिए।
- 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में हुए स्वदेशी आंदोलन के दौरान भी यह सबसे प्रमुख नारा बन गया।
- स्वराज और आत्मनिर्भरता की भावना को जन्म दिया, देश भर के आंदोलनों को एकता के सूत्र में पिरोया।

### वंदे मातरम् का इतिहास

- बंकिम चंद्र ने 7 नवंबर 1875 को इस गीत की रचना की थी और 1882 में अपने उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया था।
- यह गीत संस्कृत और बांग्ला मिश्रित भाषा में लिखा गया था। इस गीत में मातृभूमि की कल्पना देवी के रूप में की गई थी।
- संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया और समान रूप से सम्मानित करने का निर्णय लिया।

वंदे मातरम का पहली बार गायन रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता में हुए अधिवेशन में किया था।

### यादगार घटनाएं

- पश्चिम बंगाल में आजादी के लिए एक जुलूस का नेतृत्व कर रही मातंगिनी हाजरा को 1942 में जब ब्रिटिश पुलिस ने तीन गोलियां मारीं तो उनके अंतिम शब्द 'वंदे मातरम' थे।
- महाराष्ट्र की भीकाजी रुस्तम कामा ने 1907 में जर्मनी के स्टटगार्ट में बनाए गए भारत के पहले राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) की मध्य पट्टी पर 'वंदे मातरम' लिखा गया था।
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की पुस्तक 'क्रांति गीतांजलि' में गीत के पहले दो छंद 'मातृ वंदना' के रूप में दिए गए थे, जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

### अंग्रेजों की कूटनीति

वंदे मातरम गीत के ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एकता का सूत्र बन जाने के बाद अंग्रेजों ने इस पर प्रतिबंध लगाया। यह बेअसर रहा तो उन्होंने बांटों और राज करो की नीति के तहत इसे हिंदू-मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करने का जरिया बनाया और इसमें कामयाब भी हुए। धार्मिक विवाद शुरू हो गए। 1909 के मुस्लिम लीग के अमृतसर अधिवेशन में वंदे मातरम को 'इस्लाम विरोधी' करार दिया गया।

### विवाद और चर्चाएं

वंदे मातरम के 100 साल पूरे होने पर 2005 में इसे स्कूलों में गाने के लिए प्रोत्साहित किया गया लेकिन कुछ धार्मिक समूहों की ओर से आपत्ति जताने के बाद तत्कालीन सरकार ने इसे अनिवार्य नहीं बनाया और इसका गायन लोगों की स्वेच्छा पर छोड़ दिया गया।

# एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक

## कॉप- 30 के विशेष दूतों ने विश्व नेताओं को दी चेतावनी, एकजुट होने की अपील

**नई दिल्ली, एजेंसी**

**जलवायु संकट पर चिंता**

### 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने की आशंका, रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त

वैज्ञानिकों ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 के दशक की शुरुआत तक दुनिया में तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की बहुत संभावना है। दक्षिण एशिया, अफ्रीका, यूरोप और उत्तरी अमेरिका सहित प्रमुख क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले दूतों ने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति के बावजूद, तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा, हम पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहे हैं। दूतों ने कहा कि कॉप30 को पेरिस समझौते और दुबई में कॉप28 में अपनाई गई संयुक्त अरब अमीरात की आम सहमति, दोनों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कॉप- 30 के सात विशेष दूतों ने शुक्रवार को ब्राजील में इस वर्ष होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं से पेरिस समझौते के कार्यान्वयन में 'निर्णायक प्रगति' लाने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी कि एक डिग्री सेल्सियस के दसवें हिस्से के बराबर अतिरिक्त तापमान भी 'कठोर परिणाम' लाएगा।

कॉप30 के अध्यक्ष और विश्व नेताओं को लिखे एक संयुक्त पत्र में, दूतों ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन एक 'महत्वपूर्ण अवसर और एक गंभीर चुनौती' दोनों प्रस्तुत करता है और इससे एक मजबूत संकेत मिलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जलवायु संकट का सामना करने के अपने दृढ़ संकल्प में एकजुट है। आगामी 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित होने वाला कॉप- 30 सम्मेलन पेरिस समझौते के एक दशक पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। यह वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों, चल रहे युद्धों और अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता के बीच हो रहा है।

आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच कई विकसित देशों द्वारा अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के साथ-साथ अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने के चलते इस वर्ष की जलवायु वार्ता के लिए एक चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि तैयार हो गई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2025 रिकॉर्ड पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष होगा। वर्ष 2024 सबसे गर्म वर्ष था और ऐसा पहला वर्ष था जब वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। हालांकि, पेरिस समझौते में निर्दिष्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का स्थाई उल्लंघन 20 या 30 वर्षों की अवधि में दीर्घकालिक तापमान वृद्धि को दर्शाता है। कॉप- 30 के लिए सात विशेष दूतों में अदनान जेड अमीन (पश्चिम एशिया), अरुणाभ घोष (दक्षिण एशिया), कार्लोस लोपेज (अफ्रीका), जैसिंडा अर्डर्न (ओशिनिया), जोनाथन पर्शिंग (उत्तरी अमेरिका), लॉरेंस टुबियाना (यूरोप) और पेट्रीसिया एस्पिनोसा (लैटिन अमेरिका और कैरिबियन) शामिल हैं।

### यूएन महासचिव ने भी किया त्वरित और ठोस प्रयासों का आग्रह

**नई दिल्ली।** संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और विश्व नेताओं ने विश्व के देशों से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाने और ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है। ब्राज़ील के अमेज़न शहर बेलेम में 10-21 नवंबर को होने वाले 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप- 30) से पहले जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित दो दिवसीय नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते उन्होंने आह्वान किया, हमें तेज़ी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। इस सीओपी को एक दशक की गति और परिणाम देने वाली योजना को प्रज्वलित करना चाहिए। उन्होंने तापमान में बढ़ोत्तरी मामले में कहा इससे पारिस्थितिक तंत्र अपरिवर्तनीय चरम सीमा से आगे बढ़ सकता है। जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों के जीवन को संकट में डाल सकता है।" इस विशाल चुनौती के बावजूद, दुनिया "बेलेम को एक महत्वपूर्ण मोड़ बनाने का विकल्प चुन सकती है। गुटेरेस ने इस मामले में विश्व के अनेक देशों द्वारा तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

# अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच फिर हुई गोलाबारी

**इस्लामाबाद।** अफ़ग़ानिस्तान के कंधार प्रांत के एक सीमावर्ती ज़िले में पाकिस्तानी सेना ने भारी हथियारों का भी जमकर इस्तेमाल किया। अफगानिस्तान के स्थानीय मीडिया के अनुसार गोलीबारी स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम लगभग 5 बजे हुई।

कहा गया है कि स्पिन बोल्डक ज़िले के एक व्यावसायिक बाज़ार पर मोर्टार के गोले दागे गए, जिससे लोगों को इलाके से भागने पर मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान ने कहा है कि अफगान तालिबान के नियंत्रण वाले इलाक़े से कुछ तत्वों के पाकिस्तानी चौकियों पर बिना उकसावे गोलीबारी शुरू करने के बाद पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर गोलीबारी हुई। अफगानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के चमन ज़िले में हुई गोलीबारी का तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

# शटडाउन : अमेरिका में होगी सैकड़ों उड़ानों की कटौती

**न्यूयार्क, एजेंसी**

- **आदेश जारी होने के बाद अब तक एक हजार से ज्यादा उड़ाने रद्द**

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने संघीय 'शटडाउन' के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश शुक्रवार सुबह से लागू करने का एलान किया है। इससे सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की आशंका है।

एफएए के आदेश के अनुसार, चयनित 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हैं और इसमें अटलांटा, डलास, डेनवर, लॉस एंजिल्स और चार्लोट (नॉर्थ कैरोलिना) जैसे प्रमुख हब शामिल हैं। न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन, शिकागो और वॉशिंगटन समेत कुछ महानगरीय क्षेत्रों में कई हवाई अड्डों पर इसका असर पड़ेगा और इसका प्रभाव छोटे हवाई अड्डों पर भी पड़ सकता है। एफएए के आधिकारिक आदेश की संभावना के मद्देनजर एयरलाइनों ने अपने कार्यक्रम समायोजित करना शुरू कर दिया है तथा बृहस्पतिवार से ही उड़ानों को रद्द किया जा रहा है।

फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देशभर में 780 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। डेल्टा एयर लाइन्स ने कहा कि वह शुक्रवार को लगभग 170 उड़ानें रद्द करेगी, जबकि अमेरिकन एयरलाइन्स ने सोमवार तक रोजाना 220 उड़ानों के संचालन को रोकने की योजना बनाई है। एफएए ने कहा कि उड़ानों में कमी 4 प्रतिशत से शुरू होकर 14 नवंबर तक 10 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। यह आदेश सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा और सभी वाणिज्यिक एयरलाइनों को प्रभावित करेगा।

# अमेरिका में बना एक और भारतीय मूल का मेयर स्वर्णजीत सिंह संभालेंगे नॉर्विच शहर की कमान

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका में एक और भारतीय मूल के व्यक्ति को मेयर चुना गया है। रियल एस्टेट कारोबारी सिंह स्वर्णजीत को कनेक्टिकट प्रांत के नॉर्विच शहर का मेयर बने हैं। वह राज्य के पहले सिख मेयर हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के स्वर्णजीत को 3,978 वोट (57.25 प्रतिशत) मिले, जबकि उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी स्टेसी गोल्ड को 2,828 वोट (40.7 प्रतिशत) मिले। स्वर्णजीत की चुनावी वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने नॉर्विच को एक ऐसे शहर के रूप में वर्णित किया है, जिसने उनके परिवार को दिल खोलकर अपनाया है। इसमें कहा गया है कि 1984 में भारत में हुए सिख विरोधी दंगों के बाद उनका परिवार पलायन कर गया था और वह हिंसक उत्पीड़न के खतरे से मुक्ति पाने के लिए 2007 में अमेरिका पहुंचे थे। स्वर्णजीत रियल एस्टेट कारोबारी हैं और नॉर्विच में एक गैस स्टेशन के मालिक हैं।

# इंडोनेशिया : स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट, छात्रों समेत 55 लोग घायल

**जकार्ता।** इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक हाई स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट हुए जिसमें 55 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर छात्र थे। पुलिस ने इन अटकलों को खारिज करने की कोशिश की कि ये विस्फोट आतंकवादी हमला थे और कहा कि वे जांच कर रहे हैं।

- **आतंकवादी हमला होने का शक कई घायलों की हालत गंभीर**

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने दोपहर के आसपास कम से कम दो जोरदार धमाके सुने, ठीक उसी समय जब जकार्ता के उत्तरी केलापा गाडिंग इलाके में नौसेना परिसर के अंदर स्थित सरकारी हाई स्कूल, एसएमए 27 स्थित मस्जिद में धर्मोपदेश शुरू हुआ था। मस्जिद में धुआं भर जाने से छात्र और अन्य लोग दहशत में बाहर भागे। जकार्ता पुलिस प्रमुख असेप एडी सुहेरी के अनुसार ज्यादातर लोगों को कांच के टुकड़ों से मामूली से लेकर गंभीर चोटें आईं। विस्फोटों का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि लोगों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। कुछ को तुरंत घर भेज दिया गया, लेकिन 20 छात्र अभी भी अस्पताल में हैं, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हैं।

# चीनी बेड़े में तीसरा विमान वाहक पोत

**बीजिंग।** चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' को नौसैनिक बेड़े में शामिल कर लिया है। इसे विद्युतचुंबकीय प्रक्षेपण प्रणाली (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट) से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है जिससे विमानों को उड़ान भरने में मदद मिलती है।

'फुजियान' को चीनी नौसेना में शामिल किए जाने पर आयोजित गोपनीय समारोह में राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद थे। फुजियान एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम से लैस है, जिसका इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड करता है।

# भूख-गरीबी अभाव से नहीं बल्कि राजनीतिक विफलता के कारण

**नई दिल्ली, एजेंसी**

**संयुक्त राष्ट्र दोहा शिखर सम्मेलन में सामाजिक प्रतिज्ञाएं पूरी करने का संकल्प**

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बैरबॉक ने दोहा शिखर सम्मेलन की समापन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह शिखर सम्मेलन कमियों की पहचान करने से लेकर सिद्ध समाधानों पर अमल करने की दिशा में एक सुविचारित बदलाव का प्रतीक है। शिखर सम्मेलन में 40 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, 230 से ज्यादा मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों और लगभग 14,000 उपस्थित लोगों ने भाग लिया।

एनालेना ने कहा, कोपेनहेगन ने हमें 30 साल पहले सिखाया था कि

मज़बूत समाजों के लिए सामाजिक विकास और समावेशन ज़रूरी हैं। हमने किसी को पीछे न छोड़ने का वादा किया था। सामाजिक विकास कोई दान जैसा कार्य नहीं है और नहीं प्रत्येक द्वारा अपने हित में किये जाने वाला कार्य है। यह हर देश के हित में है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया में आज भूख और गरीबी अभाव के कारण नहीं, बल्कि संघर्ष, असमानता और राजनीतिक विफलताओं के कारण हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, सबसे बड़ी समस्या पैसा नहीं बल्कि यह है कि इसे कैसे निवेश किया जाता है।

औपचारिक पूर्ण सत्र और गोलमेज चर्चाओं के साथ-साथ, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने और सम्मानजनक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने के लिए 250 से अधिक समाधान सत्र आयोजित किए गए। उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कहा कि यह परिणाम नागरिक समाज, ट्रेड यूनियनों, सामुदायिक नेताओं, व्यवसायों और युवा प्रतिनिधियों द्वारा पूरे सप्ताह व्यक्त की गई तात्कालिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, संदेश स्पष्ट है, लोग हमसे केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि उत्तरों की अपेक्षा करते हैं।

### क्षेत्रीय आर्थिक आयोग करेंगे देशों की मदद

क्षेत्रीय आर्थिक आयोगों ने कहा कि वे प्रतिबद्धताओं को व्यावहारिक उपायों में बदलने में देशों की सहायता करेंगे। यूरोप के आर्थिक आयोग ने वृद्धावस्था नीतियों, किफायती आवास, न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन और बेहतर गरीबी आंकड़ों के लिए समर्थन पर ज़ोर दिया, जिससे सरकारों को सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों तक पहुंचने वाली प्रणालियां डिज़ाइन करने में मदद मिली। अफ्रीका के आर्थिक आयोग ने अफ्रीकी संघ और क्षेत्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी में शिक्षा, कौशल, रोज़गार के अवसरों और उद्यमिता में निवेश का आह्वान करते हुए, महाद्वीप की युवा क्षमता पर जोर दिया।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 8 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 07 .32 तक तत्पश्चात चतुर्थी 9 नवंबर 04 .25 तक तत्पश्चात पंचमी।

## आज का पंचांग

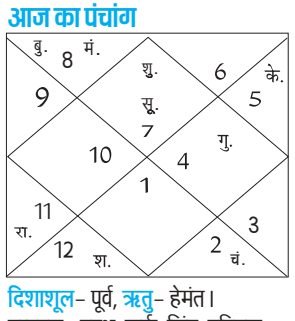


दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 22 .02 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

**मेष** — आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

**वृष** — आज अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के पूर्वार्ध में कर लेना हितकर होगा। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

**मिथुन** — आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। पुराने रुके हुए कार्य शुरू हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी।

**कर्क** — आज आप पर कार्यभार की अधिकता रहेगी। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

**सिंह** — आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आएगी। कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। सोशल मीडिया में आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

**कन्या** — आज सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति विषयों में आप विशेष रुचि ले सकते हैं। अचानक किसी आवश्यक कार्य से शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी।

**तुला** — आज बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक खर्च कर सकते हैं। दोस्तों के साथ भविष्य की किसी योजना को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं।

**वृश्चिक** — आज किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। आप कोई नया काम शुरू करने से बचें।

**धनु** — आज किसी इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कई आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे।

**मकर** — आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है।

**कुंभ** — आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने काम न छोड़ें। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद करेंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें।

**मीन** — आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। बोलचाल में अपशब्दों का प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

## सुडोकू-154

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | | | | | 2 | | |
| 4 | | 5 | | | | | | |
| | | | 2 | 7 | | | | |
| | 9 | | 3 | | | | | |
| | 7 | | | | | | 1 | |
| | | | | 5 | 4 | | | |
| | | | | 4 | 6 | | | |
| | | 1 | | | | 4 | | 5 |
| 7 | | 3 | | | | | 8 | |

### सुडोकू - 153 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 8 | 5 | 9 | 2 | 6 | 7 | 4 | 3 |
| 9 | 3 | 4 | 5 | 1 | 7 | 2 | 8 | 6 |
| 2 | 6 | 7 | 8 | 4 | 3 | 5 | 9 | 1 |
| 8 | 1 | 3 | 7 | 6 | 5 | 4 | 2 | 9 |
| 7 | 9 | 6 | 2 | 8 | 4 | 3 | 1 | 5 |
| 4 | 5 | 2 | 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 |
| 5 | 4 | 1 | 6 | 9 | 2 | 8 | 3 | 7 |
| 3 | 7 | 8 | 4 | 5 | 1 | 9 | 6 | 2 |
| 6 | 2 | 9 | 3 | 7 | 8 | 1 | 5 | 4 |

मैच से पहले सचिन सर का फोन आया। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और हमे संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब मैच तेज चल रहा हो तो थमकर खेलने की कोशिश करो क्योंकि अगर तुम भी तेज खेलोगे तो लड़खड़ा जाने का खतरा होगा।

-हरमनप्रीत कौर


# स्टेडियम

बरेली, शनिवार 8 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### सचिन के फोन से मिली थी हरमनप्रीत को प्रेरणा

**नई दिल्ली :** विश्व कप फाइनल से पहले हरमनप्रीत कौर को बहुत सलाह मिली, लेकिन भारतीय कप्तान के लिए सबसे अहम थी, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सलाह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक फाइनल से पहले महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत को तेंदुलकर ने फोन किया था। नवी मुंबई में फाइनल जीते को पांच दिन हो चुके हैं लेकिन हरमनप्रीत अभी भी अचरज में है कि सोलह साल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद अचानक सब कुछ कैसे बदल गया। उन्होंने कहा हम जब भी एक दूसरे से मिलते हैं तो कहते हैं विश्व चैम्पियन। यह अलग तरह का अनुभव है। हम इंतजार कर रहे थे कि इस तरह का अनुभव कब होगा। हरमनप्रीत ने कहा मेरे माता पिता वहां थे। उनके सामने विश्व कप जीतने का पल खास था।

### डिजिटल पर रिकॉर्ड दर्शकों ने देखा फाइनल

**मुंबई :** आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत ने देश में क्रिकेट प्रसारण के लिए नए मानक स्थापित किए और आधिकारिक प्रसारक के अनुसार कुल 44 .6 करोड़ दर्शकों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह टूर्नामेंट देखा। जियोहॉटस्टार ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि महिला विश्व कप फाइनल को उसके प्लेटफॉर्म पर 18 .5 करोड़ उपयोगकर्ताओं ने देखा। इसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता। फाइनल में दर्शकों की संख्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दैनिक औसत से अधिक थी लेकिन यह पिछले साल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान दर्ज किए गए दर्शकों की संख्या के बराबर थी।

### अर्जुन जीते, गुकेश ने ड्रॉ खेला

**पणजी (गोवा) :** ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को शिकस्त दी जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शतरंज विश्व कप के तीसरे दौर की बाजी के पहले गेम जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन के साथ ड्रॉ खेला। एरिगेसी के अलावा ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने भी बेल्जियम के युवा ग्रैंडमास्टर डैनियल दर्धा को हराकर बढ़त बना ली। राउंड ऑफ 64 में आर प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से आसान शुरूआत करते हुए अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान के साथ तीसरे दौर का पहला गेम ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती ने सैम शंकलैंड से ड्रॉ खेला।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (दाएं) और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महिला विश्व कप विजेता भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को सम्मानित किया।

मोहाली में अपने घर पहुंचीं अमनजोत कौर ने परिवार के साथ जश्न मनाया। एजेंसी

# मुझे लग रहा था कि शेफाली फाइनल में कुछ खास करेगी: प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है। उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी। हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गईं, लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा।

प्रतिका ने पीटीआई वीडियो से कहा शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी। प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए, जिससे वह लॉरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई। उन्होंने कहा मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं।

प्रतिका ने कहा पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करें। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना। उन्होंने कहा मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई, लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे पिताजी हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने स्वीकार किया पिछले रविवार को जब उनकी साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है।

प्रतिका रावल।

शेफाली वर्मा।

### दीप्ति के इस्तकबाल के लिए ताज नगरी तैयार

**आगरा :** ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा के स्वागत के लिए घर में तैयारियां बहुत जोर शोर से चल रहीं हैं। दीप्ति के परिजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह से ही घर को संवारने और सजाने का काम शुरू हो गया है। दीप्ति शर्मा आगरा के अवधपुरी की रहने वाली हैं। वह अब घर आने वालीं हैं लिहाजा परिजन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दीपावली पर घर की रंगाई पुताई नहीं हुई थी लेकिन दीप्ति के आगमन पर घर का रंग रोगन और सजाया जा रहा है। घर के आसपास भी सफाई की जा रही है यानी दीप्ति घर आएगी तो आलीशान स्वागत किया जाएगा।

# विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने का मौका

## ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज दोपहर 1:45 बजे से

ब्रिस्बेन, एजेंसी

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने की दहलीज पर खड़ी भारतीय टीम शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर कर ऑस्ट्रेलिया दौरे का अंत प्रभावशाली ढंग से करने की कोशिश करेगी। भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया में 17 साल से कोई टी-20 शृंखला नहीं गंवाने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस दौरे का अंत जीत के साथ करने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

मैच में सबसे ज्यादा नजरें शुभमन गिल और सूर्यकुमार की बल्लेबाजी पर होंगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले भारत की स्पिन चुनौती का डटकर सामना करना चाहेगा। भारतीय टीम ने पिछले मैच में बेहतर रणनीतिक सूझबूझ दिखाई थी और कैरारा की मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों ने अच्छा तालमेल बिठाया था। गिल ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी जिससे भारत 14 ओवर में दो विकेट पर 121 रन के स्कोर के साथ मजबूत स्थिति में था। टीम ने हालांकि इसके बाद 15 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिये थे। उपकप्तान गिल ने सात पारियों से अर्धशतक नहीं लगाया है, लेकिन पिछले मैच में 46 रन के साथ उन्होंने ने लय में वापसी का संकेत दिया था। सूर्यकुमार ने शृंखला में कुछ शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली शृंखला से पहले कप्तान से और अधिक आजादी के साथ बल्लेबाजी कर मिसाल कायम करने की उम्मीद होगी।

तिलक वर्मा भी इस शृंखला में अभी तक अपनी लय नहीं पकड़ पाए हैं, उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में 0, 29 और पांच रन बनाए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा पर भी दबाव होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में उन्होंने अनुभवी संजू सैमसन पर तरजीह मिलने के बाद कोई ख़ास प्रभाव नहीं छोड़ा है। अभिषेक शर्मा ने दुनिया के शीर्ष टी-20 बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए एक तेज अर्धशतकीय पारी खेली और एक अन्य मैच में टीम को आक्रामक शुरुआत दिलाई।

भारत का निचला क्रम भी प्रभावी रहा है। अक्षर पटेल ने पिछले मैच में 11 गेंदों में नाबाद 21 रनों की पारी खेली थी। सातवें और आठवें नंबर पर हरफनमौला खिलाड़ियों की मौजूदगी ने टीम को मजबूती प्रदान की है। अर्शदीप सिंह ने गेंदबाजी में एक बार फिर भारत के लिए अपनी उपयोगिता साबित की है, उन्होंने चार विकेट लिए हैं और जसप्रीत बुमराह के साथ नयी गेंद से प्रभावी जोड़ी बनाई है। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति के बावजूद वरुण, अक्षर और वाशिंगटन की स्पिन तिकड़ी भारत की एक बड़ी ताकत रही है।

### टीम

**भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

**ऑस्ट्रेलिया :** मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

- बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव पर सबसे ज्यादा नजरें

शुभमन गिल।

### पिछली गलतियों से सीखा, बाउंड्री के आकार को शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया : अक्षर

**कैरारा (गोल्ड कोस्ट) :** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया। अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाये। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अक्षर ने बीसीसीआई टीवी से कहा जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही संदेश मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर डटे रहना है क्योंकि मेरे बाद कोई बल्लेबाज नहीं था। इस 31 साल के हरफनमौला ने कहा मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में जोखिम उठाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी, लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं। उन्होंने कहा मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये। सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच शनिवार को ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

# भारत ए मजबूत स्थिति में 112 रनों की बनाई बढ़त

बेंगलुरु, एजेंसी

**हांगकांग सिक्सेज मैच**

मार्क्स एकरमैन की शतकीय पारी के बावजूद भारत ए ने दूसरे चार दिवसीय मैच में शुक्रवार को यहां दूसरे दिन तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते दक्षिण अफ्रीका ए की पहली पारी को 221 रन पर समेट कर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की। भारत 'ए' ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में तीन विकेट पर 78 रन बनाकर बढ़त को 112 रन तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (26) के साथ कुलदीप यादव (शून्य) क्रीज पर मौजूद हैं। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और आकाशदीप (पर दो विकेट) ने पिच का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते करने हुए आपस में सात विकेट साझा किए जिससे दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 221 रन पर सिमट गयी।

भारत ए के देवदत पडिक्कल, के एल राहुल और ध्रुव जुरेल स्लिप में फील्डिंग करते हुए।

# महिला वनडे विश्व कप-2029 में 10 टीमें खेलेंगी

दुबई, एजेंसी

- आईसीसी ने की घोषणा, अभी तक आठ टीमें ले रही थीं भाग

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि महिला वनडे विश्व कप के 2029 में होने वाले अगले चरण में मौजूदा आठ टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 टीम का कर दिया जाएगा। भारत ने दो नवंबर को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपनी पहली वैश्विक ट्रॉफी जीती। हजारों प्रशंसक मैच देखने के लिए स्टेडियम में उमड़ पड़े जिससे विश्व संस्था को यह कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया आईसीसी बोर्ड इस टूर्नामेंट की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है। आईसीसी बोर्ड ने टूर्नामेंट के अगले चरण को 10 टीमों (2025 में आठ टीमों से) तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इसमें आगे कहा गया लगभग 3,00,000 प्रशंसकों ने स्टेडियम में इस टूर्नामेंट को देखा जिसने किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दर्शकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में दर्शकों की संख्या में भी वृद्धि हुई और दुनिया भर में ऑन-स्क्रीन दर्शकों के लिए नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ जिसमें भारत में लगभग 50 करोड़ दर्शक थे।

साथ ही बोर्ड ने समान विकास के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वर्ष 2026 के लिए अपने सहयोगी सदस्यों को धन वितरण में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी। आईसीसी को 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर अपना पहला अपडेट मिला है। यह परियोजना अमेरिकी क्रिकेट के निलंबन के बाद और आईसीसी के इस निर्देश के अनुरूप शुरू किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के खिलाड़ियों के व्यावसायिक व विकास हितों पर बोर्ड के गैर-अनुपालन के कारण निलंबन का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। यह परियोजना लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए एक अनुकूल मार्ग तैयार करना है।

# हॉकी ने भारत को ओलंपिक्स में खास जगह दिलाई : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को हॉकी के शताब्दी समारोह में कहा कि ओलंपिक में हॉकी के जरिए ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है।

आज यहां भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया ने ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एक भव्य शताब्दी समारोह के साथ भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा इस खेल ने कई दौर देखे हैं, और ओलंपिक में हॉकी के जरिए ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है। तब से हमने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस खास मौके पर मैं खेल के दिग्गजों के बीच खड़ा हूं। मैं हॉकी इंडिया को हमारे महान खिलाड़ियों के साथ-साथ मौजूदा सितारों को सम्मानित करने, हमारे समृद्ध इतिहास को हमारे उज्ज्वल भविष्य के साथ जोड़ने के लिए बधाई देता हूं।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया (बाएं) और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू (दाएं) नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में पूर्व हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान को सम्मानित करते हुए। एजेंसी

**भारतीय हॉकी का शताब्दी समारोह**

**उम्मीद** भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने महिला विश्व कप को ऐतिहासिक जीत बताया

# हॉकी विश्व कप में भी खत्म होगा इंतजार : गुरबख्श सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गुरबख्श सिंह ने उम्मीद जताई कि हरमनप्रीत सिंह की टीम हॉकी में भी विश्व कप के लिए 50 साल का इंतजार खत्म करेगी।

आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीत सकी है। पिछली बार 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए विश्व कप में मेजबान भारत संयुक्त नौवे स्थान पर रहा था।

टोक्यो ओलंपिक 1964 में स्वर्ण और मैक्सिको में चार साल बाद कांस्य पदक जीतने वाले 90 वर्ष के गुरबख्श ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर भाषा से खास बातचीत में कहा भारत की लड़कियों ने क्रिकेट में हाल ही में विश्व कप जीता है और इससे देश में महिला क्रिकेट को बहुत फायदा मिलेगा। उम्मीद है कि हॉकी में भी अगले साल विश्व कप जीतकर हम इंतजार खत्म करेंगे। विश्व कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में जुलाई अगस्त में होगा और भारत ने एशिया कप जीतकर टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने कहा कि विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के दौर में शुरू हुआ और यही वजह है कि भारत ओलंपिक के प्रदर्शन को उसमे दोहरा नहीं सका।

गुरबख्श ने कहा विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के आने के बाद आया। ओलंपिक में भी टर्फ के आने के बाद हमारे प्रदर्शन में गिरावट आई थी तो शायद वही वजह रही होगी लेकिन मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए मुझे यकीन है कि विश्व कप में भी पदक अब दूर नहीं। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम विश्व कप जीत सकती है लेकिन इसमें कुछ बदलाव करने होंगे।

### खेल मंत्री की स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इलेवन ने 3-1 से जीता हॉकी मुकाबला

**नई दिल्ली :** मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हॉकी शताब्दी समारोह के समारोह की शुरुआत डॉ. मांडविया की अगुवाई वाली स्पोर्ट्स मिनिस्टर इलेवन और डॉ. दिलीप टिर्की के नेतृत्व वाली हॉकी इंडिया इलेवन का एक प्रदर्शनी मैच से हुई। यह मैच स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इलेवन ने 3-1 से जीता, जिसमें ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक ने गोल किए, जबकि मनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया इलेवन के लिए गोल दागा। इस दौरान केंद्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया, खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे, केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने हॉकी का आंनद लिया। हॉकी इंडिया ने खेल में उनके स्थायी योगदान और खिलाड़ियों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए खेल के कुछ सबसे मशहूर हस्तियों को भी सम्मानित किया। इस समारोह में गुरबक्स सिंह, हरबिंदर सिंह, अजीत पाल सिंह, अशोक कुमार, बीपी गोविंदा, असलम शेर खान, जफर इकबाल, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह वीएसएम, विनीत कुमार, रोमियो जेम्स, असुंता लाकड़ा और सुभद्रा प्रधान शामिल थे। इस अवसर पर हॉकी मैचों सदी की जीत, चुनौतियों और फिर से वापसी के जरिए इस खेल के सफर के बारे में जानकारी देने वाली पुस्तक 100 इयर्स ऑफ इंडियन हॉकी का विमोचन किया गया। साथ ही एक खास फोटो प्रदर्शनी लगाई गई।